हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

निराश होकर लौटे यात्री

कोहरे के कारण सुरक्षागत कारणों से लिया गया निर्णय

यह फ्लाइट डायवर्ट हुई

- कोलकाता की सुबह 8.05 वाली फ्लाइट भुवनेश्वर डायवर्ट, वापसी में 3.57 घंटे विलंब
- इंडिगो की दिल्ली की 9.15 बजे आने वाली फ्लाइट रांची गई, वापसी में 4.21 घंटे लेट
- एयर इंडिया का 8.20 बजे दिल्ली का विमान नागपुर पहुंचा, वापसी में 2.25 घंटे विलंब
- मुंबई की 9.00 बजे वाली फ्लाइट भुवनेश्वर डायवर्ट, वापसी में 3.14 घंटे विलंब हुई
- गोवा की 9.15 बजे वाली उड़ान रांची में लैंड, वापसी के दौरान 3.05 घंटे लेट हुई
- बेंगलुरु से 9.30 बजे आने वाला विमान भुवनेश्वर गया, 5.28 घंटे लेट से वापसी

250 मीटर पहुंची विजिबिलिटी

विमानतल में सेवा देने वाले मौसम विशेषज्ञों के अनुसार शनिवार की सुबह धुंध की वजह से रनवे की विजिबिलिटी 250 मीटर तक पहुंच गई थी। किसी विमान के लैंडिंग ▶▶शेष पेज 4 पर

यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा दोपहर बाद शुरू हुई उड़ान

धुंध ने रोके विमान

भुवनेश्वर, रांची, नागपुर में उतरी रायपुर की आधा दर्जन फ्लाइट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आसमां पर बादल और सुबह के वक्त धुंध की वजह से रायपुर विमानतल की विजिबिलिटी कम हो गई। सुबह के वक्त कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और गोवा की फ्लाइट रायपुर के बजाए भुवनेश्वर, रांची, नागपुर एयरपोर्ट में जाकर लैंड हुई। मौसम साफ होने के बाद दोपहर विमानों की आवाजाही शुरू हुई, तब तक यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रायपुर में पिछले दो दिन से बादल छाए हुए हैं। शनिवार को सुबह के वक्त रायपुर में तो धुंध का प्रभाव नहीं था मगर ▶▶शेष पेज 4 पर

हरिभूमि सरोकार

शाम की दिल्ली उड़ान रद्द

सुबह के वक्त दिल्ली-रायपुर-दिल्ली के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट की आवाजाही प्रभावित रही। मौसम खराबी की वजह से हुई इस दिक्कत के बाद इंडिगो ने शाम के शेड्यूल में संचालित होने वाली अपनी दिल्ली उड़ान को रद्द कर दिया। दिल्ली के साथ विभिन्न शहरों से आने वाली फ्लाइट अपने निर्धारित समय के बजाए आधे से एक घंटे विलंब से संचालित हुई।

खराब मौसम में लैंड नहीं कर पाया विमान

अंबिकापुर। सरगुजा में हवाई सेवा शुरू होने के बाद तीसरे दिन ही प्रभावित हो गई। शनिवार को रायपुर से यात्रियों को लेकर पहुंचा विमान एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाया और वापस लौट गया। लैंड नहीं करने के पीछे मुख्य वजह मौसम की खराबी बताई जा रही है। दृश्यता कम होने के कारण विमान को वापस लौटना पड़ा। ऐसे में रायपुर से आ रहे अंबिकापुर के यात्रियों को वापस जाना पड़ा वहीं जाने वाले यात्रियों को भी निराशा हुई। ▶▶शेष पेज 4 पर

देश का ऐसा हाल

दिल्ली में कोहरा, श्रीनगर में टूटा 133 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार सुबह कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री कम है। इधर, कश्मीर में शनिवार को 40 दिनों की सबसे भीषण सर्दी की अवधि चिल्लई कलां शुरू हो गई। श्रीनगर में इस सर्दी ने इतिहास रचते हुए 133 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, जब तापमान - 8.5अंश सेंटीग्रेड तक गिर गया। घाटी के अन्य भागों में भी न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे पहुंच गया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

खबर संक्षेप

सबरीमला में डिजिटल बुकिंग पर लगेगी रोक

सबरीमला। केरल में सबरीमला में वार्षिक 'मंडल पूजा' के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए डिजिटल बुकिंग पर रोक लगेगी। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड ने 25 और 26 दिसंबर को डिजिटल और मौके पर ही बुकिंग की सुविधा पर कुछ पाबंदियां लगाने का फैसला किया है। 25 दिसंबर को तीर्थयात्रियों की संख्या 50,000 और 26 दिसंबर को 60,000 तक सीमित रहेगी।

मां, तीन बच्चों के फांसी पर लटकते शव मिले

प्रतापगढ़। यूपी के भदोही गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला एवं उसके तीन बच्चों के शव फांसी पर लटके मिले। घटना के बाद से पति फरार है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की। संदीप कुमार उर्फ़ तेजा की शादी तीन वर्ष पहले कोमल उर्फ़ दुर्गेश्वरी के साथ हुई थी।

सतीश चंद्र का जमानत आवेदन हाईकोर्ट कर चुकी है खारिज

नान घोटाले में पूर्व महाधिवक्ता, दो पूर्व आईएएस पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप, अब सीबीआई जांच

राज्य के चर्चित नान घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू में दर्ज केस सीबीआई के सुपुर्द कर दिया गया है। इस संबंध में राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी की है। पूर्ववर्ती सरकार में महाधिवक्ता रहे सतीश चंद्र वर्मा के साथ पूर्व दो आईएएस डॉ. आलोक शुक्ला तथा अनिल टुटेजा जांच के घेरे में हैं। इन तीनों पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए गवाहों के बयान बदलवाने के आरोप हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

गौरतलब है कि ईडी के प्रतिवेदन पर ईओडब्ल्यू ने चार नवंबर को एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। ईओडब्ल्यू की एफआईआर में दोनों पूर्व आईएएस तथा पूर्व महाधिवक्ता आरोपी बनाए गए हैं। इन तीनों के खिलाफ वाट्सएप चैट मिलने के बाद ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की थी। ईओडब्ल्यू में दर्ज एफआईआर के मुताबिक पूर्व आईएएस ने तत्कालीन ▶▶शेष पेज 4 पर

खास खबर

क्या है नान घोटाला?

ईओडब्ल्यू तथा एसीबी की टीम ने 12 फरवरी 2015 को नागरिक आपूर्ति निगम के मुख्यालय सहित अधिकारी, कर्मचारियों के 28 ठिकानों में एक साथ छापे की कार्रवाई की थी। छापे में करोड़ों रुपए की नकदी, कथित भ्रष्टाचार से संबंधित कई दस्तावेज, डायरी, कम्प्यूटर की हार्ड डिस्क समेत कई दस्तावेज जांच एजेंसी ने जब्त किए। आरोप था, राइस मिलों से घटिया चावल लेने के बदले अफसरों द्वारा राइस मिलरों से करोड़ों रुपए रिश्वत ली गई। ▶▶शेष पेज 4 पर

हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

नान घोटाला मामले को लेकर ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज किया, उसके बाद पूर्व महाधिवक्ता ने अग्रिम जमानत के लिए रायपुर की निधि शर्मा की स्पेशल कोर्ट में जमानत अर्जी लगाई थी। स्पेशल कोर्ट में जमानत खारिज होने के बाद पूर्व महाधिवक्ता ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने भी अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कर दिया।

अप्रैल में ईडी ने भेजा था प्रतिवेदन

सतीश चंद्र वर्मा, डॉ. आलोक शुक्ला तथा अनिल टुटेजा के खिलाफ ईडी ने नान घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू को अपराध दर्ज करने दो अप्रैल को प्रतिवेदन भेजा था। ईडी ने अपने प्रतिवेदन में घोटाले से संबंधित रिपोर्ट, दस्तावेज भेजे थे, जिसमें ईडी ने अपनी जांच के दौरान जब्त डिजिटल डिवाइस से मिली जानकारी और वॉट्सऐप चैट की जानकारी भेजी थी। इसमें बताया गया था कि हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत लेने के लिए अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया था।

साप्ताहिक बाजार जा रही पिकअप पलटी, चार ग्रामीणों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर/दरभा

बस्तर जिले के दरभा थाना के अंतर्गत चांदामेटा से कोलेंग साप्ताहिक बाजार जा रही 709 वाहन अनियंत्रित होकर घाट में पलट गई। वाहन में लगभग 70 ग्रामीण सवार थे। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 1 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। वहीं, 55 ग्रामीण घायल हो गए। चारों मृतक ग्राम चांदामेटा के निवासी हैं। देवा सोढ़ी पिता ढोरका (60), निवासी पटेलपारा चांदामेटा, बुधरी बेजामी (50) पटेलपारा ▶▶शेष पेज 4 पर

वाहन में थे 70 ग्रामीण

दरभा थाना के टीआई चाणक्य नाग ने हरिभूमि से चर्चा में कहा कि 709 वाहन में 70 लोग सवार थे, इनमें तुलसी गांव के 8-9 तथा अन्य सभी चांदामेटा गांव के ग्रामीण थे। आज कोलेंग का साप्ताहिक बाजार था, इसलिए वाहन पहुंचते ही गांव के बाजार जाने वाले सारे लोग सवार हो गए। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में बाजार के दिन ही वाहन पहुंचता है, इसलिए क्षमता से अधिक ग्रामीण सवार हो गए।

▶▶शेष पेज 4 पर

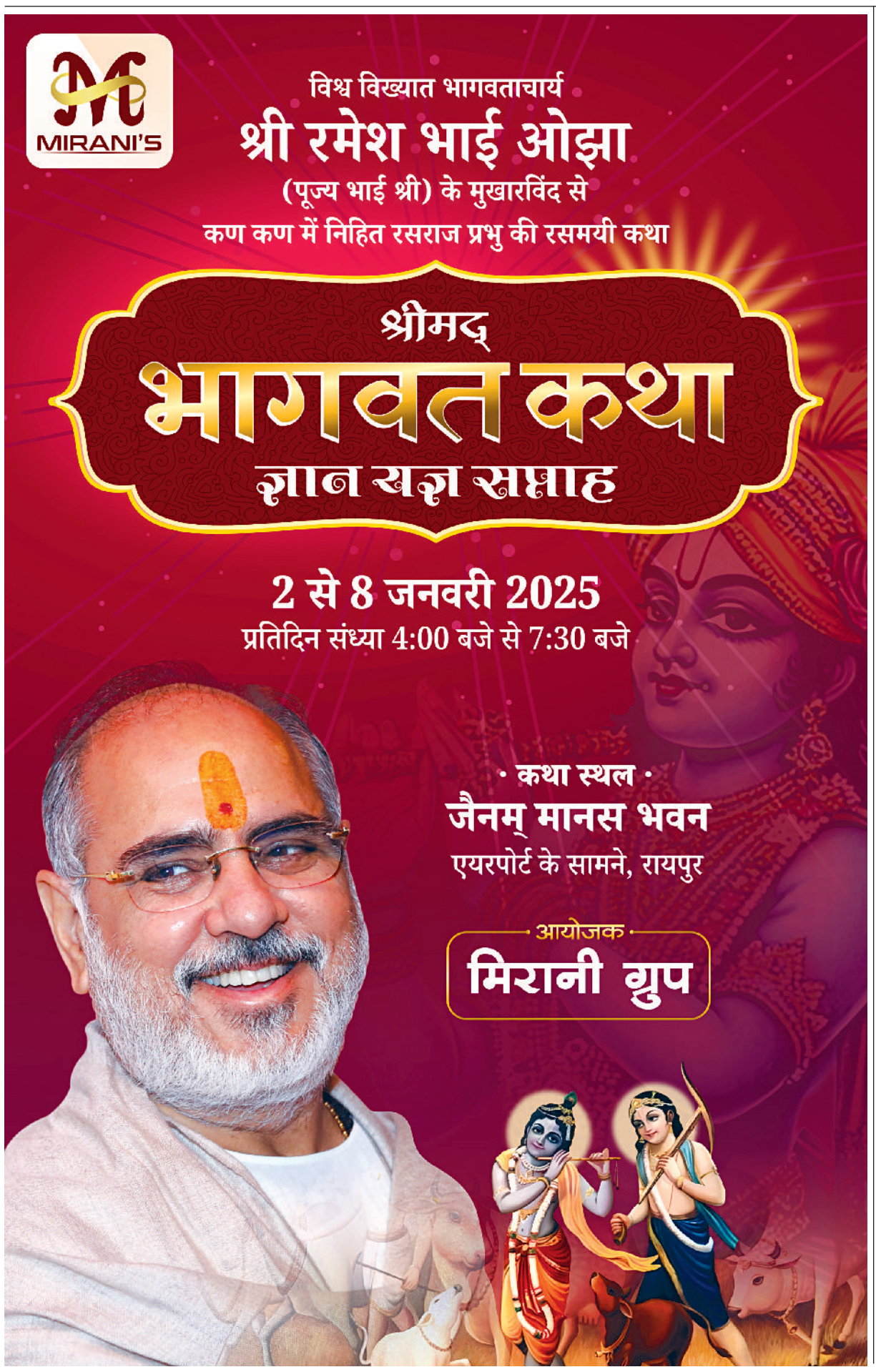

दानपात्र में गिरा आईफोन, मंदिर प्रबंधन बोला- यह अब भगवान की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| थिरपोरूर

तमिलनाडु के थिरुपोरुर में अरुलमिगु कंडास्वामी मंदिर के दानपात्र में गलती से गिरे युवक के आईफोन को वापस न लौटने का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। बड़ी बात यह है कि जब युवक ने मामले में मंदिर प्रबंधन से शिकायत की तो उसने दानापात्र (हुंडी) में गिरा कोई भी सामान भगवान की संपत्ति होना बताते हुए उसे लौटने से इनकार कर दिया।

हालांकि मंदिर प्रबंधन ने उस युवक को सिम कार्ड व डेटा ले लेना का अधिकार दे दिया। विनयागपुरम के रहने वाले दिनेश परिवार सहित नवंबर में मंदिर दर्शन के लिए आए थे। आईफोन दान पेटी में गिर गया था। इसके बाद उन्होंने मंदिर प्रशासन से संपर्क कर मोबाइल वापस करने को कहा था। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी कुमारवेल ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इसे जानबूझकर चढ़ाया था या गलती से गिरा था। ऐसे में यह लौटाया नहीं गया।

मंदिर प्रबंधन ने दिनेश को लौटाई सिम

जब दिनेश के सामने हुंडी से आईफोन निकला तो उन्होंने उसे वापस लौटने की मांग की। इस पर प्रबंधन ने कहा कि डिवाइस तो मंदिर में ही रहेगी, लेकिन वह चाहें तो उसकी सिम अपने साथ ले जा सकते हैं। उन्हें डिवाइस से सभी आवश्यक डाटा भी निकालने की अनुमति दी गई।

सिम कार्ड डेटा ले लो

मंत्री बोले- दान पेटी की वस्तु भगवान की, यही नियम

तमिलनाडु के मंत्री पी के शेखर बाबू ने कहा- नियमों के मुताबिक दान पेटी में आया चढ़ावा मंदिर के देवता के खाते में जाता है। नियम के मुताबिक मंदिर प्रशासन भक्त का चढ़ावा उसे वापस करने की परमिशन नही देता। मंदिर प्रशासन ने कहा कि दान पेटी दो महीने में एक बार खोली जाती है। इसके बाद 20 दिसंबर को मंदिर की दान पेटी खोली गई। इसमें मोबाइल मिलने की जानकारी मंदिर प्रशासन ने दिनेश को दी। हालांकि सिम कार्ड और फोन डेटा लेने की अनुमति दी गई।

युवक के दर्ज कराई थी शिकायत

मंदिर प्रबंधन के इनकार करने के बाद दिनेश ने हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद दिनेश आईफोन दोबारा मिलने की उम्मीद में शुक्रवार को फिर से मंदिर पहुंचे, लेकिन इस बार उन्हें आईफोन सामने देखने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ा।

सोने की चेन भी नहीं लौटाई थी, मंदिर प्रशासन ने नई दी

एक अधिकारी के मुताबिक दान पेटी में कोई कीमती सामान गिरने का ये पहला मामला नहीं है। मई 2023 में केरल के अलप्पुझा की रहने वाली एस संगीता श्री धनदायुथपानी स्वामी मंदिर गई थीं। संगीता गले से तुलसी की माला निकाल रही थीं, तभी उनकी 14 ग्राम की गोल्ड चेन दान पेटी में चली गई थी। संगीता ने इसकी जानकारी मंदिर प्रशासन को दी थी। संगीता की आर्थिक हालत को देखते हुए मंदिर के सीसीटीवी चेक किए गए थे। इसके बाद मंदिर प्रशासन ने उतने ही वजन की नई चेन उन्हें खरीद कर दी थी। पुरानी नहीं लौटाई गई थी।

खबर संक्षेप

क्रिसमस की खाद्य सामग्री वितरण में भगदड़, 10 की मौत

अबुजा। नाइजीरिया की राजधानी में क्रिसमस के अवसर पर स्थानीय गिरजाघर द्वारा वितरित किए जाने वाली खाद्य सामग्री को लेने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने के कारण मची भगदड़ में चार बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता जोसेफिन अडेह ने एक बयान में कहा कि भगदड़ सुबह के समय अबुजा के पॉश इलाके मैतामा में होली ट्रिनिटी कैथोलिक गिरजाघर में हुई। उन्होंने कहा कि गिरजाघर से 1,000 से अधिक लोगों को निकाला गया है। घटनास्थल की वायरल वीडियो में जमीन पर कई शव देखे जा सकते हैं और लोग मदद के लिए चिल्ला रहे हैं। अडेह ने बताया कि कुछ घायलों का उपचार कर उन्हें छुट्टी दे दी गई है, जबकि अन्य का इलाज जारी है।

सब्जी काटने की मशीन में दुपट्टा फंसा, महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज : उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर के अन्न क्षेत्र में एक हादसे में महिला कर्मचारी की मौत हो गई। महिला यहां आलू-प्याज छीलने वाली मशीन पर काम कर रही थी। इसी दौरान मशीन में दुपट्टा फंसने से उसके गले में फंदा कस गया। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा शनिवार सुबह करीब 6 बजे हुआ। महिला की पहचान रजनी खत्री (30) के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत मशीन बंद की। उसे अवंतिका अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही तहसीलदार रुपाली जैन और एसडीएम एलएन गर्ग जिला अस्पताल की मर्चुरी पहुंचे।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने आबकारी नीति मामले में दी अनुमति

केजरीवाल के खिलाफ चलेगा केस आप बोली- ईडी झूठ बोल रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की मुश्किलों बढ़ सकती हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर शराब नीति मामले में मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय को मंजूरी दे दी है। इस महीने की शुरुआत ईडी ने केजरीवाल पर मुकदमा चलाने के लिए एलजी से इजाजत की मांग की थी। वहीं 'आप' के नेताओं ने इस खबर को फर्जी फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया है। 'आप' सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को इस मंजूरी का लेटर सार्वजनिक करना चाहिए।

ईडी को कथित तौर पर शराब नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार का पता चला था जिसके लिए एजेंसी ने जांच की अनुमति मांगी थी। बता दें कि इस मामले का उल्लेख 17 मई को राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर अभियोजन शिकायत संख्या 7 किया गया था। कोर्ट ने 9 जुलाई को इस शिकायत पर संज्ञान लिया था। इस मामले में संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विपक्ष पर तंज कसते हुए लिखा कि बाबा साहेब के अपमान के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए जुमलेबाजी बंद करो और ईडी को मुकदमा चलाने की मंजूरी का लेटर दिखाओ।

केजरीवाल पर क्या हैं आरोप?

ईडी का आरोप है कि केजरीवाल ने 'साउथ ग्रुप' के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और निजी संस्थाओं को लाभ पहुंचाया। ईडी ने ये भी आरोप लगाया कि अपराध की आय के 45 करोड़ रुपये आप के लिए गोवा चुनावों में इस्तेमाल किए गए। ईडी ने कहा कि 'साउथ ग्रुप' के लिए अलग-अलग शराब दुकानों में हिस्सेदारी सुनिश्चित की गई और उसे नीति के उद्देश्यों के विरुद्ध कई खुदरा क्षेत्र रखने की अनुमति दी गई।

क्या है शराब नीति से जुड़ा मामला?

दिल्ली सरकार ने नवंबर, 2021 में नई शराब नीति लागू की थी। इसमें शराब के ठेके निजी शराब कंपनियों को दिए गए थे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इस नीति में भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए इसकी सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश की। बाद में ईडी भी जांच में शामिल हो गई। आरोप है कि दिल्ली सरकार ने शराब कंपनियों से रिश्वत लेकर उन्हें इस नई नीति के जरिए लाभ पहुंचाया और शराब के ठेके दिए।

आप ने कहा- ये ध्यान भटकाने का तरीका

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, 'अगर केजरीवाल जी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है तो ईडी को कॉपी सार्वजनिक करने में क्या दिक्कत है? मनीष सिसोदिया ने लिखा, 'यह खबर झूठ और गुमराह करने वाली है। बाबा साहब के अपमान के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए जुमलेबाजी बंद करो और दिखाओ कहां है ईडी को मुकदमा चलाने के लिए दी गई मंजूरी?

176 दिन जेल में रहे हैं केजरीवाल

शराब नीति से जुड़े मामले में केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले ईडी ने उन्हें 9 बार समन भेजा, लेकिन वे एक भी बार ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। लोकसभा चुनावों के दौरान केजरीवाल अंतरिम जमानत पर 21 दिन के लिए बाहर भी आए थे। इसी साल 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल रिहा हुए थे।

52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश का आकलन संदेह के दायरे में

■ आयकर विभाग ने सीसीटीवी क्यों नहीं किए अभी तक चेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भोपाल

लोकायुक्त के छापे और आयकर के छापे को मिलाकर देखना सही नहीं माना जा रहा क्या तय पटकथा के हिसाब से इनोवा में गोल्ड और कैश रखकर उसे वहां छोड़ा गया था यह पुलिस का दावा कि इनोवा लॉक थी पर स्थानीय लोग बता रहे कि इनोवा अनलॉक थी आयकर विभाग ने मेंडोरी में लावारिस हालत में मिली इनोवा से जब्त 52 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश बरामद होने की कहानी में कई झोल हैं। यह इसलिए क्योंकि गोल्ड की मात्रा और कैश का वैल्यूबेशन में यह ज्यादा मिला था। कई स्त्रोत इसको बता रहे हैं।

हालांकि, इसकी कोई अधिकृत तौर पर तो पुष्टि नहीं है साथ ही कोई अधिकारी भी इस संदर्भ में मुंह नहीं खोल रहा है पर आयकर के अफसर जब अपनी उपलब्धि का फोटो और वीडियो बनवा

रहे थे उस समय स्थानीय लोग भी थे और उनके सामने ही रात 2 बजे तक पूरी गिनती और जब्ती की कार्रवाई चली। काफी देर बाद स्पष्ट हुआ कि सोने की मात्रा 52 किलो और कैश 11 करोड़ है। यदि स्थानीय लोगों की बात मानी जाए बरामद गोल्ड व कैश से ज्यादा गोल्ड व कैश देखा गया? एक बड़ा झोल तो यह भी है कि दोपहर में ही पुलिस को सूचना दे दी गई थी। इधर पुलिस का दावा है कि शाम 7 बजे सूचना मिली। फिर यह भी कहा जा रहा है कि पुलिस ने इंतजार किया कि कोई कार मालिक आएगा।

चेतन ने जो काले चिट्ठे खोले, उनको डीजी ने दिल्ली में दिखाया : लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद का दिल्ली जाना किसी के गले नहीं उतर रहा है। उनसे आखिर, कौन जवाब तलब करेगा? पर, ऐसी सूचना है कि चेतन गौर ने कई पूर्व आईएएस, कई पूर्व आईपीएस, कई नेताओं और एक वरिष्ठ नौकरशाह का जो काला चिट्ठा खोला है, वह कई लोगों की नींदें उड़ाने वाला है। चेतन ने दुबई के हवाला कारोबार का लिंक भी बताया है। चेतन के खुलासे से सारा सिस्टम हिला हुआ है। डीजी दरअसल, दिल्ली वही फाइल व डायरियां ले गए हैं। दिल्ली से कोई स्पष्ट सिग्नल मिलने के बाद आयकर, ईडी और सीबीआई किसी बड़ी कार्रवाई को अंजाम दे सकते हैं।

बांग्लादेश में भीड़ ने 3 हिंदू मंदिरों पर हमला कर खंडित की प्रतिमाएं

■ एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब देश के मैमनसिंह और दिनाजपुर शहरों में बदमाशों ने पिछले 2 दिनों में तीन हिंदू मंदिरों को अपना निशाना बनाया है। उपद्रवियों ने मंदिरों में रखी 3 मूर्तियों को खंडित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने अभी तक केवल एक आरोपी को

गिरफ्तार किया है। इस घटना से देश के हिंदुओं में भारी रोष व्याप्त है।

पोलाशकंद काली मंदिर को बनाया निशाना : पुलिस ने बताया कि गुरुवार सुबह उपद्रवियों ने बीलडोरा संघ के पोलाशकंद काली मंदिर पर हमला कर एक मूर्ति को खंडित कर दिया।

मैमनसिंह में दो मंदिरों को बनाया निशाना

एक अन्य घटना में मैमनसिंह के हलुआघाट उपजिले में शुक्रवार को उपद्रवियों ने दो अलग-अलग मंदिरों को अपना निशाना बनाया और 2 प्रतिमाओं को खंडित कर दिया। हलुआघाट पुलिस थाना प्रभारी अबुल खैर ने बताया कि शुक्रवार सुबह शाकुई संघ के बोंडेरपारा मंदिर में दो मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। हालांकि, इस घटना के संबंध में अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है और न ही किसी की गिरफ्तारी हुई है।

क्रिकेटर विराट कोहली के रेस्तरां को मिला नोटिस

बेंगलुरु। बेंगलुरू नगर निगम ने क्रिकेटर विराट कोहली के स्वामित्व वाले एक रेस्तरां को अग्नि एवं सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के लिए नोटिस भेजा है। बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका के एक अधिकारी ने को बताया कि वन8 कम्यून रेस्तरां कस्तूरबा रोड पर स्थित है।

गृह मंत्रालय भी संभालेंगे सीएम अजित फाइनेंस, शिंदे हाउसिंग

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने के बाद आज महाराष्ट्र सरकार के मंत्रालयों का बंटवारा हो चुका है। इसी कड़ी में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गृह विभाग, ऊर्जा, कानून और न्याय, सामान्य प्रशासन विभाग, सूचना और जनसंपर्क विभाग तथा उन विभागों का अतिरिक्त प्रभार अपने पास रखा है, जिनका प्रभार किसी अन्य मंत्री के पास नहीं है। वहीं शिवसेना प्रमुख और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास, सार्वजनिक निर्माण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को फाइनेंस और फाइनेंस एंड प्लानिंग और स्टेट एक्साइज की जिम्मेदारी दी गई है।

देवास में मकान में लगी आग पति-पत्नी और 2 बच्चों की मौत

एजेंसी ▶▶| देवास

मध्य प्रदेश के देवास जिले में शनिवार तड़के दर्दनाक हादसा घटित हुआ है। यहां नयापुरा क्षेत्र में एक मकान में अचानक आग लग गई, जिसमें वहां सो रहे पति-पत्नी और 2 बच्चों की जिंदा vजलने से मौत हो गई। सूचना पर दमकल लेकर पहुंची पुलिस ने आग पर काबू पाया और शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी है। घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर छाई हुई है।

कैसे घटी यह दर्दनाक घटना : पुलिस ने बताया कि यह घटना तड़के 4 से साढ़े 4 बजे के बीच घटी। मकान के निचले हिस्से में एक डेयरी संचालित थी। सबसे पहले डेयरी में आग लगी। कुछ ही देर में आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इससे मकान में सो रहे दिनेश, उसकी पत्नी गायत्री और बच्चे इशिका और चिराग को बचने का मौका नहीं मिला और आग ने उनकी जिंदगी छीन ली।

छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध
जैन चुस्की चाय
पहला पुरस्कार
मारुति आल्टो कार (1)
तीसरा पुरस्कार
10 लोगों को वाशिंग मशीन (सैमसंग)
दूसरा पुरस्कार
2 लोगों को एक्टिवा स्कूटर
चौथा पुरस्कार
100 ग्राम चांदी का सिक्का (50)
₹300/-
की जैन चुस्की चाय की खरीदी पर पाये
1 कूपन फ्री और पाये ढेरों ईनाम
ड्रा 30 अप्रैल 2025
WWW.CHUSKITEA.COM
JAIN TRADERS
किसी भी प्रकार के विवाद में अंतिम निर्णय कंपनी के पास सुरक्षित रहेगा।
AKRITI VIHAR, AMLIDHI, RAIPUR, 94242-05071

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल सिविल रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हर्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरुकुल कॉम्प्लेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथेरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का इलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रूस के कजान में 9/11 जैसा अटैक

कीव। यूक्रेन के कई ड्रोन ने शनिवार की सुबह रूस में तातारस्तान क्षेत्र के कजान शहर में आवासीय इमारतों को निशाना बनाया। यह इलाका अग्रिम मोर्चे से 1,000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में अमेरिका में हुए 9/11 के हमले की याद दिला दी।

उड़ानें रोकीं सामूहिक समारोह रद्द

कजान के हवाई अड्डे पर उड़ानें रोक दी गईं। शनिवार तथा रविवार को होने वाले सभी सामूहिक समारोह रद्द कर दिए गए हैं। ये हमले, जिनकी यूक्रेन ने अपनी सुरक्षा नीति के अनुरूप पुष्टि नहीं की है।

जीवन बीमा स्वास्थ्य बीमा पर कर घटाने का फैसला टाला

अब पुरानी कार खरीदने पर देना होगा 18 फीसदी जीएसटी

एजेंसी ⏭ जैसलमेर

पुरानी कार खरीदने पर अब आपको ज्यादा पैसे चुकाने पड़ेंगे। दरअसल, जीएसटी काउंसिल की बैठक में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स समेत पुराने वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी करने ⏭शेष पेज 4 पर

ऐसे में पुराने वाहन पर टैक्स नहीं

पुरानी ईवी (किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को बेची जाने वाली) पर 0 प्रतिशत कर लगेगा। ईवी, पेट्रोल, डीजल की पुनर्बिक्री करने वाली कंपनी/रजिस्टर्ड पुरानी कार विक्रेता को मार्जिन मूल्य पर 18 प्रतिशत का भुगतान करना होगा।

क्या सस्ता और क्या महंगा

- होटल- रेस्टोरेंट पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी को नहीं बदला
- नमक-मसालों के साथ मिक्स रेडी- टू- ईट पॉपकॉर्न पर 5 फीसदी
- प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी
- कैरेमेल पॉपकॉर्नपर 18 फीसदी टैक्स लगेगा
- फोर्टिफाइड चावल की रेट्स घटाकर 5 फीसदी
- 50 प्रतिशत से अधिक फ्लाई ऐश वाले एसीसी ब्लॉकों पर 12 प्रतिशत

MushroomAD
Mushroom Soup Powder
हेल्थी बॉडी, कॉन्फिडेंस रेडी
लाखो ग्राहकों का विश्वास

MADE IN INDIA
भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाला मशरूम उत्पाद

मशरूम के प्राकृतिक गुणों से भरपूर

- भूख व वजन बढ़ाने में सहायक
- दुबलेपन को दुर करने में सहायक
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक
- गैस तथा एसिडीटी के लिए भी लाभदायक
- उर्जावान बनाने व कॉन्फिडेंस बढ़ाने में सहायक
- कमजोरी हटाने व नया खुन बनाने में सहायक

सभी मेडिकल्स में उपलब्ध. For More details Trade Enquiry 9373556677, 9325551111
राजनांदगाव : महेश एजन्सी-7000616262, विश्वनाथ फार्मा-9406265404
SS - ताराचंद चिखलांदीया - 8889669996, पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686,

कंपनी की एंट्री में ढेरों गलतियां, अंकों के हेरफेर की आशंका

पुलिस भर्ती पर कई सवाल, 400 रुपए मानदेय वालों के जिम्मे अंकों की एंट्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

प्रदेशभर में छह हजार आरक्षक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में टेक्निकल कंपनी की लापरवाही के चलते गंभीर त्रुटियां सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि 400 रुपए के मानदेय पर रखे गए स्थानीय लोग अंकों की एंट्री कर रहे हैं। इधर, भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी पाए जाने के बाद चार पुलिस जवान समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इस मामले पर हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सीबीआई जांच की मांग की है, वहीं प्रदेश भाजपा ने गृहमंत्री से मामले की शिकायत कर पारदर्शिता बरतने के लिए कहा है।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव जिले में एक अभ्यर्थी के लंबी कूद में अंक गलत एंट्री होने से मामले पकड़ में आया था। इस गड़बड़ी के पीछे हैदराबाद की सॉफ्टवेयर कंपनी टाइमिंग टेक्नोलॉजी की भारी गलतियां सामने आ रही हैं। इस कंपनी को ही प्रदेश के सभी जिलों में डाटा एंट्री करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन कई जिलों से जानकारी सामने आ रही है कि अभ्यर्थियों को मिले अंकों की जगह अधिक नंबरों की एंट्री कर दी गई है। राजनांदगांव जिले में इस सनसनीखेज मामले के पकड़े जाने के बाद बाकी सभी जिलों में भी पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर आ गया है।

हरिभूमि खास

लोकल लोगों के सहारे काम

इस पूरी प्रक्रिया में गड़बड़ी का सबसे बड़ा कारण हैदराबाद की कंपनी टाइमिंग टेक्नोलॉजी द्वारा जिन जिलों में भर्ती चल रही है, वहीं के स्थानीय लोगों को काम पर रख लेना है। सूत्रों से मिली जानकारी के ⏭शेष पेज 4 पर

फर्जीवाड़ा पर एक्शन, चार पुलिस जवान सहित छह आरोपी गिरफ्तार

आरोपों से घिरे पुलिसकर्मी ने की खुदकुशी

मामले के संज्ञान में आने के बाद राजनांदगांव पुलिस महकमे ने दोषियों की पतासाजी के लिए जांच शुरू कर दी है। शुरुआती दौर की जांच में करीब दर्जनभर पुलिस कर्मियों के साथ-साथ लोकल लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। इसी मामले के आरोपों में घिरे पुलिस जवान अनिल रत्नाकर ने शनिवार की अल सुबह फांसी में लटककर आत्महत्या कर ली। जवान ने अपने हाथ में ही सुसाइड नोट भी लिखा है। इसमें उसने यह उल्लेख किया है कि भर्ती में छोटे कर्मचारियों को फंसाया जा रहा है और अफसरों को बचाया जा रहा है।

सीबीआई जांच कराए सरकार

राजनांदगांव जिले में सामने आए आरक्षक भर्ती में गड़बड़ी मामले एवं आरक्षक की मौत को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश सरकार को इसकी सीबीआई जांच करानी चाहिए। - **भूपेश बघेल,** पूर्व मुख्यमंत्री

एफआईआर दर्ज

इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है। तकनीकी त्रुटियों को दूर करने की कार्यवाही भी चल रही है।
- **दीपक झा,** आईजी राजनांदगांव रेंज

जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा की भर्ती प्रक्रिया के दौरान गड़बड़ी पाए जाने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले में 6 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिला पुलिस बल आरक्षक संदर्भ चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान भर्ती समिति की इंटरनल पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान गड़बड़ी पाए जाने पर पुलिस द्वारा लालबाग थाना में एफआईआर दर्ज कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी महिला आरक्षक पुष्पा चंद्रवंशी, आरक्षक धर्मराज मरकाम, नुतेश्वरी धुर्वे, पवन कुमार साहू, आरक्षक योगेश कुमार धुर्वे व आरक्षक परिधि निषाद के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में लगातार जांच पड़ताल कर रहे हैं।

भारतीय जनशक्ति से 'न्यू कुवैत' के निर्माण में मदद

कुवैत सिटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि प्रवासी भारतीयों ने कुवैत के 'कैनवास' को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत के पास 'न्यू कुवैत' के लिए आवश्यक जनशक्ति, कौशल और प्रौद्योगिकी है। कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत की यात्रा पर आए मोदी ने यहां प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, भारत से यहां पहुंचने में आपको चार घंटे लगते हैं लेकिन किसी भारतीय प्रधानमंत्री को कुवैत जाने में चार दशक लग गए। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों में इस खाड़ी देश की पहली यात्रा है।

- 43 साल में पहली बार भारतीय पीएम

खड़े ट्रक से टकराई वैन चार लोगों की मौत

मड़कसिरा। आंध्र प्रदेश के श्री सत्यसाई जिले में शनिवार सुबह एक वाहन खड़े हुए ट्रक से टकरा गया। इससे दो साल की बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। दुर्घटना कोडिकोंडा सिरा में राष्ट्रीय राजमार्ग 544ई पर सुबह लगभग 5.30 बजे हुई।

गीजर से गैस रिसाव छात्रा की मौत

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में शुक्रवार शाम को बाथरूम में गीजर से गैस रिसाव के कारण नहाते समय 16 वर्षीय स्कूली छात्रा की दम घुटने से मौत हो गई। अलीगढ़ जिले के कुवारसी थाना क्षेत्र के कुलदीप विहार कॉलोनी छात्रा के परिवार के सदस्यों के अनुसार उसकी मां पास की एक दुकान पर गई थी और जब वह वापस लौटी तो उसने देखा कि बाथरूम का दरवाजा बंद था।

बाइक पेड़ से टकराई तीन दोस्तों की मौत

बहराइच। पेड़ से टकराने से बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई। विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के बढ़नी भुलईया गांव निवासी सरोज वर्मा (21), दीपक यादव (20), अपने साथियों वैदिक कुमार उर्फ बंटी चौहान (19) व महेश चौहान (22) के साथ एक मांगलिक कार्यक्रम के लिए निकले थे।

देश की राजनीति संक्रमण के दौर से गुजर रही है। वैचारिकता से अधिक सत्ता की लड़ाई चल रही है। संसद में संविधान पर चर्चा ने ऐसा रूप ले लिया कि बात कथित धक्का-मुक्की तक जा पहुंची। इस बबात केस तक दर्ज हो गया। अपने वक्तव्य में गृहमंत्री अमित ने शाह ने जो कुछ भी कहा, उसके एक अंश को शरारतपूर्ण तरीके से वायरल कराया और उसके बाद से कांग्रेस की राजनीति आंबेडकर पर आ कर ठहर गई है। जब से मायावती और बसपा की पकड़ सीमित व ढीली हुई है, तब से दलित वोट बैंक पर सभी राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों की गिद्ध नजरें हैं। मुस्लिम व दलित कभी कांग्रेस के कोर वोट बैंक होते थे, संयोग से आज नहीं हैं। अपना राजनीतिक आधार पाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस को आंबेडकर में भविष्य दिख रहा है। ये और बात है कि कांग्रेस सरकार ने कभी आंबेडकर को भारत रत्न देना उचित नहीं समझा, पर आज वही कांग्रेस रक्त बहाने को तैयार है। आंबेडकर के अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने के बजाय रक्तिल धक्का-मुक्की हमारी राजनीति को कलंकित भी कर रही है, इसके बावजूद हमारे जनप्रतिनिधि जरा भी लज्जित नहीं हैं। कांग्रेस और भाजपा के बीच संविधान के बाद डा. आंबेडकर पर हो रही राजनीति में बाबा साहेब के कोई नैतिक सरोकार नहीं है, बल्कि दलित वोट बैंक पर 'कब्जे' का ध्येय है। पेश है आजकल के इस अंक में विश्लेषण....

दलित वोट बैंक पर 'कब्जे' की लड़ाई

विश्लेषण

राज कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पिछले कुछ दशकों से हम जो राजनीतिक रस्साकसी देख रहे हैं, वह सत्ता केंद्रित है, इसलिए वोट बैंक तक सिमटी है। संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक अंश को लेकर संसद से सड़क तक राजनीतिक संग्राम के मूल में भी वोट बैंक की लड़ाई है। संसद सत्र की समाप्ति से एक दिन पहले तो इसके चलते भाजपा और कांग्रेस सांसदों में कथित धक्का-मुक्की की अशोभनीय स्थिति भी आ गई, पर उस पर शर्मिंदा होने के बजाय सभी वोट बैंक -युद्ध में खुद को ही आंबेडकर का सच्चा अनुयायी बता कर मुद्दे को धार देने में जुटे हैं। पीएम मोदी ने भी आंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा किया।

याद कर पाना मुश्किल है कि विचारधाराएं कब सत्ता केंद्रित राजनीति की धारा में गड्डमड्ड या गुम हो गईं। पिछले कुछ दशकों से हम जो राजनीतिक रस्साकसी देख रहे हैं, वह सत्ता केंद्रित है, इसलिए वोट बैंक तक सिमटी है। संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण के एक अंश को लेकर संसद से सड़क तक राजनीतिक संग्राम के मूल में भी वोट बैंक की लड़ाई है। संसद सत्र की समाप्ति से एक दिन पहले तो इसके चलते भाजपा और कांग्रेस सांसदों में कथित धक्का-मुक्की की अशोभनीय स्थिति भी आ गई, पर उस पर शर्मिंदा होने के बजाय सभी वोट बैंक -युद्ध में खुद को ही आंबेडकर का सच्चा अनुयायी बता कर मुद्दे को धार देने में जुटे हैं। 17 दिसंबर को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह के लंबे भाषण के जिस छोटे से हिस्से को वायरल किया गया, वह सुनने पर किसी को भी अखरेगा, पर ऐसा शरारतपूर्ण खेल हमारी राजनीति में पहली बार तो नहीं हुआ? विरोधियों के विरुद्ध ऐसे छद्म हथियार गढ़ने में कोई भी किसी से पीछे नहीं। संभावित राजनीतिक नुकसान से बचने के लिए उसी दिन शाम को भाजपा मुख्यालय जाकर खुद अमित शाह ने प्रेस कान्फ्रेंस में सफाई देते हुए फिर बताया कि कब-कब और कैसे-कैसे कांग्रेस ने डॉ. भीमराव आंबेडकर का अपमान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अमित शाह का बचाव करते हुए आंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस को ही कटघरे में खड़ा किया।

'गेम चेंजर' मुद्दा बने आंबेडकर

82 साल के मल्लिकार्जुन खरगे के रूप में एक दलित नेता को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने वाली कांग्रेस के लिए यह विवाद बिन मांगे ही मुराद पूरी हो जाने जैसा है। इसी साल अठ्ठारहवीं लोकसभा के चुनाव में आंबेडकर किस तरह 'गेम चेंजर' मुद्दा बन गये, वह ज्यादा पुरानी बात नहीं। भाजपा के कुछ अति उत्साही नेताओं ने लोकसभा चुनाव के लिए 400 पार का नारा दे दिया। कुछ बड़बोलों ने और आगे बढ़ कर कह दिया कि संविधान बदलने के लिए 400 सीटें चाहिए। बस फिर क्या था, कांग्रेस समेत दो दर्जन दलों के विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को ऐसा चुनावी मुद्दा मिल गया, जो उसका सबसे बड़ा और कारगर हथियार साबित हुआ। विपक्ष ने प्रचार किया कि अगर भाजपा की 400 सीटें आ गयीं तो वह बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा बनाया गया संविधान बदल देगी और संविधान प्रदत्त आरक्षण भी छीन लेगी। राहुल गांधी समेत कई कांग्रेस नेता तो हाथ में संविधान की पुस्तिका लेकर अपना चुनावी भाषण शुरू करते थे। भाजपा की ज्यादा चुनाव प्रचार क्षमता विपक्ष के इस प्रचार की काट में ही खर्च हुई। इस कवायद में भाजपा मंगलसूत्र और भैंस छीन लेने जैसे हास्यास्पद मुद्दे भी उछाल गई। पिछली बार अकेले दम 303 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार जब 240 पर सिमट गई तो उसके कई नेताओं ने स्वीकार भी किया कि 400 पार के नारे और विपक्ष के जवाबी प्रचार ने नुकसान पहुंचाया।

विपक्ष के प्रचार की काट असरहीन रही

नुकसान तो कई राज्यों में हुआ, पर सबसे ज्यादा यह मुद्दा भारी पड़ा देश के दो बड़े राज्यों: 80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश और 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में। इन दोनों ही राज्यों में दलित मतदाता न सिर्फ अच्छी संख्या में हैं, बल्कि मुखर भी माने जाते हैं। दोनों ही राज्यों में भाजपा या उसकी अगुवाई वाले गठबंधन की सरकार होते हुए भी विपक्ष के प्रचार की काट कारगर साबित नहीं हुई और वहां से लोकसभा सीटें पिछली बार के मुकाबले आधी रह गयीं। वह तो भाजपा ने दूरदर्शिता दिखाते हुए ऐहतियाती तौर पर अपने दो पुराने दोस्तों चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को फिर साध लिया, वरना नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर सत्ता की 'हैट्रिक' में जवाहर लाल नेहरू की बराबरी नहीं कर पाते। बेशक लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनाव और उप चुनावों में संविधान और आरक्षण का मुद्दा कारगर नजर नहीं आया। खासकर डॉ. आंबेडकर की जन्मभूमि महाराष्ट्र में तो भाजपानीत महायुति की प्रचंड जीत ने कमाल कर दिया। आखिर चंद महीनों में ऐसा क्या हो गया? मौटे तौर पर दो कारण नजर आते हैं। एक, ये चुनाव देश की सरकार के लिए नहीं थे, जो संविधान बदल सकती है या आरक्षण समाप्त कर सकती है। दो, इन चुनावों में खुद विपक्ष ने संविधान और आरक्षण के मुद्दों पर उतना जोर नहीं दिया। नतीजतन स्थानीय मुद्दों और समीकरणों के सहारे भाजपा चुनाव वैतरणी पार कर गई, लेकिन इससे देशभर में लगभग 16 प्रतिशत दलित वोट बैंक का चुनावी महत्व कम नहीं हो जाता।

दलित वर्ग ही रहा है मुख्य जनाधार

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पंजाब और हरियाणा समेत कई राज्यों में तो एकमुश्त न सही, इसके बड़े हिस्से के समर्थन से ही हार-जीत की बाजी पलट जाती है। उत्तर प्रदेश में आखिर मायावती इसी की बदौलत चार बार मुख्यमंत्री बनने का समीकरण बिठाने में सफल रहीं। बिहार में रामविलास पासवान का भी मुख्य जनाधार दलित वर्ग ही रहा। अपने निधन के 68 साल बाद भी डॉ. भीमराव आंबेडकर ही दलितों के सबसे बड़े सम्मान-प्रतीक हैं। यह कहना ज्यादा सही होगा कि वह दलितों के मसीहा हैं, जिन्हें वे पूजते भी हैं। इसलिए चुनाव-दर-चुनाव आंबेडकर के अनुयायियों को साधने की यह जंग हमें किसी-न-किसी रूप में दिखती रहेगी।

कांग्रेस के वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी

बेशक अल्पसंख्यकों के साथ दलित वर्ग भी कांग्रेस का परंपरागत वोट बैंक रहा। इसमें पहली बड़ी सेंध बहुजन समाज पार्टी बनाकर कांशीराम ने लगाई। बाद में सत्ता की बिसात बिछाते हुए मायावती उसे पूरी तरह कांग्रेस से दूर ले गई। एक से अधिक बार अपने समर्थन से मायावती को मुख्यमंत्री बनवाने वाली भाजपा के चुनावी एजेंडे पर दलित तभी से रहे हैं। मायावती के सजातीय कोर वोट बैंक से इतर दलित वर्ग में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामाजिक समरसता कार्यक्रम से, सेंध लगाने में भाजपा को सफलता भी मिली, पर परंपरागत वोट बैंक समीकरण पूरी तरह गड़बड़ाये 2014 के लोकसभा चुनाव में और उसके बाद। नरेंद्र मोदी के पहले चुनावी चेहरा और फिर प्रधानमंत्री से भाजपा की शहरी सवर्ण वर्ग की पार्टी की पुरानी छवि जितनी तेजी से टूटी, उतनी ही तेजी से उसकी सर्व समाज में स्वीकार्यता बढ़ती गई। परिणामस्वरूप दशकों तक शहरी सवर्ण वर्ग की पार्टी मानी गई भाजपा के टिकट पर बड़ी संख्या में ओबीसी और दलित सांसद जीते। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस के ऐतिहासिक चुनावी पराभव का सबसे बड़ा कारण भी यही रहा कि 1990 में मंडल-कमंडल ध्रुवीकरण के बाद उसके सारे परंपरागत वोट बैंक ढहते चले गये। कहीं-कहीं सपा-बसपा-राजद जैसे क्षेत्रीय दल उसके जनाधार पर खड़े हो गये तो दक्षिण भारत से इतर शेष देश में भाजपा उसके वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी करने में सफल रही।

कांग्रेस को परंपरागत वोट बैंक की दरकार

ऐसे में कांग्रेस के समक्ष दो ही विकल्प बचे, भाजपा सरकार के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के सहारे सत्ता में वापसी का इंतजार करे, जैसा कि 2004 में हुआ या फिर अपने खोये हुए वोट बैंक को वापस पाने की कवायद करे। वैसे 2004 की पुनरावृत्ति अब संभव नहीं लगती, क्योंकि तब तक कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक में भाजपा सेंध नहीं लगा पाई थी और अटल बिहारी वाजपेयी की दल से बाहर भी स्वीकार्यता के बल पर ही दो दर्जन से ज्यादा दलों के गठबंधन राजग की सरकार का नेतृत्व कर रही थी। इसलिए कांग्रेस के पास पुराने परंपरागत वोट बैंक को वापस पाने की कवायद के अलावा दूसरा विकल्प शायद है ही नहीं। कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के बाद अठ्ठारहवीं लोकसभा के चुनाव भी बताते हैं कि देश भर में अल्पसंख्यक वोट बैंक मौटे तौर पर कांग्रेस या उसके गठबंधन के साथ गोलबंद हो रहा है। ओबीसी वोट बैंक की कांग्रेस के पाले में वापसी मुश्किल लगती है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और बिहार में लालू-तेजस्वी का राष्ट्रीय जनता दल उसकी स्वाभाविक पसंद बने हुए हैं। ये दल गठबंधन में साथ हैं, इसलिए भी शायद कांग्रेस ओबीसी वोट बैंक के लिए ज्यादा कवायद नहीं कर सकती, लेकिन दलित वोट बैंक इस समय लगभग नेतृत्वविहीन है। कारण तो मायावती बेहतर जानती होंगी, पर पिछले एक दशक से उनकी चुनावी राजनीति आत्मघाती साबित हुई है।

भविष्य के संकट से जूझ रही बसपा

नतीजतन बसपा भविष्य के संकट से जूझ रही है तो चंद्रशेखर 'रावण' सरीखे नये प्रतिद्वंद्वी उत्तर प्रदेश में खड़े हो रहे हैं। लोकसभा चुनाव में अकेले ही उतरने वाली बसपा के लिए फिर शून्य पर सिमटने से ज्यादा चिंता की बात यह है कि उसका दस प्रतिशत से अधिक जनाधार खिसक गया। माना जा रहा है कि गैर जाटव के साथ गैर यादव पिछड़ी जातियों ने भी बसपा के बजाय कांग्रेस की ओर रुख किया है। उत्तर प्रदेश से बाहर वैसे भी मायावती की राजनीति जीतने के बजाय जोड़तोड़ के खेल तक ज्यादा सीमित रही। इसलिए कटु सत्य यही है कि यह आंबेडकर के विचार की नहीं, दलित वोट बैंक की लड़ाई है, जो जारी रहेगी। जहां तक आंबेडकर के सम्मान और अपमान की बात है, इतिहास बड़ा निर्मम होता है। इतिहास में सब दर्ज है। आंबेडकर के महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस से खट्टे-मीठे राजनीतिक रिश्ते रहे, पर गांधी जी के आग्रह पर ही वह संविधान सभा के सदस्य भी बनाये गये। जब कानून मंत्री के रूप में आंबेडकर हिंदू कोड बिल लाना चाहते थे, तब कांग्रेस के कट्टर हिंदूवादियों ने विरोध किया, जिसकी परिणति उनके अंतरिम नेहरू सरकार से इस्तीफे के रूप में हुई। चुनावी हार-जीत और तत्कालीन घटनाक्रम को राजनीतिक दांवपेंच की नजर से देखें तो अपमान-सम्मान जैसा कुछ नहीं था। हां, आंबेडकर को 'भारत रत्न' देने में विलंब करना कांग्रेस पार्टी को कटघरे में खड़ा करता है। यह भूल विश्वनाथ प्रताप सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने 1990 में सुधारी। कुल मिलाकर कहें तो दलितों के मान-सम्मान और समानता के लिए बाबा साहेब डा. आंबेडकर के विचार और संघर्ष की बात करें तो उसे अपनी विरासत, ईमानदारी से न तो कांग्रेस ने बनाया और न ही भाजपा ने बनाया। अब सारा खेल वोट बैंक को लेकर ही खेला जा रहा है। अपने-अपने आंबेडकर की सियासत जारी है।

संविधान की जंग और पंचायत में बहता रक्त

सियासत

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

संविधान बचाने और उस झूठ को बेपर्दा करने की सियासी लड़ाई किस मंजिल पर पहुंच गई है, इसका अंदाजा बीते 19 दिसंबर को संसद परिसर में हुई घटनाओं से लगाया जा सकता है। संसदीय इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद ना सिर्फ आमने-सामने आए, बल्कि धक्का-मुक्की भी हुई। इसमें भारतीय जनता पार्टी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत चोटिल हो गए। धक्का-मुक्की का आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लगा है। राहुल पर नगालैंड की बीजेपी से महिला सांसद फांगनान कोन्याक ने बदसलूकी करने का भरी राज्यसभा में आरोप लगाया। ये घटना तब हुई है, जब'संविधान बचाओ' के झूठ को बेपर्दा करने के लिए सत्ताधारी खेमा प्रदर्शन कर रहा था तो विपक्ष 'संविधान बचाने' की पुरानी रट के साथ आंबेडकर के अपमान को लेकर प्रदर्शन कर रहा था। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से कम से कम संसदीय राजनीति में नरेंद्र मोदी अजेय योद्धा के रूप में उभरे हैं। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी जैसे चुनाव जीतने की मशीन बन गई।

भाजपा ने जीत के बनाए रिकॉर्ड

उत्तर पूर्व के कुछ राज्यों, कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल, झारखंड, पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों को छोड़ दें तो भारतीय जनता पार्टी नरेंद्र मोदी की अगुआई में चुनाव जीतने का रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड बनाती गई है। स्वाधीनता के बाद के करीब चार दशक तक ऐसी स्थिति सिर्फ कांग्रेस की ही रही। बीजेपी इस दौर में तकरीबन अजेय राजनीतिक सेना के रूप में उभरी है। ऐसे में स्वाभाविक है कि उसे सियासी मात देने के लिए विपक्षई खेमा मुद्दों और मौकों की खोज करता। विपक्ष की खोज 'खतरे में संविधान' के मुद्दे पर खत्म हुई। इस कथित खतरे को विपक्ष ने बीते लोकसभा चुनाव में इतना तूल दिया कि भारतीय जनता पार्टी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। इस मुद्दे को जिंदा रखने की कोशिश तब से विपक्ष लगातार कर रहा है। लोकसभा के सांसदों के शपथ लेने के वक्त देश ने देखा कि विपक्षी सांसदों ने संविधान को हाथ में लेकर प्रदर्शन किया। हालांकि विपक्षी खेमे में संविधान की किताब के रंग का अंतर रहा। राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस के सांसदों ने लाल रंग के गुटिकानुमा संविधान की प्रति को प्रदर्शित करते हुए शपथ लिया तो गैर कांग्रेसी सांसदों ने नीले रंग वाली संविधान की प्रति के साथ ऐसा किया। बहरहाल यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सचमुच संविधान खतरे में है? भारत का संसदीय जनतंत्र जिस मुकाम पर पहुंच गया है, भारत की न्याय व्यवस्था ने जिस तरह की स्वायत्त ताकत हासिल कर ली है, मौजूदा परिस्थितियों में किसी भी राजनीतिक दल के लिए संविधान को खारिज कर पाना संभव ही नहीं है।

'खतरे में संविधान' की बात बेमानी

हालात यहां तक पहुंच चुके हैं कि संवैधानिक ताकत और प्रावधान होने के बावजूद अपार बहुमत प्राप्त सरकार भी शायद ही दोबारा आपातकाल लगाने की हिम्मत दिखा सके। ऐसे में 'खतरे में संविधान' की बात करना ही बेमानी है।

लेकिन विपक्ष ने जिस तरह का हल्ला मचा रखा है, उससे इतना जरूर हुआ है कि जातिगत लाभार्थी तबके के एक वर्ग को विपक्षी रट में सच्चाई दिखने लगी है। इस सच्चाई का ही प्रतीक है बीते लोकसभा चुनाव के नतीजे। विपक्षी खेमा अक्सर प्रधानमंत्री मोदी को जुमलेबाज बताकर उनकी आलोचना करता है। लेकिन यह भी सच है कि 'संविधान बचाने की रट'भी एक तरह की जुमलेबाजी ही है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि आखिर विपक्ष ऐसा कर क्यों रहा है? इसकी वजह विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस की राजनीतिक कामयाबी के इतिहास को देखना होगा। इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर को छोड़ दें तो मोटे तौर पर कांग्रेस जातीय गणित के समीकरण को साधकर उनके आधार पर तैयार वोट बैंक से राजनीतिक जीत हासिल करती रही। अतीत में कांग्रेस का आधार वोट बैंक दलित, ब्राह्मण और मुस्लिम समुदाय रहा।

देश में करीब सात से आठ फीसदी ब्राह्मण मतदाता हैं, जबकि करीब 17 फीसदी दलित और करीब 14 प्रतिशत मुस्लिम वोटर हैं। समाजवादी राजनीति के उभार के बाद देश के अन्य पिछड़ा वर्ग के करीब 45 फीसदी वोटरों में से ज्यादा पर समाजवादी राजनीति की पकड़ रही। इससे मुस्लिम वोटरों का बड़ा हिस्सा जहां कांग्रेस से दूर समाजवादी खेमे की ओर बढ़ा, वहीं दलित वोट बैंक पर कांशीराम और दूसरे नेताओं की नई सामाजिक कीमियागिरी ने कब्जा कर लिया। इसलिए नब्बे के दशक से कांग्रेस का आधार वोट बैंक छिनता चला गया। नई सदी के दूसरे दशक में मोदी और अमित शाह की अगुआई में सामने आई बीजेपी ने इस पूरे वोट समीकरण को ही तहस-नहस कर दिया। बीजेपी ने जहां दलित वोट बैंक में सेंध लगाई, वहीं अति पिछड़े वर्ग को अपने पाले में किया। उसकी पूरी राजनीति दलित और पिछड़ा केंद्रित हो गई है। बीजेपी की इस सामाजिक कीमियागिरी का ही असर रहा कि उसके करीब 75 सांसद चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। बीजेपी को मात देने की कोशिश में जुटी कांग्रेस और उसकी अगुआई वाले विपक्ष को लगता है कि जब तक वह दलित वोट बैंक को लेकर बीजेपी पर निशाना साधेगी, तब तक वह वोटों की राजनीति की विजेता बनकर नहीं उभर पाएगी। यही वजह है कि 2014 से ही दलित केंद्रित राजनीति को लेकर बीजेपी को घेरने की कोशिश जारी है। हाल के वर्षों में डॉ. आंबेडकर दलित राजनीति के बड़े चेहरे के तौर पर स्वीकार्य हुए हैं। इसलिए आंबेडकर को लेकर भी राजनीति तेज हो गई है। संसद सत्र में आंबेडकर को लेकर हो रही राजनीतिक कुश्ती दरअसल इसी प्रक्रिया का परिणाम है। चूंकि कांग्रेस और उसकी छतरी के नीचे खड़े विपक्ष को लगता है कि आंबेडकर का अपमान और संविधान की रक्षा का नारा दलितों के मर्म को छूता है, इसलिए वह इस मुद्दे को तूल दे रहा है, वहीं बीजेपी को भी लगता है कि अगर उसने इस मुद्दे के साथ ढिलाई बरती और कांग्रेसी कटघरे में वह खड़ी दिखी तो उसका सारा श्रम बेकार चला जाएगा। खून-पसीने से खड़ा दलित और अति पिछड़ा वोट बैंक बिखर जाएगा।

'संविधान बचाओ' के सच से दूर

संविधान के निर्माता के रूप में आंबेडकर स्थापित हो चुके हैं। इस स्वीकार्यता में संविधान का मूल मसविदा तैयार करने वाले आंध्र प्रदेश के वकील बीएन राव की मेहनत कहीं किनारे खिसका दी गई है। संविधान सभा के 389 सदस्यों का श्रम और उनके विचार भी भुला दिए गए। इतिहास तथ्यों के साथ आगे बढ़ता है तो उससे भविष्य की तस्वीर दिखती है। लेकिन वह जब परसेप्शन पर चलने लगता है तो उसकी अपने हिसाब से व्याख्या की गुंजाइश बन जाती है। इतिहास को इस तरह से अतीत में कांग्रेस की अगुआई में प्रगतिशील खेमा प्रस्तुत करता रहा है। जो अब परिपाटी ही बन गई है। इसी का नतीजा है कि 'संविधान बचाओ' के सच को जानने की कोशिश कम हो रही है।

दल नहीं संविधान को समर्पित थे आंबेडकर

दो टूक

सुनील अमर

वरिष्ठ पत्रकार

नागपुर में 14 अक्तूबर 1956 को हिन्दू धर्म को त्याग कर डॉ. आम्बेडकर ने बौद्ध धर्म को अपनाते समय-'धम्मचक्र प्रवर्तन के दिन' जो 22 प्रतिज्ञाएं की थीं उसमें से एक प्रतिज्ञा थी कि मैं सच बोलूंगा और अहिंसा के मार्ग पर चलूंगा। आज हास्यास्पद यह है कि अपने को आम्बेडकर के विचारों का अनुयायी और उनका संरक्षक बताने की होड़ करने वाले राजनीतिक दल संसद परिसर में ही हिंसा पर आमादा हैं। इसे भारतीय संसद के इतिहास का काला दिन ही कहा जाएगा कि उसके प्रवेश द्वार पर भीतर न घुसने देने को लेकर कथित तौर पर धक्का मुक्की हुई बताई जा रही है।

25 नवम्बर 1949 को संविधान सभा में दिया गया आम्बेडकर का ऐतिहासिक भाषण सामाजिक असमानता, जातिगत उत्पीड़न तथा तानाशाही के संभावित खतरों को लेकर ही था और उन्होंने भारतीयों से अनुरोध किया था कि वे ऐसी प्रवृत्तियों को छोड़ दें जिनसे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता हो। उन्होंने उसी समय यह आशंका व्यक्त की थी कि यह संविधान उतना ही अच्छा रहेगा जितने अच्छे लोगों के हाथों में यह रहेगा। उन्होंने कहा था कि यदि इस संविधान लागू होने के बाद भी चीजें गलत होती हैं तो इसका यह मतलब नहीं होगा कि संविधान गलत है बल्कि यह मतलब होगा कि यह गलत हाथों में है।

आम्बेडकर का हिन्दुत्व का अनुभव बहुत अपमानजनक था। उनके दुःख का अनुमान लगाया जा सकता है कि किसी भावावेश में नहीं बल्कि अपने पूर्ण बौद्धिक परिपक्वता के समय में 13 अक्तूबर 1935 को नासिक के येवला में उन्होंने घोषणा की थी कि मैं हिन्दू पैदा तो हुआ हूं, लेकिन हिन्दू होकर मरूंगा नहीं। आज धर्म, जाति और हिन्दू-मुस्लिम की राजनीति करने वाले लोग जब आम्बेडकर की प्रशंसा के गीत गाते हैं तो एक जुगुप्सा सी होती है। आम्बेडकर ने सामाजिक और आर्थिक समानता को आधार बनाकर संविधान में व्यवस्थाएं दीं लेकिन बाद के दिनों में उन्होंने देखा कि यह आधार महज संविधान का खोखला पन्ना बनकर ही रह गया है। वे जन्म और विरासत से होने वाली असमानता को खत्म करने पर सर्वाधिक जोर देते थे लेकिन बाद के दिनों में उन्हें लगा कि यह असमानता खत्म करने की दिशा में सरकारी प्रयास नगण्य हैं।

आज केन्द्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी जब आम्बेडकर की प्रशंसा करती है या भाजपा की मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जब कहता है कि उसके और आम्बेडकर के विचारों में समानता है तो यह बहस का मुद्दा बन जाता है। असल में आम्बेडकर सामाजिक समता पर जोर देते हैं तो संघ सामाजिक समरसता पर। दोनों में काफी फर्क है। समता का मतलब बराबरी है तो समरसता का मतलब मिलजुल कर रहने से है। बराबरी के बिना अगर मिलजुल कर रहना है तो वह किसी मजबूरी या दबाव से ही सम्भव हो सकता है।

आम्बेडकर ने संघ को उसके स्थापना काल से ही देखा था। वर्ष 1923 में वे अपनी शिक्षा पूरी कर विदेश से लौटे और 1925 में संघ की स्थापना हुई और नागपुर इसका मुख्यालय बना। जैसा कि सभी जानते हैं संघ के विरोधी अक्सर आरोप

लगाते हैं कि मनुस्मृति ही संघ का संविधान है और संघ उसको देश का संविधान बनाना चाहता है। आम्बेडकर मनुस्मृति को सामाजिक भेदभाव और छुआछूत बढ़ाने का प्रतीक मानते थे और यह ध्यान देने वाली बात है कि उसी मनुस्मृति को आम्बेडकर ने संघ की स्थापना के महज दो साल बाद वर्ष 1927 में नागपुर में ही सार्वजनिक रुप से जला कर अपना विरोध प्रकट किया था।

आम्बेडकर जाति को लेकर होने वाली छुआछूत से सर्वाधिक आहत थे और अपने स्कूल के दिनों से लेकर व्यस्क होने तक इस अपमान को बार-बार झेला था। आज जिन्हें हम दलित कहते हैं पहले उनको घृणापूर्वक अछूत कहा जाता था और इस बात से आम्बेडकर बहुत आहत होते थे। बौद्ध धर्म अपनाने से पहले वे सिख धर्म अपनाना चाहते थे लेकिन उन्होंने देखा कि वहां भी जातिगत समस्याएं विद्यमान हैं। यहां यह ध्यान रखना होगा कि आम्बेडकर धर्म नहीं बदलना चाहते थे बल्कि वे जाति को खत्म करना चाहते थे जो कि हिन्दू धर्म में रहते हुए उन्हें सम्भव नहीं लग रही थी। इसलिए उन्होंने बौद्ध धम्म (धर्म) को अपनाया था। यह जातिविहीन पंथ है। आज कांग्रेस और भाजपा आम्बेडकर पर कॉपीराइट लेने के फेर में हैं। भाजपा कहती है कि कांग्रेस ने अपने इतने लम्बे शासनकाल में आम्बेडकर को उचित महत्त्व ही नहीं दिया, उनका विरोध किया और उन्हें चुनाव हरा दिया था। और कांग्रेस कहती है कि आम्बेडकर तो हिन्दुत्व और संघ दोनों के घोर विरोधी थे। भाजपा जिस चुनाव की बात करती है वह देश का पहला आम चुनाव था और उस वक्त आम्बेडकर नेहरू मंत्रिमंडल में मन्त्री भी थे। आम्बेडकर की एक अपनी राजनीतिक पार्टी शेड्यूल कॉस्ट फेडरेशन थी जिसके टिकट पर वे चुनाव लड़े थे और चाहते थे कि कांग्रेस उनके खिलाफ अपना प्रत्याशी न उतारे। पहले तो इस पर सहमति थी लेकिन आम्बेडकर ने जब चुनावी रणनीति के तहत समाजवादियों से समझौता कर लिया, तो कांग्रेस के महाराष्ट्र अध्यक्ष एस.के. पाटिल ने इससे चिढ़कर अपना उम्मीदवार उतार दिया था, जिसने आम्बेडकर को हरा दिया। हालांकि इसके दो साल बाद महाराष्ट्र के भंडारा में उपचुनाव हुआ। आम्बेडकर उसमें भी मैदान में उतरे, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी से वह चुनाव भी हार गये। भाजपा इसी को आम्बेडकर के प्रति कांग्रेस की भितरघात बताती है। कांग्रेस शासनकाल में डा. आम्बेडकर को भारत रत्न भी नहीं दिया गया था। भाजपा इसे भी मुद्दा बनाती रही है।

राजनीतिक दलों की वोट की भूख दिनोंदिन सनक की सीमा पार करती जा रही है। ऐसा लगता है कि आज देश में जो भी योजना बनती है या जो भी राजनीतिक-प्रशासनिक कार्य व्यापार होता है उसकी चिन्ता में वोट बैंक ही रहता है। 2011 के आंकड़ों के अनुसार देश में दलित और आदिवासी समुदाय की संयुक्त आबादी 25 प्रतिशत से अधिक है। यह एक बड़ा वोट बैंक है। दलित समुदा में डा. आम्बेडकर व्यापक स्वीकार्यता है। यद्यपि यह आबादी देश भर में बिखरी हुई है लेकिन बहुत सारे चुनाव क्षेत्रों में यह निर्णायक स्थिति में भी है। जाहिर है सभी राजनीतिक दलों की निगाह आम्बेडकर के बहाने दलित वोटों पर जाल डालने की है। वर्ष 2014 में उत्तर प्रदेश में भाजपा के हाथों सत्ता गंवाने के बाद अखिलेश यादव ने कहा था कि मुझे यह समझ में आ गया है कि यहां लोग समझाने पर नहीं, फुसलाने पर वोट देते हैं। आज भारतीय मतदाता और चुनावी व्यवस्था का यही कड़वा सच बन गया है। सारे राजनीतिक दलों में मानों इसी बात की होड़ सी लगी है कि मतदाताओं को कैसे फुसलाया जाय और जाहिर है कि जो सत्ता में होते हैं उनके पास मतदाताओं को फुसलाने के संसाधन और अवसर ज्यादा होते हैं। आज भाजपा दलित व ओबीसी वोट बैंक पर अधिक फोकस कर रही है, इसलिए डा. आम्बेडकर के इर्दगिर्द सियासी तानाबाना बुन रही है। संविधान व आम्बेडकर पर जंग सियासत की जंग अधिक है।

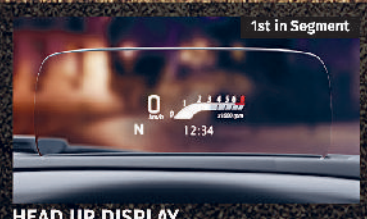

MARUTI SUZUKI
NEXA
YOU CANNOT MISS THIS.
Avail great year-end offers on the New Age Baleno. Buy before the stock runs out.
GRAB IT BEFORE PRICE RISE OF UP TO 4%
BALENO
BUY A NEXA CAR & STAND A CHANCE TO WIN 2 TICKETS TO
Ed Sheeran
+–=÷x
2025 INDIA TOUR
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
1st in Segment
1st in Segment
360 VIEW CAMERA
HEAD UP DISPLAY
6 AIRBAGS^
IN-BUILT SUZUKI CONNECT
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
REGAL EDITION
GET ACCESSORY PACKAGE OF UP TO ₹ 60 526
SHOWSTOPPER DEALS
ONLY 10 DAYS LEFT
For any bulk purchase enquiries please email to renjith.nair@maruti.co.in
BENEFITS UP TO ₹ 77 626**
ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.
SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
FOR MORE DETAILS CONTACT MR. SHREY SHIKHAR PH: +91 81308 49972
E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Offers may vary subject to the model and variant purchased and shall be applicable till stock lasts. **All offers are brought to you by NEXA dealers only. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Creative Visualization. ^For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the owner's manual. *3 years or 100 000 km whichever is earlier.

पहली बीवी को 500 करोड़ मिले, दूसरी ने कहा- मुझे भी इतने ही चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में जन्मे और अमेरिका में एक सफल आईटी कंसल्टेंसी सेवा चलाने वाले एक व्यक्ति को शादी और तलाक की भारी कीमत चुकानी पड़ी। नवंबर 2020 में अपनी पहली पत्नी को 500 करोड़ रुपये के गुजारा भत्ते के रूप में देने के बाद, अब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दूसरी पत्नी को 12 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। उनकी दूसरी शादी केवल कुछ ही महीनों तक चली थी।

इस व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी पूरी तरह से टूट चुकी शादी को रद्द करने की मांग की थी। उनकी दूसरी शादी 31 जुलाई 2021 को हुई थी और कुछ ही महीनों बाद टूट गई।

गुजारा भत्ता का उद्देश्य

अदालत ने कहा कि गुजारा भत्ता का उद्देश्य अलग हो चुकी पत्नी को गरीबी से बचाना, उसकी गरिमा बनाए रखना और सामाजिक न्याय प्रदान करना है। पीठ ने कहा, कानून के अनुसार, पत्नी को यथासंभव वैसी ही जीवनशैली में रहने का अधिकार है जैसी वह अपने वैवाहिक घर में रहती थी जब दोनों साथ रहते थे। एक बार जब पति-पत्नी अलग हो जाते हैं, तो पति से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह जीवन भर अपनी वर्तमान स्थिति के अनुसार पत्नी का खर्च उठाता रहे।

■ दूसरी पत्नी की मांग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

कोर्ट ने 12 करोड़ देने का दिया आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने 12 करोड़ के गुजारा भत्ते को उचित मानते हुए कहा कि यह दूसरी पत्नी को उसकी जरूरतों और स्थिति के आधार पर दिया जा रहा है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि गुजारा भत्ता का उद्देश्य सामाजिक न्याय और गरिमा की रक्षा करना है, न कि जीवनसाथी की संपत्ति के साथ बराबरी करना।

दूसरी पत्नी ने स्थायी गुजारा भत्ते की मांग करते हुए कहा कि उसे भी पहले पत्नी के बराबर भुगतान मिलना चाहिए।

पत्नी की मांग पर अदालत की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और पंकज मिथल की पीठ ने दूसरी पत्नी की मांग को खारिज करते हुए कहा कि पहली पत्नी के साथ कई वर्षों तक वैवाहिक जीवन बिताने की तुलना में दूसरी पत्नी का मामला अलग है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने निर्णय में लिखा, हमें उस प्रवृत्ति पर गंभीर आपत्ति है, जहां पक्षकार अपने जीवनसाथी की संपत्ति, स्थिति और आय को आधार बनाकर समान धनराशि की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर जीवनसाथी की संपत्ति अलग होने के बाद कम हो जाए, तो ऐसी मांगें क्यों नहीं की जातीं?

पति की तरक्की के आधार पर गुजारा भत्ता

अदालत ने यह भी कहा कि अगर पति अलग होने के बाद जीवन में बेहतर कर रहा है, तो उससे यह कहना कि वह हमेशा पत्नी की स्थिति को अपनी बदलती स्थिति के अनुसार बनाए रखे, उसकी व्यक्तिगत प्रगति पर बोझ डालना होगा। अदालत ने सवाल उठाया, अगर पति अलग होने के बाद दुर्भाग्यवश गरीब हो जाए, तो क्या पत्नी अपनी संपत्ति को बराबरी पर लाने की मांग करेगी?

जैकेट के शेष

धुंध ने रोके ....

आउटर में इसकी वजह से विजिबलिटी का काफी कम हो गई थी। इसका व्यापक असर सुबह के वक्त माना के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में लैंड होने वाली फ्लाइट पर पड़ा। दूसरे शहरों से उड़ान अपने समय पर संचालित हुई, मगर रायपुर पहुंचने पर उन्हें उतरने की अनुमति नहीं मिली। हवा में कुछ देर चक्कर लगाने के बाद मौसम साफ होने तक उन्हें दूसरे विमानतलों पर लैंड कराया गया। धुंध की वजह से सुबह के शेडयूल में संचालित होने वाली आधा दर्जन फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा। सुबह सबसे पहले लखनऊ से यात्रियों को लेकर आए एयरक्राफ्ट को रायपुर में उतारा गया। मौसम साफ होने के बाद सभी फ्लाइट दूसरे विमानतलों से धीरे-धीरे रायपुर पहुंची। मौसम की खराबी की वजह फ्लाइट के बिगड़े शेड्यूल की वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने विमान के वापस रायपुर पहुंचने के बाद राहत की सांस ली।

250 मीटर पहुंची ....

के दौरान सामान्य स्थिति में दृश्यता 1200 मीटर के आसपास होना चाहिए। इसके कम विजिबिलिटी में फ्लाइट को नीचे उतारना काफी जोखिम भरा होता है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर सुबह के वक्त ऐसी ही स्थिति थी।

खराब मौसम में ....

लम्बे इन्तजार के बाद सरगुजा के दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा से 19 दिसंबर को नियमित उड़ान सुविधा की शुरुआत की गई है। फ्लाई बिग कंपनी द्वारा रायपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर के बीच 19 सीटर विमान का संचालन किया जा रहा है। विमान सुविधा शुरू होने के बाद सरगुजावासियो में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नई नई सुविधा होने के कारण फिलहाल लोगों को आसानी से फ्लाइट की टिकिट भी नहीं मिल पा रही है। इस बीच शनिवार को सरगुजा से हवाई सेवा का आनंद लेने वाले यात्रियों को निराशा हाथ लगी। रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर हवाई अड्डा पहुंचा विमान वापस लौट गया। फ्लाई बिग के 19 सीटर विमान ने रायपुर से दोपहर डेढ़ बजे उड़ान भरी थी और दोपहर सवा दो बजे विमान अंबिकापुर पहुंचा लेकिन सरगुजा का मौसम खराब होने और दृश्यता कम होने के विमान आसमान में ही चक्कर लगाता रहा। विमान ने लगभग तीन चक्कर लगाए और उसके बाद सुरक्षा कारणों से विमान को लैंड नहीं कराया गया। विमान यात्रियों को लेकर वापस लौट गया।

दिल्ली में कोहरा, श्रीनगर ....

सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 429 से घटकर 392 यानी 'बेहद खराब' श्रेणी में आ गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

ओडिशा में बारिश : ओडिशा के अधिकांश क्षेत्रों में शनिवार को बारिश हुई, जबकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र गहरा गया। आईएमडी ने बताया कि ओडिशा के 30 जिलों में से 26 जिलों में शनिवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बारिश हुई। सबसे अधिक नयागढ़ जिले के राणपुर में 108.4 मिमी बारिश हुई।

राजस्थान के कई इलाकों में कोहरा : राजस्थान के अनेक इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। शनिवार सुबह राज्य के कई इलाकों में घना तथा अति घना कोहरा छाया रहा।

नान घोटाले में ....

महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा के प्रभाव का इस्तेमाल कर लाभ लिया। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में काम करने वाले उच्चाधिकारियों से प्रक्रियात्मक दस्तावेज और विभागीय जानकारी में बदलाव करवाया। ताकि हाईकोर्ट में वे अपना पक्ष मजबूती से रख सकें और उन्हें अग्रिम जमानत मिल सके।

क्या है नान ....

चावल के भंडारण और परिवहन में भी भ्रष्टाचार करने के आरोप लगे। शुरुआत में शिवशंकर भट्ट सहित 27 लोगों के खिलाफ मामला चला। बाद में निगम के तत्कालीन अध्यक्ष और एमडी का नाम भी आरोपियों की सूची में शामिल हो गया।

साप्ताहिक बाजार जा ....

चांदामेटा, पाईके बेजामी पत्नी सना बेजामी (36), पटेलपारा चांदामेटा तथा बुको मड़कामी पत्नी लखमा (55), गदमेपारा चांदामेटा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। घटना दोपहर लगभग पौने 2 बजे की बताई गई है। घटना की खबर लगते ही चांदामेटा और कोलेंग सीआरपीएफ कैम्प में तैनात सुरक्षा बल के जवान घटना स्थल पहुंचकर घायल ग्रामीणों का रेस्क्यू किया और सभी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोलेंग में भर्ती कराया। वहीं गंभीर रूप से घायल 55 ग्रामीणों को डिमरापाल मेडिकल सह अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि आज दोपहर चांदामेटा से ग्रामीण कोलेंग बाजार जाने के लिए वाहन में सवार हुए थे। चांदामेटा घाट में अनियंत्रित होकर वाहन पलट गई। घटना के बाद जवानों ने बिना देरी किए एम्बुलेंस आने से पहले अपने बाइक में घायलों को लेकर कोलेंग अस्पताल पहुंचे जहां ग्रामीणों का इलाज हो रहा है।

55 घायलों को भेजा गया मेकाज : दरभा के ब्लाक मेडिकल अफसर पीएल मंडावी ने हरिभूमि से कहा कि वाहन में सवार 70 लोगों में से 55 लोग घायल हुए हैं। इन सभी को मेडिकल कालेज भेजा गया है, जिनमें 1 दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कई ग्रामीणों के हाथ-पैर टूट गए हैं। एक्सरे रिपोर्ट आने पर ही सही स्थिति मालूम होगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिक उपचार के बाद कोलेंग अस्पताल से 15 ग्रामीणों को जिनकी स्थिति सामान्य थी, उन्हें दवा देकर घर भेज दिया गया है।

वाहन में थे ....

चांदामेटा घाट में अनियंत्रित होकर वाहन लगभग 3-4 मीटर नीचे पलट गई। टीआई नाग ने कहा कि कोलेंग में चिकित्सक और दरभा के बीएमओ पहुंच गए थे, इसलिए कोलेंग अस्पताल में ही सभी मृतकों का पोस्टमार्टम कर दिया गया और देर शाम शव को परिजनों को दे दिया गया है। गौरतलब है कि आज ही कलेक्टर हरिश एस. कोलेंग क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे थे, इसलिए क्षेत्र के सभी अधिकारी उनके साथ दौरे में थे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायक जनवरी के मध्य में चीन जाएंगे

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायक ने हाल ही में अपनी भारत यात्रा के बाद शनिवार को घोषणा की कि वह जनवरी के मध्य में चीन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। दिसानायक ने यह घोषणा ऐसे समय में की है जब कुछ दिन पहले ही उन्होंने और प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने मंगलवार और बुधवार को यहां चीनी जन राजनीतिक परामर्श सम्मेलन (सीपीपीसीसी) की राष्ट्रीय समिति की उपाध्यक्ष किन बोयोंग से मुलाकात की थी और चीन की अरबों डॉलर की बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) के तहत उच्च गुणवत्ता वाले विकास को आगे बढ़ाने के लिए द्वीपीय राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी। दिसानायक ने कैंडी में संवाददाताओं से कहा, मैं जनवरी के मध्य में चीन जाऊंगा।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारगणों के द्वारा विक्रेतागण अनिल साहू, भीमचंद साहू, रूपेश साहू, अंजनी साहू, अंजु साहू, सभी पिता संतराम साहू एवं श्रीमती जेठीन साहू पति संतराम साहू सभी निवासी दुर्गा मंदिर के पास रविग्राम अमलीडीह, रायपुर (छ.ग.) से उनके स्वामित्व व आधिपत्य कब्जे की भूमि जो ग्राम खिलोरा प.ह.नं. 00011 रा.नि.मं. केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि ख. नं. 665 रकबा 0.020 हे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अदाकर दिया है केवल पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्थान, शासकीय, अर्धशासकीय, निकाय एवं बैंक बीमा, साहूकार, वित्तीय निकाय इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति उजर दावा हो तो अपनी लिखित आपत्ति मयसुसंगत दस्तावेजों के इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर मेरे समक्ष, मेरे नीचे लिखे पते पर प्रस्तुत करें। उक्त अवधि समाप्ति उपरांत कोई भी दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। इस आम सूचना के समक्ष शून्य व निष्प्रभावी होगा।

अतः सूचना जानें।

स्थान : रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 21.12.2024

एस.एस. चन्देल (अधिवक्ता)
पुराना धमतरी रोड, राजेश स्टील के पास कृष्णा नगर, रायपुर (छ.ग.)
रजि. नं. 640/2005
मो. 94255-19873

कार्यालय, बड़की सरैया नगर पंचायत,(गिरिडीह)

Email – eo.badakasarai@gmail.com

पत्रांक–1080 / दिनांक–20 / 12 / 2024

शुद्धि पत्र

PR No- PR342274URBAN DEVEPLOMENT AND HOUSING (24-25)_D के द्वारा निकाले गये FSTP ई–निविदा Tender Notice सूचना संख्या–11 / 2024–25 निविदा में निम्नांकित संशोधन किया जाता है:–

क्र०सं०	Particulars	पूर्व में कये गये प्रकाशित तिथि	संशोधित किये गये तिथि
1	Bid submission end date	02.01.2025 upto 05:00 pm	16.01.2025 upto 05:00 pm
2	Bid opening date (online)	03.01.2025 at 04:30 pm	17.01.2025 at 04:30 pm

उक्त निविदा आमंत्रण सूचना के शेष भाग यथावत् रहेंगे।

ह०/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
बड़की सरैया नगर पंचायत।

PR 342639 (Urban Development and Housing) 24-25 (D)

पेज एक के शेष

अब पुरानी कार खरीदने...

पर सहमति बन गई है। इसके अलावा जीएसटी परिषद ने शनिवार को जीवन और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम पर कर की दर घटाने का फैसला टाल दिया। विमान ईंधन को जीएसटी व्यवस्था से बाहर रखने पर सहमति जताई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि राज्य विमान टरबाइन ईंधन को जीएसटी के दायरे में लाने पर सहमत नहीं हैं। उन्होंने यहां 55वीं जीएसटी परिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, राज्य इस बारे में सहज नहीं थे। वे एटीएफ नहीं चाहते थे, क्योंकि वे इसे कच्चे पेट्रोलियम-डीजल उत्पाद की श्रेणी में देखते हैं और इसलिए उन्होंने कहा कि इसे अकेले नहीं हटाया जा सकता। इसलिए इस पर यथास्थिति बनी हुई है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि बीमा प्रीमियम पर जीएसटी में कमी के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया, क्योंकि मंत्रियों के समूह (जीओ) को इस मुद्दे का अध्ययन करने के लिए अधिक समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि बीमा नियामक इरडा सहित कई पक्षों से सुझावों का इंतजार है। उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी परिषद ने दर युक्तिकरण के संबंध में निर्णय को भी स्थगित कर दिया है, क्योंकि जीओएम को व्यापक अध्ययन के लिए अधिक समय की जरूरत है। इस बीच 148 वस्तुओं पर कर की दर में फेरबदल की मंत्रिसमूह की बहुचर्चित सिफारिश परिषद के समक्ष नहीं रखी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों वाली परिषद के कुछ सदस्यों ने महसूस किया कि बीमा कराधान के संबंध में अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। बीमा पर मंत्री समूह की समिति के प्रमुख बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि समूह, व्यक्तिगत, वरिष्ठ नागरिक पॉलिसियों के कराधान पर निर्णय लेने के लिए एक और बैठक की आवश्यकता है। चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कुछ (परिषद) सदस्यों ने कहा कि इस पर और अधिक चर्चा की आवश्यकता है। हम (जीओएम) जनवरी में फिर मिलेंगे। जीएसटी परिषद ने प्राकृतिक आपदा से निपटने में संसाधन जुटाने के लिए आंध्र प्रदेश द्वारा कुछ विलासिता की वस्तुओं पर एक प्रतिशत आपदा उपकर लगाने की मांग पर विचार करने के लिए एक मंत्रिसमूह (जीओएम) गठित करने का निर्णय लिया है। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने कहा कि इस बात पर आम सहमति बनी है कि एक मंत्रिसमूह बनाया जाए। केशव ने कहा, उपकर विलासिता की वस्तुओं और राज्य विशेष शुल्क पर लगाया जाएगा।" सितंबर-अक्टूबर में आंध्र प्रदेश में बाढ़ आई थी। केशव ने कहा, सामान्य स्थिति में वापस आने के लिए एक सहारे के लिए हमने एक प्रतिशत उपकर का सुझाव दिया है। जीओएम स्थापित करने के लिए आम सहमति थी। जीएसटी परिषद ने शनिवार को पॉपकॉर्न पर कर के बारे में स्पष्टीकरण जारी करने पर सहमति जताई। परिषद ने कहा कि पहले से पैक और लेबल वाले खाने के लिए तैयार स्नैक्स पर 12 प्रतिशत कर लगेगा। जीएसटी परिषद ने कहा कि अगर स्नैक्स कारमेलाइज्ड है, तो उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा।

पुलिस भर्ती पर कई...

अनुसार स्थानीय लोगों को ही नंबरों की एंट्री का काम दे दिया गया है। ऐसे में अंकों की एंट्री में गड़बड़ी होने की संभावना भी बढ़ जाती है। हालांकि कुछ जिलों में पुलिस कर्मियों की संलिप्तता की भी जानकारी सामने आ रही है।

न ऑडिट, मॉनिटरिंग पर भी सवाल: प्रदेशभर में एक साथ जारी भर्ती प्रक्रिया में एंट्री का काम जिस टाइमिंग टेक्नोलॉजी कंपनी को दिया गया है, उसका टेक्निकल ऑडिट तक नहीं होने की बातें सामने आ रही है। इसके अलावा अंकों की एंट्री के बाद उसमें बदलाव का विकल्प भी ऑपरेटरों को लोकल लेवल पर दे दिया गया है। ऐसे में अंकों की एंट्री में कई दफा बदलाव भी कर लिए जा रहे हैं।

इस तरह की गड़बड़ी: राजनांदगांव जिले में कुछ ऐसे प्रकरण भी सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि जिन अभ्यर्थियों ने दौड़ में भाग ही नहीं लिया, उनके भी अंक एंट्री कर दिए गए हैं। इसके अलावा किसी भी अभ्यर्थी को दोबारा मौका देने का प्रावधान नहीं रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद दर्जनों अभ्यर्थियों को कई इवेंट में दो से तीन बार अंक एंट्री कर दिए गए हैं। अब इस पूरे मामले में सीसीटीवी फूटेज के सहारे जांच की जा रही है।

जल्द होगा निर्णय: वर्तमान में केवल राजनांदगांव में तकनीकी तौर पर गड़बड़ी की शिकायत प्राप्त हुई है। विभाग समीक्षा कर रहा है। इस पर जल्द अंतिम निर्णय लिया जाएगा। मौजूदा भर्ती प्रक्रिया से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा को अवगत करवाया गया है। अभ्यर्थियों के बीच सरकार की विश्वसनीयता कायम रहे तथा भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संपादित हो। इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। - **गौरी शंकर श्रीवास प्रवक्ता भाजपा**

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

भारतीय सर्वोच्च न्यायालय
कनिष्ठ न्यायालय सहायक की भर्ती

पात्र उम्मीदवारों से कनिष्ठ न्यायालय सहायक (ग्रुप 'बी', गैर राजपत्रित पद) के पद के लिए पे मैट्रिक्स के स्तर 6 में मूल वेतन रु. 35,400/- के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित हैं। लगभग कुल वेतन वर्तमान भत्ता दर के अनुसार एवं एचआरए के साथ रु.72,040/- प्रतिमाह (पुनरीक्षित वेतन स्तर पीबी-2 के साथ ग्रेड पे रु. 4200/-) बनता है। पात्रता शर्तें आदि की पूर्ण जानकारी सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट www.sci.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

(प्रदीप वाय.लाडेकर)
पंजीयक (मानव संसाधन)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 22-12-2024
CBC 24305/12/0028/2425

-: संक्षिप्त सूचना/समाचार :-

शीघ्रलेखन मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद् की स्थगित परीक्षाओं का पुनः संचालन परीक्षाओं की नवीन तिथियां जारी

रायपुर दिनांक 20/12/2024

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद, लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा वर्ष 2024 में प्रथम छः माह में आयोजित परीक्षाओं में से 19 मई 2024 के पश्चात आयोजित होने वाली परीक्षाओं को आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया था। इन स्थगित परीक्षाओं में से प्रथमतः अंग्रेजी मुद्रलेखन कौशल गति 10000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से पुनः परीक्षाएं दिनांक 29/12/2024 दिन रविवार को प्रदेश के 02 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी। परीक्षा केन्द्रों के नाम निम्नानुसार है-

1. श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मेनेजमेंट एण्ड टेक्नोलाजी, मुजगहान रायपुर,
2. श्री शंकराचार्य तकनीकी केम्पस भिलाई जिला दुर्ग

इसी प्रकार अंग्रेजी मुद्रलेखन कौशल गति 8000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से प्रदेश चयनित परीक्षा केन्द्रों पर दिनांक 05/01/2025 दिन रविवार आहूत की जायेगी। तत्पश्चात आगामी तिथियों में आयोजित होने वाली स्थगित (हिन्दी /अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन गति 5000 एवं 8000 की डिप्रेशन प्रतिघंटे के मान से आयोजित की जाने वाली) परीक्षाओं संबंधी कार्यक्रम संबंधी विस्तृत विवरण/परीक्षा केन्द्र संबंधी जानकारी परिषद की वेबसाईड https://ctsp.cg.nic.in पर प्रकाशित की जायेगी।

अवगत होना चाहे उपरोक्त अंकित तिथियों के पश्चात परिषद द्वारा आगामी तिथियों में आयोजित होने वाली समस्त परीक्षाओं के नवीन प्रवेश पत्र जारी किये जायेगें। पूर्व में आपको जारी प्रवेश पत्र के आधार पर परीक्षा में शामिल नहीं किया जायेगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि आगामी तिथियों में आयोजित परीक्षाओं के लिए नवीन प्रवेश पत्र ही मान्य होंगें तथा उपलब्ध संसाधनो के आधार पर परीक्षार्थी को आबंटित परीक्षा केन्द्र पर ही परीक्षा दिया जाना अनिवार्य होगा।

दिनांक 29.12.2024 को आयोजित होने वाली अंग्रेजी मुद्रलेखन कौशल परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी किये जा रहे हैं। एडमिड कार्ड पर चयनित परीक्षाओं की तिथियों, परीक्षा केन्द्र, बैच एवं समय की जानकारी अंकित है। परीक्षार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि सभी परीक्षार्थी परिषद की वेबसाईड से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लें एवं उसमें अंकित जानकारियों एवं निर्देशों का भली-भांति से अवलोकन कर लेवें। परिक्षार्थिओं को क्रमवार एस.एम.एस. के माध्यम से भी सूचना उपलब्ध कराई जा रही है।

अतः परीक्षार्थीगण समय समय पर परिषद की वेबसाईड का अवश्य अवलोकन करते रहे।

सचिव
शीघ्रलेखन मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद
लोक शिक्षण संचालनालय
रायपुर (छ.ग.)

G-242504763/2

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 60/ZONE 08/2024 — RAIPUR, DATED : 20/12/2024

Online bids are invited for the following works up to 14/01/2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable Amount of contact (in Lacs)
1	163272	पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्र. 02 अंतर्गत सोनडोंगरी में नवनिर्मित आवास (प्रधानमंत्री आवास) में पेयजल व्यवस्था हेतु पाईप लाईन विस्तार कार्य।	35.00
2	163274	माधवराव सप्रे वार्ड क्रं. 69 अंतर्गत ग्राम रायपुरा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य।	30.00
3	163276	पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्र. 02 अंतर्गत डॉग शेल्टर हाउस में पेंटिंग, टाईल्स, विद्युतीकरण एवं शेष फिनीशिंग कार्य।	35.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https: //eproc.cgstate.gov.in from 21/12/2024, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.

Note:- (1) All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (2) Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. ***Help Desk at Toll Free No. 18004199140*** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

ZONE COMMISSNOR
ZONE-08
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

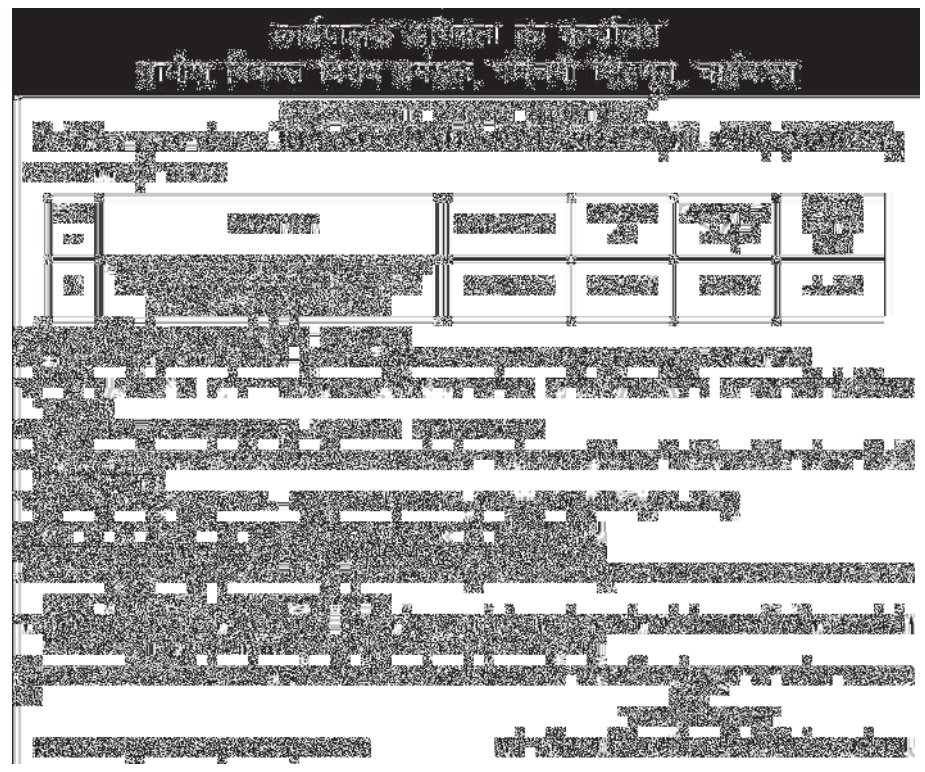

शब्द पहेली - 5724

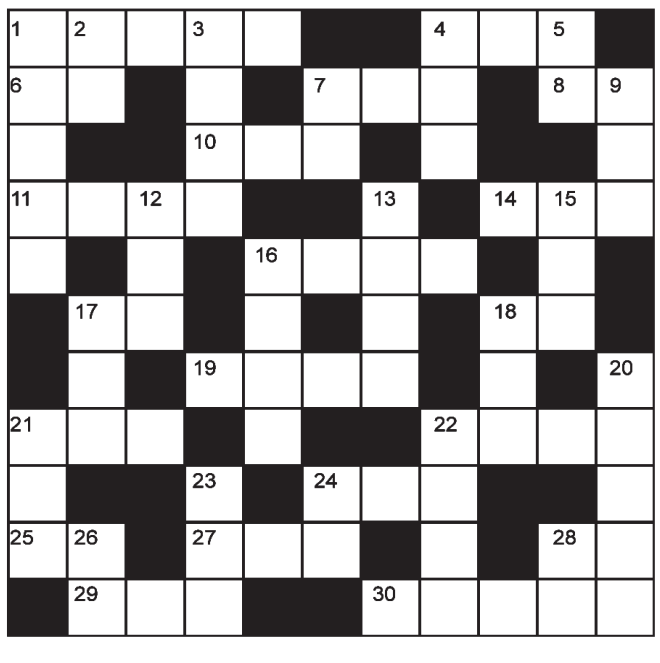

बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 5723 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
ब	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
ब	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	ज		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

सूडोकु नवताल - 5734

कठिनतम

			4		6			
					2	7		
2	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGA, SENACHA, RANGALORE

सूडोकु नवताल - 5733 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

ट्रेडिशनल लुक है सबसे हटके

एजेंसी ⏭ मुंबई

रश्मिका मंदाना पिछले कुछ दिनों से पुष्पा 2 के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। विजय देवरकोंडा के साथ लंच पर स्पॉट होने के बाद दोनों के डेटिंग रूमर्स को एक बार फिर हवा मिल गई थी। इसके अलावा उनकी फिल्म पुष्पा 2 भी बॉक्स ऑफिस पर धड़ल्ले से आगे बढ़ती चला जा रही है। इस बीच अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज पोस्ट की हैं जो हर तरफ छा गई हैं। रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज पोस्ट की हैं जिनमें वो बला की खूबसूरत लग रही हैं। इस आउटफिट की बात करें तो गोल्डन ऑरेंज सूट में वो किसी रानी से कम नहीं लग रही हैं। हैवी जूलरी के साथ मांग टीका और लाइट मेकअप उनकी सादगी को और भी शानदार बना रहा है। रश्मिका ने होंठों पर कॉफी कलर की लिपस्टिक लगाई जो उनके लुक उभारने का काम कर रही है। ये तस्वीरें दरअसल एक संगीत फंक्शन की हैं। रश्मिका ने फोटो के कैप्शन में लिखा, ये उस तरह के आउटफिट है जिन्हें पहनने में मुझे सच में बहुत मजा आता है। यह बिल्कुल सही लगा। यह मेरी बेस्टी के संगीत के लिए था.. जो 1 घंटे से लेकर आगे पीछे होता रहा हालांकि काम की वजह से मैं इसे बस 15 मिनट लिए अटेंड कर पाई, लेकिन अभी भी इसे आगे बढ़ाने और इसे काम करने के लिए खुद पर गर्व है। एक्ट्रेस के इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, आप क्वीन ऑफ इंडिया हो। वहीं एक ने लिखा, इन तस्वीरों का लंबे वक्त से इंतजार था। बात करें रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की तो फिलहाल वो पुष्पा 2 में श्रीवल्ली के रोल में नजर आ रही हैं।

साल 2024 में इन फिल्मों ने उम्मीदों पर फेरा पानी

मुंबई। साल 2024 अब अपने आखिरी मुकाम पर है। मनोरंजन जगत के लिए यह साल काफी महत्वपूर्ण रहा है। इस वर्ष जहां कई फिल्में हिट हुईं, वहीं कई फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर मुंह की खाई। कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जिन्होंने उम्मीद से कहीं अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कुछ फिल्मों ने उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आइए जानते हैं कौन सी ऐसी फिल्में रहीं, जिनसे बहुत ज्यादा उम्मीद होने के बावजूद भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं।

इंडियन-2

कमल हासन की 'इंडियन 2' ने 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दिया। यह फिल्म 1996 की फिल्म 'इंडियन' का सीक्वल थी। फिल्म में कमल हासन अपनी भूमिका को दोहराते हुए नजर आएं। इसके सीक्वल से काफी उम्मीदें थी, क्योंकि 'इंडियन' को ऑस्कर में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया था। बड़े बजट की एक्शन फिल्म ने दुनिया भर में 150 करोड़ रुपये के आसपास का कलेक्शन किया।

बड़े मियां छोटे मियां

अली अब्बास जफर निर्देशित 'बड़े मियां छोटे मियां' का बहुत बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया था। फिल्म के प्रमोशन को देखकर लग रहा था कि यह एक बड़ी हिट होगी, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। अक्षय कुमार के लीड रोल में होने के बावजूद फिल्म को दर्शकों का प्यार नहीं मिल सका। 350 करोड़ रुपये के बजट वाली इस एक्शन फिल्म ने दुनिया भर में सिर्फ 100 करोड़ का कारोबार किया।

वेट्टैयन

रजनीकांत की 'वेट्टैयन' ने 10 अक्टूबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक दिया। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा अमिताभ बच्चन फहद फासिल और राणा दग्गुबती भी थे। 'जेलर' की सफलता के बाद इस फिल्म से भी काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म ने पहले सप्ताह में काफी संघर्ष किया। फिल्म ने दुनिया भर में 240 करोड़ रुपये की कमाई की, जो कि पारंपरिक रजनीकांत की फिल्म से काफी कम है।

कंगुवा

साउथ के सुपरस्टार सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें थी। इस फिल्म में सूर्या का डबल रोल है। फिल्म की कमजोर कहानी इसके खराब प्रदर्शन का कारण बनीं। यह दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई भी नहीं कर पाई, जबकि इंडस्ट्री को उम्मीद थी कि यह सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक होगी।

अमीषा पटेल : 100 करोड़ मिले तो भी नहीं करूंगी सास का रोल

मुंबई। 'गदर 2' की रिलीज के बाद से अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच विवाद ने जन्म ले लिया। दोनों के बीच यह तब शुरू हुआ जब अनिल शर्मा ने एक साक्षात्कार में कहा कि अभिनेत्री सास की भूमिका निभाने से बच रही थी। हालांकि, बाद में वह इसके लिए तैयार हो गईं। अब यह बहस तूल पकड़ती जा रही है। निर्देशक के बयान पर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अब अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेत्री ने 'गदर 2' के निर्देशक अनिल शर्मा की टिप्पणियों का जवाब दिया, जहां उन्होंने सुझाव दिया था कि उन्हें अपने चरित्र के विकास के हिस्से के रूप में सास की भूमिका निभानी चाहिए। मोटी रकम मिलने के बाद भी अभिनेत्री ने कह दिया था कि उन्हें इस तरह की भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। हाल ही में निर्देशक अनिल शर्मा ने एक साक्षात्कार में, बताया कि अमीषा पटेल ने शुरू में 'गदर 2' में सास की भूमिका निभाने में झिझक दिखाई थी। निर्देशक ने अभिनेत्री नरगिस दत्त की 'मदर इंडिया' में एक मां की भूमिका निभाने का उदाहरण देते हुए यह कहा कि अभिनेत्रियों को उम्र बढ़ने के साथ अधिक परिपक्व भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार रहना चाहिए। निर्देशक अनिल शर्मा के इस बयान पर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्विटर पर एक स्क्रीनशॉट साझा किया। अपनी पोस्ट में निर्देशक के प्रति अपना सम्मान जताते हुए उन्होंने कहा कि वह 100 करोड़ जैसी बड़ी रकम के लिए भी कभी सास की भूमिका नहीं निभाएंगी। अभिनेत्री ने लिखा, "प्रिय अनिलजी। यह केवल एक फिल्म है और किसी परिवार की वास्तविकता नहीं है।

'पुष्पा 2' सबसे तेज हजार करोड़ रुपए कमाने वाली पहली फिल्म...

बॉक्स ऑफिस पर 16 दिन में खास क्लब में बनाई अपनी जगह

मुंबई। सुकुमार के निर्देशन में बनी अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2' बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ती नजर आई है। फिल्म अपने तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी है। यूं तो इसकी कमाई में गिरावट दर्ज की जा रही है, लेकिन इन सबके बाद भी यह महज 16 दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे तेज हजार करोड़ रुपए कमाने वाली फिल्म बन गई है। 'पुष्पा 2' ने अपनी दस्तक के साथ ही साफ कर दिया था कि यह बॉक्स ऑफिस पर रूल करने आई है। अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 175 करोड़ रुपए की ओपनिंग लेकर ट्रेड पंडितों को भी हैरान कर दिया। वहीं, यह एक सप्ताह के भीतर ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 725.8 करोड़ रुपए कमाने में सफल रही। 'पुष्पा 2' सबसे तेज 200 करोड़, 300 करोड़, 400 करोड़ और 500 करोड़ रुपए कमाने वाली फिल्म बनी और तबसे ये सिलसिला लगातार जारी है।

16वें दिन रचा इतिहास : अल्लू अर्जुन की इस फिल्म ने दूसरे सप्ताह में 63.52 फीसदी की गिरावट के साथ 264.8 करोड़ रुपए का कारोबार किया। वहीं, 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को इसने 13.75 करोड़ रुपए की कमाई की। इस तरह यह 1004.35 करोड़ रुपए की कमाई के साथ हजार करोड़ रुपए के क्लब में शामिल हो गई।

तेलुगु-तमिल और हिंदी भाषा से की कमाई : ये तो 'पुष्पा 2' का ओवरऑल भारतीय कलेक्शन है। अगर अलग-अलग आंकड़ों की बात की जाए तो फिल्म ने तेलुगु में अब तक 297.8 करोड़ और हिंदी में 632.6 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। तमिल में इसकी अब तक की कमाई महज 52.8 करोड़ रुपए रही है।

कन्नड़ और मलयालम में बेहद खराब कारोबार

कन्नड़ भाषा में इसका 16 दिन का कुल कलेक्शन 7.16 करोड़ रुपए रहा है। वहीं, मलयालम भाषा से इसने अपने खाते में 13.99 करोड़ रुपए जोड़े हैं। वहीं, वर्ल्डवाइड भी पुष्पा राज का जादू थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसने वैश्विक स्तर पर 1500 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। साथ ही क्रिसमस के अवसर पर इसकी कमाई में उछाल आने की संभावना है।

16 दिन का कुल कलेक्शन

भाषा	राशि करोड़ रुपए में
तेलुगु	297.8
हिंदी	632.6
तमिल	52.8
कन्नड़	7.16
मलयालम	13.99
टोटल	1004.35

'बेबी जॉन' के तीन सीन पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची...

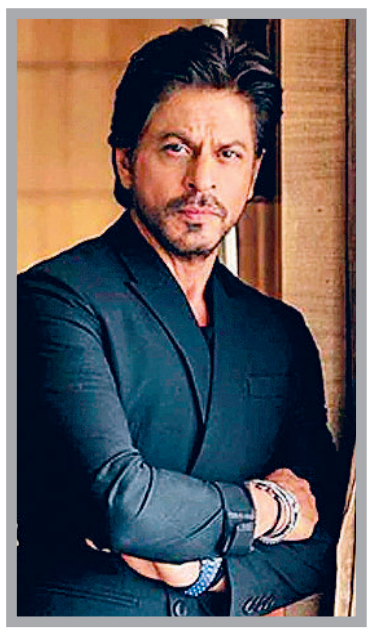

मुंबई। वरुण धवन अभिनीत 'बेबी जॉन' 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। कलीस द्वारा निर्देशित और एटली द्वारा निर्मित, यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही काफी ध्यान आकर्षित कर रही है। 'बेबी जॉन' हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कीर्ति सुरेश की पहली फिल्म भी है। कलाकारों में वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। हालांकि रिलीज से पहले इसके तीन हिंसक सीन पर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की कैंची चली है और उन्होंने कुछ डायलॉग को भी सेंसर कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वरुण धवन की 'बेबी जॉन' को पहले ही यू/ए सर्टिफिकेट मिल चुका है। हालांकि, वीबीएफसी ने कुछ संशोधनों के लिए कहा। इसके बाद प्रारंभिक अस्वीकरण की अवधि बढ़ा दी गई।

शाहरुख के फोन पर किसका वॉलपेपर

मुंबई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के बारे में हर कोई इस बात को जानता होगा कि वो अपने परिवार को कितना प्यार करते हैं। शाहरुख खान अपने तीनों बच्चों और पत्नी गौरी खान से कितना प्यार करते हैं वो समाजिक तौर पर इसे कई बार एक्सप्रेस कर चुके हैं। अब शाहरुख खान के फोन का वॉलपेपर वायरल हो रहा है। इस वॉलपेपर को देख शाहरुख खान के फैंस उनपर एक बार और फिदा हो गए हैं। शाहरुख के वॉलपेपर पर सुहाना या गौरी की तस्वीर नहीं है बल्कि इस खास शख्स की तस्वीर है। एक यूजर ने शाहरुख की वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा- सभी डिटेक्टिव्स, उनके फोन पर क्या है? यह मानते हुए कि ये उनका फोन है। इस यूजर के सवाल पर ही एक यूजर ने शाहरुख की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि उनके बेटे अबराम खान की तस्वीर है वॉलपेपर पर।

सर्जरी बिगड़ते ही हाथ से चली गई थीं फिल्में

मुंबई। आज प्रियंका चोपड़ा इंटरनेशनल स्टार हैं। सुपरहिट बॉलीवुड फिल्मों के बाद वह हॉलीवुड में अपनी अदाकारी दिखा रही हैं। मगर शायद ही आपको पता हो कि एक्ट्रेस की जिंदगी में एक ऐसा पल भी आया था, जब वह फिल्मों को अलविदा कहना चाहती थीं और मुंबई से वापस बरेली जाने वाली थीं। जी हां, करियर के शुरुआती समय में प्रियंका चोपड़ा ने बहुत उतार-चढ़ाव देखें। करियर के शुरुआती दौर में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि एक्ट्रेस ने जूलिया रॉबर्ट्स जैसी दिखने के लिए नाक की सर्जरी कराई है। सालों बाद वनवास के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने प्रियंका चोपड़ा के नाक की सर्जरी वाली खबर पर असहमति जाहिर की है और बताया है कि यह सिर्फ एक मेडिकल ऑपरेशन था, जो खराब हो गया। अनिल शर्मा ने यह भी खुलासा किया है कि प्रियंका चोपड़ा के करियर पर इसका कितना बुरा असर पड़ा और वह फिल्में भी छोड़ने वाली थीं। प्रियंका चोपड़ा के करियर के शुरुआती दौर में उनके माता-पिता ही उनके घर का रेंट दिया करते थे। एक्ट्रेस को जब फिल्मों से निकला जाने लगा तो वह बरेली वापस जाने वाली थीं।

टीवी सेलिब्रिटी दिखाएंगे मास्टर शेफ में कुकिंग का हुनर...

मुंबई। मास्टर शेफ को पसंद करने वालों की संख्या काफी है। इस शो के जरिए आम लोगों को भी अपने खाना बनाने के हुनर के कारण सेलिब्रिटी शेफ बनने का मौका मिला है। देश में आज कई ऐसे बड़े शेफ हैं, जो 'मास्टर शेफ' में बतौर प्रतियोगी आए और बाद में सेलिब्रिटी शेफ बन गए। अब इस शो में टीवी के नामी सेलिब्रिटीज नजर आएंगे और अपनी कुकिंग का हुनर दर्शकों को दिखाएंगे। 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' जल्द ही शुरू होने वाला है। कुछ देर पहले ही सोनीटीवी ऑफिशियल के इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो शेयर किया गया है। यह वीडियो 'सेलिब्रिटी मास्टर शेफ' का नया प्रोमो है। इसमें शेफ रणवीर बरार, एक मुश्किल कुकिंग टास्क प्रतियोगियों को देते हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही निर्देशक, कोरियोग्राफर फराह खान भी नजर आती हैं।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

संदर्भः एसईसीएल/भट./उ.क्षे.प्र./जगन्नाथपुर/24/2081, दिनांक 09/12/2024

तृतीय सूचना

विषयः- वर्ष 2009-10 के राजस्व भू-अभिलेख के अनुसार भूमि स्वामी लखन मिंज (फौत) के कानूनन वारिस श्री महेन्द्र मिंज एवं अन्य को एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर स्थित मकान एवं अन्य परिसम्पत्तियों का गणना एवं मापन उपरांत खाली कर भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल, भटगांव क्षेत्र को सौपने तथा उक्त संबंध में आवश्यक कार्यवाही नहीं करने पर सी.बी.ए. एक्ट अधिनियम 1957 की धारा-12 के तहत कानूनी कार्यवाही की जाने के संबंध में सूचना।

एसईसीएल के भटगांव क्षेत्र की जगन्नाथपुर खुली खदान हेतु ग्राम जगन्नाथपुर, पम्पापुर जिला–सूरजपुर तथा ग्राम चउरा, परसवारकला, जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.) की कुल 662.151 हे. भूमि का अधिग्रहण सीबीए (ए एंड डी) अधिनियम 1957 की अधिसूचना 9(1) एस.ओ. 1935 दिनांक 04.08.2010 का प्रकाशन भारत के राजपत्र में दिनांक 07.08.2010 का किया गया है।

1. जिसके तहत् ग्राम जगन्नाथपुर की कुल 323.09 हे. भूमि का अधिग्रहण किया गया है। जिसमें से 235.09 हे. भूमि निजी स्वामित्व की भूमि है।

2. ग्राम जगन्नाथपुर की अधिहित निजी भूमि के मुआवजा राशि निर्धारण हेतु आवश्यक राजस्व अभिलेख प्रपत्र–5 व प्रपत्र–6 का ग्राम के पटवारी, राजस्व निरीक्षक एवं तहसीलदार प्रतापपुर द्वारा सत्यापित प्रति उपलब्ध करायी गई जिसके अनुसार ग्राम जगन्नाथपुर स्थित लखन पुत्र जोगी मिंज के निजी भूमि पर बने मकान और अन्य परिसम्पत्तियां तथा भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

3. भूमि स्वामी **लखन मिंज (मृत)** हो चुके हैं अतः उनके वर्तमान कानून भूमि स्वामी की मुआवजा राशि रुपये 7156016.00 (इकहत्तर लाख छप्पन हजार सोलह रुपये मात्र) और उनके परिवार के अन्य सदस्यों की शामिलात खाता की ग्राम जगन्नाथपुर और ग्राम चउरा की भूमि का कुल मुआवजा राशि रुपये 3530534.80 (पैंतीस लाख तीस हजार पांच सौ चौंतीस रुपये अस्सी पैसे मात्र) निर्धारित किया गया है।

4. मुआवजा राशी प्राप्त करने हेतु अनेको बार लिखित एवं मौखिक रुप से सूचित किया जा चुका है। उक्त संबंध में कार्यालयीन अभिलेख के अनुसार विभिन्न पत्राचार किये गये हैं:–

1. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/2017/896 दिनांक 14.11.2017
2. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/991 दिनांक 24.09.2018
3. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/2018/840 दिनांक 01.08.2018

साथ ही ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर के माध्यम से भी भूमि मुआवजा राशि प्राप्त करने हेतु सूचित किया गया था। परंतु मुआवजा प्राप्त करने के लिए भू–स्वामी **लखन मिंज (मृत)** के विधिक वारिसो के द्वारा आवेदन प्रस्तुत नही किया गया। अतः माननीय कलेक्टर सूरजपुर से सहमति के उपरांत भूमि मुआवजा पार्ट टाइम ट्रिबुनल न्यायालय बिलासपुर में वर्ष 2018 में जमा कर दिया गया है।

5. ग्राम जगन्नाथपुर की अधिग्रहित भूमि पर स्थित मकान और अन्य परिसम्पत्तियां का मुआवजा भी मकान के मापन उपरांत वर्ष 2018 में निर्धारित किया जा चूका है। परंतु भूमि स्वामी **लखन मिंज (मृत)** और उनके कानून वारिस के द्वारा अभी तक मकान मापन नहीं करवाया गया है। उपरोक्त के सन्दर्भ में अनेको बार लिखित एवं मौखिक रुप से सूचित किया जा चूका है।

उक्त संबंध में कार्यालयीन अभिलेख के अनुसार विभिन्न पत्राचार किये गये हैं–

1. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/1254 दिनांक 12.10.2022
2. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/2087 दिनांक 31.01.2024
3. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/राजस्व/2024/369 दिनांक 11.04.2024
4. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/राजस्व/2024/276 दिनांक 01.06.2024

जिनका स्थानीय पेपर में भी दिनांक 21.04.2024 एवं 01.06.2024 को नवभारत, रायपुर एवं नवभारत, बिलासपुर एवं अम्बिकावानी, अम्बिकापुर में प्रकाशन करवाया गया है। परंतु आज तक **श्री लखन मिंज (मृत)** और उनके कानूनन वारिस के द्वारा कोई अपील नहीं की गई यह भी ज्ञात हो कि श्री लखन मिंज (मृत) और उनके कानूनन वारिस को सूचना क्र. 730(B) दिनांक 01.08.2024 एवं द्वितीय सूचना क्रमांक 1609 दिनांक 16.10.2024 के माध्यम से अधिग्रहित क्षेत्र में अपने स्वामित्व के मकान एवं अन्य परिसम्पत्तियां का मापन एवं गणना उपरांत खाली कर भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल भटगांव को सौपने हेतु सूचित किया गया है। जिसका स्थानीय समाचार पत्रों के विभिन्न संस्करणों में प्रथम सूचना रिहन्द टाइम अम्बिकापुर, नवप्रदेश बिलासपुर, नवप्रदेश रायपुर में दिनांक 30.08.2024 एवं द्वितीय सूचना दैनिक भास्कर बिलासपुर एवं नवप्रदेश बिलासपुर में दिनांक 10.11.2024 को प्रकाशित किया गया है।

6. कोल बियरिंग एरिया (ए एंड डी) एक्ट 1957 की धारा–12 के अंतर्गत :–

"The Competent authority may by notice in writing require any person in possession of any land acquired this Act to surrender of deliver possession of the land within such period as may be specified in the notice and if a person refuse or fails to comply with any such notice the competent authority may enter upon and take possession of the land and for that purpose may use or cause to be used such force as may be necessary"

केंद्र सरकार से अधोहस्ताक्षरकर्ता अधिग्रहित होकर सीबीए एक्ट की धारा–12 के अनुसर **श्री लखन मिंज** और उनके परिवार को पुनः आदेश दिया जाता है कि 15 दिवस के अंदर आपके स्वामित्व की भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल, भटगांव को सौप दे, अन्यथा कोल बियरिंग एरिया (ए एंड डी) अधिनियम 1957 की धारा–12 के तहत तथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी (तृतीय सूचना)।

SECL:24-25:280 **उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र**

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

संदर्भः एसईसीएल/भट./उ.क्षे.प्र./जगन्नाथपुर/24/2080, दिनांक 09/12/2024

तृतीय सूचना

विषयः- वर्ष 2009-10 के राजस्व भू-अभिलेख के अनुसार भूमि स्वामी मखन मिंज (फौत) के कानूनन वारिस श्री संतोष मिंज एवं अन्य को एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर स्थित मकान एवं अन्य परिसम्पत्तियों का गणना एवं मापन उपरांत खाली कर भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल, भटगांव क्षेत्र को सौपने तथा उक्त संबंध में आवश्यक कार्यवाही नहीं करने पर सी.बी.ए. एक्ट अधिनियम 1957 की धारा-12 के तहत कानूनी कार्यवाही की जाने के संबंध में सूचना।

एसईसीएल के भटगांव क्षेत्र की जगन्नाथपुर खुली खदान हेतु ग्राम जगन्नाथपुर, पम्पापुर जिला–सूरजपुर तथा ग्राम चउरा, परसवारकला, जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज (छ.ग.) की कुल 662.151 हे. भूमि का अधिग्रहण सीबीए (ए एंड डी) अधिनियम 1957 की अधिसूचना 9(1) एस.ओ. 1935 दिनांक 04.08.2010 का प्रकाशन भारत के राजपत्र में दिनांक 07.08.2010 का किया गया है।

1. जिसके तहत् ग्राम जगन्नाथपुर की कुल 323.09 हे. भूमि का अधिग्रहण किया गया है। जिसमें से 235.09 हे. भूमि निजी स्वामित्व की भूमि है।

2. ग्राम जगन्नाथपुर की अधिहित निजी भूमि के मुआवजा राशि निर्धारण हेतु आवश्यक राजस्व अभिलेख प्रपत्र–5 व प्रपत्र–6 का ग्राम के पटवारी, राजस्व निरीक्षक एवं तहसीलदार प्रतापपुर द्वारा सत्यापित प्रति उपलब्ध करायी गई जिसके अनुसार ग्राम जगन्नाथपुर स्थित मखन पुत्र जोगी मिंज के निजी भूमि पर बने मकान और अन्य परिसम्पत्तियां तथा भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

3. भूमि स्वामी **मखन मिंज (मृत)** हो चुके हैं अतः उनके वर्तमान कानून भूमि स्वामी की मुआवजा राशि रुपये 8411284.80 (चौरासी लाख ग्यारह हजार दो सौ चौरासी रुपये अस्सी पैसे मात्र) और उनके परिवार के अन्य सदस्यों की शामिलात खाता की ग्राम जगन्नाथपुर और ग्राम चउरा की भूमि का कुल मुआवजा राशि रुपये 3530534.80 (पैंतीस लाख तीस हजार पांच सौ चौंतीस रुपये अस्सी पैसे मात्र) निर्धारित किया गया है।

4. मुआवजा राशी प्राप्त करने हेतु अनेको बार लिखित एवं मौखिक रुप से सुचित किया जा चूका है। उक्त संबंध में कार्यालयीन अभिलेख के अनुसार विभिन्न पत्राचार किये गये हैं–

1. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/2017/897 दिनांक 14.11.2017.
2. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/991 दिनांक 24.09.2018.
3. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/2018/840 दिनांक 01.08.2018.

साथ ही ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर के माध्यम से भी भूमि मुआवजा राशि प्राप्त करने हेतु सुचित किया गया था। परंतु मुआवजा प्राप्त करने के लिए भू–स्वामी **मखन मिंज (मृत)** के विधिक वारिसो के द्वारा आवेदन प्रस्तुत नही किया गया। अतः माननीय कलेक्टर सूरजपुर से सहमति के उपरांत भूमि मुआवजा पार्ट टाइम ट्रिबुनल न्यायालय बिलासपुर में वर्ष 2018 में जमा कर दिया गया है।

5. ग्राम जगन्नाथपुर की अधिग्रहित भूमि पर स्थित मकान और अन्य परिसम्पत्तियां का मुआवजा भी मकान के मापन उपरांत वर्ष 2018 में निर्धारित किया जा चूका है। परंतु भूमि स्वामी **मखन मिंज (मृत)** और उनके कानून वारिस के द्वारा अभी तक मकान मापन नहीं करवाया गया है। उपरोक्त के सन्दर्भ में अनेको बार लिखित एवं मौखिक रुप से सूचित किया जा चुका है।

उक्त संबंध में कार्यालयीन अभिलेख के अनुसार विभिन्न पत्राचार किये गये हैं–

1. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/1251 दिनांक 12.10.2022
2. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/671 दिनांक 10.07.2023
3. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/1467 दिनांक 27.12.2023
4. एसईसीएल/भट/जगन्नाथपुर/2092 दिनांक 01.02.2024
5. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/राजस्व/2024/370 दिनांक 11.04.2024
6. एसईसीएल/भट./जगन्नाथपुर/राजस्व/2024/276 दिनांक 01.06.2024

जिनका स्थानीय पेपर में भी दिनांक 21.04.2024 एवं 01.06.2024 को नवभारत, रायपुर एवं नवभारत, बिलासपुर एवं अम्बिकावानी, अम्बिकापुर में प्रकाशन करवाया गया है। परंतु आज तक **श्री मखन मिंज (मृत)** और उनके कानूनन वारिस के द्वारा कोई अपील नहीं की गई यह भी ज्ञात हो कि श्री मखन मिंज (मृत) और उनके कानूनन वारिस को सुचना क्र. 730(A) दिनांक 01.08.2024 एवं द्वितीय सूचना क्रमांक 1554 दिनांक 10.10.2024 के माध्यम से अधिग्रहित क्षेत्र में अपने स्वामित्व के मकान एवं अन्य परिसम्पत्तियां का मापन एवं गणना उपरान्त खाली कर भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल भटगांव को सौपने हेतु सूचित किया गया है जिसका स्थानीय समाचार पत्रों के विभिन्न संस्करणों में प्रथम सूचना रिहन्द टाइम अम्बिकापुर, नवप्रदेश बिलासपुर, नवप्रदेश रायपुर में दिनांक 30.08.2024 एवं द्वितीय सूचना दैनिक भास्कर बिलासपुर एवं नवप्रदेश बिलासपुर में दिनांक 10.11.2024 को प्रकाशित किया गया है।

6. कोल बियरिंग एरिया (ए एंड डी) एक्ट 1957 की धारा–12 के अंतर्गत :–

"The Competent authority may by notice in writing require any person in possession of any land acquired this Act to surrender of deliver possession of the land within such period as may be specified in the notice and if a person refuse or fails to comply with any such notice the competent authority may enter upon and take possession of the land and for that purpose may use or cause to be used such force as may be necessary"

केंद्र सरकार से अधोहस्ताक्षरकर्ता अधिग्रहित होकर सीबीए एक्ट की धारा–12 के अनुसार श्री मखन मिंज और उनके परिवार को पुनः आदेश दिया जाता है कि 15 दिवस के अंदर आपके स्वामित्व की भूमि का भौतिक अधिपत्य एसईसीएल, भटगांव को सौप दे, अन्यथा कोल बियरिंग एरिया (ए एंड डी) अधिनियम 1957 की धारा 12 के तहत यथा कानूनी कार्यवाही की जाएगी (तृतीय सूचना)।

SECL:24-25:279 **उपक्षेत्रीय प्रबंधक, जगन्नाथपुर उपक्षेत्र**

तरकश
संजय के. दीक्षित

कैडर पर कंट्रोल

छत्तीसगढ़ की डिरेल्ड हो चुकी ब्यूरोक्रेसी को ट्रेक पर लाने के लिए सुबोध सिंह को दिल्ली से बुलाया गया है। कुछ दिनों में अमित अग्रवाल भी आ जाएंगे। मगर इससे बड़ा प्रश्न है कि रुलिंग पार्टी के बेलगाम हो चुके कैडर को कौन संभालेगा? कांग्रेस युग में पांच साल तक दुबके बीजेपी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने सरकार बनते ही धूम मचा दिया है। बड़े नेता से लेकर छोटे कार्यकर्ता तक...हर आदमी जल्दी में है। उनसे यह भी धीरज नहीं रखा जा रहा कि सरकार पांच साल के लिए बनी है। हर दूसरे कार्यकर्ता को ठेका या सप्लाई का काम चाहिए। हर तीसरा आदमी ट्रांसफर-पोस्टिंग का दावा करता फिर रहा है। एक ठीकठाक विभाग के मंत्री ने स्तंभकार से अपनी पीड़ा शेयर की...क्या बताएं भाई साब, जिस कार्यकर्ता की हैसियत दो लाख की नहीं, वो 100-100 करोड़ के ठेकेदार या सप्लायर को लेकर आ जा रहा। सबको एक ही बात...भाई साब! देख लीजिए...इसमें मुझे भी कुछ मिल जाएगा। 94 बैच के एक एडिशनल पीसीसीएफ दुखड़ा रो रहे थे...क्या बताएं...साल गुजरने वाला है, पीसीसीएफ का प्रमोशन नहीं हो पाया। हमने कहा...किसी से बात कीजिए। उन्होंने जो कहा...यह हिलाने वाला था। बोले, कहां जाए, जिस नेता के पास जाओ, वह मुंह बाये बैठा है। अब भला बताइये...प्रमोशन के लिए कहीं पैसा देना पड़ता है। मगर स्थिति यह है कि जिस नेता के पास जाइये, पीए सबसे पहले यही पूछेगा, कितना दोगे...या इतना लगेगा। प्रदेश प्रभारी नीतीन नबीन को इसे देखना चाहिए। उन्होंने सरकार बनाने के लिए बड़ा परिश्रम किया है। जितना लोकल नेताओं ने दौरे नहीं किए, नीतीन उससे अधिक गांव-कस्बों को छान मारा। बीजेपी ने इसका उन्हें प्रमोशन कर ईनाम भी दिया। मगर उन्हें समझाने का प्रयास करना चाहिए कि आखिर किस वजह से सिस्टम नगरीय और पंचायत चुनाव कराने से आगे-पीछे हो रहा है। विष्णुदेव का सुशासन स्थापित करने के लिए अजय जामवाल और पवनसाय को डंडे चलाने पड़ेंगे। क्योंकि, सरकार जो अच्छे काम कर रही, वह नेताओं की करनियों से ढक जा रहा है।

धन्यवाद पर सवाल

रमन सरकार में एक दशक तक मंत्री रहने वाले अजय चंद्राकर इस बार विष्णु कैबिनेट में शामिल होने से जरूर चूक गए मगर सब्जेक्ट की स्टडी और धारदार सवालों की वजह से विधानसभा में अपनी मौजूदगी का अहसास कराते रहते हैं। आलम यह है कि रुलिंग पार्टी के मंत्री विपक्ष से अधिक चंद्राकर से घबराते हैं। प्रश्नकाल में अगर चंद्राकर का सवाल लगा है तो जाहिर है, मंत्री घिरेंगे ही। शीतकालीन सत्र में उनकी गुगली में दोनों डिप्टी सीएम बुरी तरह से परेशान दिखे। विजय शर्मा के साथ तो एक बार उनका हॉट टॉक भी हो गया। चंद्राकर ने साफ कह दिया, भ्रष्टाचारियों को बचाया जा रहा है। हालांकि, हंगामा मचने पर विजय शर्मा ने चार इंजीनियरों को सस्पेंड करने के साथ ही जांच का ऐलान कर दिया। मगर दोनों की तेज आवाज पर स्पीकर डॉ. रमन सिंह को टोकना पड़ गया...आप दोनों अपनी आवाज डाउन रखें। विजय शर्मा ने आखिर में जांच का ऐलान किया तो अजय चंद्राकर ने इतना जोर से धन्यवाद बोला कि रमन सिंह को हंसी आ गई। बोले...धन्यवाद को इतना जोर से बोलने की क्या जरूरत है भाई। इस पर सदन में जमकर ठहाका लगा।

किस्मत के धनी DGP जुनेजा

डीजीपी अशोक जुनेजा के दूसरे एक्सटेंशन की चर्चाएं बड़ी तेज हैं। कहा जा रहा कि अमित शाह की प्रतिष्ठा की लड़ाई की निर्णायक घड़ी आ गई है। नक्सलियों की खात्मा के लिए उन्होंने मार्च 2026 का डेट दिया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ के डीजीपी को वे कैसे रिटायर होने देंगे, जहां अगला छह महीने काफी हैक्टिक रहने वाला है। जाहिर है, निर्णायक ऑपरेशन बस्तर में ही होना है। अलबत्ता, जिन्हें अमित शाह वाले तर्क पर एतबार नहीं, उन्हें जुनेजा की किस्मत पर जरूर भरोसा है। अशोक जुनेजा छत्तीसगढ़ के पहले ऐसे आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने 35 साल के कैरियर में लूप लाईन तो दूर की बात, कभी पुअर पोस्टिंग नहीं देखी। वे रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग जैसे जिले के एसपी रहे तो रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग के आईजी। वे ट्रांसपोर्ट कमिश्नर रहे तो सिक्योरिटी होम भी। कुछ दिन डायरेक्टर स्पोर्ट्स का दायित्व भी संभाला। डेपुटेशन पर सेंट्रल नारकोटिक्स में दिल्ली गए तो वहां से तुरंत जंप लेकर कॉमनवेल्थ गेम्स के सिक्यूरिटी इंचार्ज बन गए। दिल्ली से लौटने पर रमन सिंह ने उन्हें इंटेलिजेंस चीफ बनाया। 2018 में सरकार बदली तो डीजीपी से लेकर पूरा अमला बदल गया मगर जुनेजा की हैसियत पर कोई आंच नहीं आई। पहले वे नक्सल चीफ बने, फिर बाद में उन्होंने डीएम अवस्थी को रिप्लेस कर डीजीपी की कुर्सी संभाली। विधानसभा चुनाव-2023 के दौरान अशोक जुनेजा के खिलाफ बीजेपी नेताओं ने शिकायतों की अंबार लगा दी थी। उसे देख प्रतीत हो रहा था कि सरकार का पहला आदेश जुनेजा का ही निकलेगा। मगर कुंडली में बुध और गुरू का कमाल देखिए...साल भर में ही वे इतने स्ट्रांग हो गए हैं कि आज की तारीख में किसी बीजेपी नेता की हिम्मत नहीं कि जुनेजा का ज बोल दे। जुनेजा को किंचित झटका लगा था 2003 में, जब एसआरपी कल्लूरी कोरबा से आकर बिलासपुर में उन्हें रिप्लेस किया। तब बिलासपुर कलेक्टर अजय सिंह मंडल के साथ उनकी जबर्दस्त ट्यूनिंग थी। जय-बीरू की जोड़ी टूटने पर जुनेजा आहत हुए थे। मगर उस समय भी अजीत जोगी ने उन्हें बिलासपुर से हटाकर दुर्ग जैसे जिले का एसपी बनाया था। याने कमजोर पोस्टिंग उस समय भी नहीं मिली। जूनेजा को करीब से जानने वाले को दूसरे एक्सटेंशन पर कोई ताज्जुब नहीं हो रहा है। फिर लास्ट में लाख टके की बात...युद्ध के बीच में कमांडर थोड़े बदला जाता है।

तीन बच्चे और बीजेपी

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया है...जनसंख्या दर की गिरावट पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा है कि समाज को विलुप्त होने से बचाने के लिए कम-से-कम तीन बच्चे पैदा करें। अब ये प्रश्न बाद में कि सरकारों द्वारा परिवार नियोजन के जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, उसका क्या होगा? नौकरी, प्रमोशन में दो बच्चों वालों को जो छूट मिलती है, उसका क्या? पहले तो इस पर चर्चा कि बीजेपी की सबसे बड़ी वैचारिक संस्था के सबसे बड़े व्यक्ति द्वारा कही गई बातों को बीजेपी नेता किस तरह ले रहे हैं। बता दें, भागवत जी के बयान के बाद एक-दो बच्चे वाले बीजेपी नेता बेहद चिंतित हो गए हैं। दरअसल, छत्तीसगढ़ के अधिकांश नेताओं के दो या दो से कम बच्चे हैं। विष्णुदेव कैबिनेट भी इससे अलग नहीं है। बड़े नेताओं में पुन्नूलाल मोहले जरूर अपवाद होंगे, जो एकाध और किसी नेता के बच्चों को मिला लें, तो क्रिकेट टीम बन सकती है। बहरहाल, भागवत जी के विचार को एक तरह से बीजेपी के लिए आदेश ही समझा जाना चाहिए। अब देखना दिलचस्प होगा कि संगठन और सरकार में बैठे बड़े लोग क्या इस पर अमल करेंगे? जिनके सामने रास्ते खुले हैं, वे अपना नंबर बढ़ाने की कोशिश कर ही सकते हैं।

आईएएस की दूरदर्शिता

मोहन भागवत ने जो कहा है, उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि देश के 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनसंख्या दर गिरकर 1.5 से भी नीचे आ गया है। जानकारों का कहना है कि भारत में परिवार नियोजन का ऐसा आक्रमक कैंपेन चला कि दो के बाद कोई तीसरे की ओर कदम नहीं बढ़ा रहा। साउथ के राज्यों में स्थिति और खराब हो गई है। तमिलानडू और आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों ने लोकल चुनाव में दो बच्चों की छूट को समाप्त कर दिया है। केरल समेत साउथ के पांच राज्यों की चिंता यह है कि आबादी इसी तरह गिरी तो भारत सरकार से मिलने वाला राजस्व तो कम होगा ही, अगले परिसीमन में सांसदों की सीटें भी कम हो जाएंगी। इससे उन राज्यों का अभी देश की राजनीति में प्रभाव है, वह कम होगा। दरअसल, प्रजनन दर गिरने का असर अभी नहीं, 25-30 साल बाद पता चलेगा। जब 50 से अधिक उम्र वाले करीब 60 करोड़ नहीं रहेंगे। भारत को युवाओं का देश जरूर कहा जा रहा मगर इसमें विडंबना यह है कि इसमें 40 साल से उपर वालों को भी शामिल कर लिया जा रहा। पिछले एक दशक में स्थिति यह हो गई है कि दो से कम होकर अब एक के बाद फुलस्टॉप हो जा रहा है। इससे देश की जनसंख्या तेजी से गिरेगी। बहरहाल, छत्तीसगढ़ के एक प्रमुख सचिव स्तर के आईएएस अफसर को करीब दशक भर पहले बिलासपुर के प्रायवेट अस्पताल में तीसरा बच्चा हुआ था। मैंने उन्हें बधाई के लिए फोन लगाया। मुझे अच्छी तरह याद है...उन्होंने कहा था, एटलिस्ट तीन बच्चे तो होना ही चाहिए। मोहन भागवत का बयान सुनकर मुझे आईएएस की याद आ गई।

पिंगुआ की पीड़ा

एसीएस मनोज पिंगुआ के वर्क लोड के बारे में पहले भी इस स्तंभ में जिक्र किया जा चुका है। ताजा अपडेट यह है कि स्वास्थ्य मंत्री उन्हें छोड़ना नहीं चाहते और मनोज चाहते हैं कि किसी तरह वर्क लोड कुछ कम हो जाए। जब भी कोई अफसर डेपुटेशन से लौटता है, उनकी उम्मीदें जवां होती है कि अब कुछ वर्क लोड कम होगा। मगर ऐसा हो नहीं रहा। मनोज के पास इस समय गृह, जेल, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मिलाकर चार विभाग हैं। गृह में उन्हें तीन साल से ज्यादा हो गया है मगर वह इसलिए नहीं छूट रहा कि इसमें एसीएस लेवल का अफसर चाहिए। एसीएस अभी चार हैं। इनमें दो लेडी। गृह सचिव आमतौर पर लेडी को बनाया नहीं जाता। उपर से नक्सल स्टेट में तो बिल्कुल नहीं। एसीएस सुब्रत साहू का ग्रह-नक्षत्र इस समय ठीक नहीं, इसलिए उनकी चर्चा बेमानी है। बचे एकमात्र मनोज पिंगुआ। रही बात हेल्थ की तो अब देखना है कि मंत्री का आग्रह स्वीकार कर सीएम मनोज पिंगुआ को हेल्थ में कंटीन्यू करते हैं या फिर किसी दूसरे अफसर को हेल्थ सिकरेट्री का दायित्व सौंपते हैं। कह सकते हैं, पिंगुआ की पीड़ा कम होगी...इसमें अभी संशय है।

सचिव स्तर पर सर्जरी

आईएएस सुबोध सिंह को मुख्यमंत्री का प्रमुख सचिव बनाया गया है। शुक्रवार शाम आदेश निकलने के कुछ देर के भीतर सुबोध सीएम हाउस पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिए। उन्होंने सचिवालय के सभी सचिवों और ओएसडी की बैठक ली। अलबत्ता, पहले ये चर्चा थी कि सुबोध को पोस्टिंग के साथ ही कोई बड़ा विभाग दिया जाएगा। मगर संकेतों से लगता है कि अभी सिर्फ अमित कटारिया को पोस्टिंग मिलेगी। बाकी बाद में होंगे। इसका मकसद यह है कि सुबोध थोड़ा अफसरों के परफर्मेंस के बारे में समझ लें। फिर सर्जरी की जाएगी। तब तक वे मुख्यमंत्री सचिवालय में हेड की भूमिका में काम करते रहेंगे। वैसे भी सीएम का सिकरेट्री अपने आप में बड़ी पोस्टिंग मानी जाती है। सीएम सिकरेट्री सुनने के बाद कोई विभाग नहीं पूछता। दरअसल, सीएम सचिवालय प्रदेश का सबसे बड़ा पावर सेंटर होता है। सारे विभागों की अहम फाइले सीएम सचिवालय से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचती है। इससे बड़ा पावर और क्या चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. मंत्रिमंडल की होने वाली सर्जरी में किस ओबीसी मंत्री के उपर तलवार लटकी हुई है?
2. किरण सिंहदेव मंत्री बनेंगे, तो उनकी जगह पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व किस ओबीसी नेता को मिलेगा?

सुकमा में महिला समेत पांच इनामी नक्सली गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत शनिवार को सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। चिंतागुफा थाना क्षेत्र से सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने एक महिला समेत 5 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इन नक्सलियों पर 5 लाख का इनाम है। सभी नक्सल आरोपियों से पूछताछ में थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत 1 ग्रामीण की हत्या पुलिस मुखबिरी के शक में करने की घटना में संलिप्तता रहना पाया गया। आरोपियों को गिरफ्तार न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

पुलिस अफसरों ने बताया कि नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शनिवार चिंतागुफा थाना से डीआरजी, जिला बल एवं कैम्प दुलेड़ से 2री वाहिनी सीआरपीएफ व 203 कोबरा वाहिनी की संयुक्त पार्टी ग्राम दुलेड़ व आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान ग्राम दुलेड़ जंगल के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को अपने ओर आते हुए देख कर भागने लगे, जिन्हें पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया।

फ्लैट बेचना है किराये से देना है
शंकर नगर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-
मो. : 9977345867

दो नग हाथी दांत जब्त 5 तस्कर गिरफ्तार

मैनपुर। शिकारियों के खिलाफ चलाए गए अभियान में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। वन विभाग और ओडिशा फॉरेस्ट डिपार्मटमें ने ज्वाइंट ऑपरेशन में 5 तस्करों को दबोचा है। पकड़े गए तस्करों के पास से टीम ने 2 नग हाथी दांत बरामद किए हैं। पकड़े गए तस्करों से वन विभाग की टीम पूछताछ कर रही है। वहीं पिछले वर्ष रायगड़ा-कालाहांडी-करलापाट हाथी कॉरिडोर से एक दंतेल रेकी करने देवभोग छत्तीसगढ़ पंहुचा था। इस जॉइंट ऑपरेशन से दोनों राज्यों के हाथी कॉरिडोर को सैनीटाईज करने की पहल की गई है। दिनांक 13 दिसंबर को सूचना मिली कि भवानीपटना-कालाहांडी क्षेत्र में हाथी दांत की तस्करी होनी है। इसी दौरान पोटाश बम से घायल हाथी से सम्बंधित प्रकरण क्रमांक 79/19 में पकडे गए आरोपियों से ओडिशा के किसी व्यापारी से पोटाश बम उपलब्ध होने की सूचना भी मिली थी जिसकी पतामाजी की जानी थी। मुनीगुड़ा से भवानीपटना मार्ग के बीच मुरसीखमारो गांव के पास हाथी दांत तस्करी करते हुए 5 आरोपियों को पकड़ा गया है।

करंट बिछाकर नील गाय का शिकार, तीन आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। वन विभाग की टीम ने वन परिक्षेत्र सहसपुर लोहारा अंतर्गत वन्यप्राणी नीलगाय का अवैध शिकार करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विभाग ने गिरफ्त में आए आरोपियों के पास से वन्यप्राणी नीलगाय का मांस, खाल तथा शिकार में सामग्री तथा नीलगाय को काटने में प्रयुक्त औजार भी जप्त किए हैं। सभी आरोपियों के विरूद्ध वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वन परिक्षेत्र सहसपुर लोहारा को मुखबिर के जरिए इस बात की सूचना मिली थी कि ग्राम मोहनपुर निवासी प्रताप पिता मेहतर नेताम द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ करंट प्रवाहित जाल लगाकर एक वन्यप्राणी नीलगाय का अवैध शिकार किया है। वन विभाग के मुताबिक इस कार्यवाही के दौरान जांच टीम ने आरोपी प्रताप के घर से वन्यप्राणी नील गाय का मांस, जबड़े के टुकड़े, मांस को काटने-फाड़ने और छोटे-छोटे टुकड़े करने के लिए प्रयुक्त औजार पेंसूल बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान प्रताप के द्वारा बताया कि उसने अपने साथी मुंशी पिता जनार्दन यादव, अनिल पिता गोकर्ण नेताम तथा एक अन्य विश्वनाथ पिता महावीर के साथ नील गाय का शिकार किया था और उसके मांस को आपस में बांट लिया।

ट्रक की ठोकर से मजदूर पर पलटी रेत से भरी ट्राली, मौत

धमतरी। अछोटा पुल के ऊपर खड़ी रेत से भरी ट्राली को तेज रफ्तार ट्रक ने ठोकर मार दी। इस हादसे में ट्राली मजदूर के ऊपर पलट गई। दबने से मजदूर की मौत हो गई।

अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम बंजारी निवासी चंद्रकांत यादव पिता बलराम उम्र 24 वर्ष ट्रेक्टर में मजदूरी करता था। शुक्रवार को चंद्रकांत अपने साथी मजदूर शिव मंडावी ग्राम बंजारी निवासी व गणेश के साथ अछोटा महानदी से रेत भरकर खाली करने धमतरी आ रहे थे। अछोटा पुल से गुजरते समय अचानक ट्राली की बेयरिंग खराब हो गई। इंजन सहित ट्राली को अछोटा पुल के ऊपर खड़ी कर मजदूर बेयरिंग की मरम्मत कर रहे थे। रात्रि लगभग 9 बजे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने खराब खड़ी रेत से भरी ट्राली को जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की ठोकर से ट्राली रेत सहित पुल में पलट गई। इसकी चपेट में मजदूर चंद्रकांत आ गया। ट्राली के नीचे दबने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। साथी मजदूरों ने युवक को ट्राली के नीचे से बाहर निकाल एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया। डाक्टर ने चेकअप के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता : - 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888. (RO-2459)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं- स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल: - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

गृह कार्य

आवश्यकता है- गृह कार्य हेतु 24 घंटे की बाई। रहना एवं ख़ाना दिया जाएगा। अनुभव कम से कम २ साल होना चाहिए। स्थान: कचना, रायपुर संपर्क करें: 9437577871. (RO-2460)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर- 2, ऑटोमेटिक लग्जरी कारों हेतु सिनियर जो घर आफिस कार्य भी कर सके मेहनती हो साथ ही परिवार के लिए घरेलू खाना बनाने या घर कार्य भी आदतन शराबी न हो वेतन 15000 +चौकीदार, प्यून, गार्ड सिनियर अनुभवी मेहनती हो रूम उपलब्ध है वेतन 9/10/12+ मिलें- हीरापुर, रायपुर 6266919193, /95.(RO-3171)

टीचर

आवश्यकता है- अवंति विहार रायपुर मे इंग्लिश मीडियम मिडिल स्कूल मे ग्रेजुएट शिक्षक/ शिक्षिका की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा WhatsApp करे:- 9425202323. (RO-3175)

हरिभूमि छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- HIS service हेतु, रायपुर, धमतरी, जगदलपुर एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ केलिए सिक्योरिटी गार्ड -37 सिक्योरिटी सुपरवाइजर -10, एरिया आफिसर -6 गनमेंन - 7, हॉउसकिपिंग बाई वेतनमान - 11000 से 19000 आधार कार्ड, मार्कसीट की छायाप्रति लेकर सम्पर्क करें- स्थान - कृष्णा प्लाजा, सुन्दरनगर रायपुर Mob - 8085435101, 7509025000. (RO-6448)

आवश्यकता

आवश्यकता है- उरला कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा 94242-25533. (RO-440)

सफाई कार्य

आवश्यकता है- साफ-सफाई व ऑफिस कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन के साथ। संपर्क करें:- आकाश गंगा सुपेला, भिलाई। मो.- 98278-06026, 70001-38049.(आरो न.-7153)

सेल्समैन

आवश्यकता है- इटली रवा के विक्रय हेतु अनुभवी सेल्स गर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। जो रायपुर शहर में जाकर माल विक्रय कर सके। संपर्क करे- मो. न. 9300905560. (RO-509)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ- बी.एस.सी. नर्सिंग व जी.एन.एम. ओडी (OT) टेक्नीशियन, डायलिसिस टेक्निशियन, वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल की आवश्यकता है। वेतन योग्यताअनुसार। संपर्क करें। श्री कृष्णा हॉस्पिटल मेन रोड न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ. - 9691631006, 9617952445, 9926115911.(RO-6449)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

ड्रायवर/हेल्पर/गार्ड

आवश्यकता है- ड्राइवर + हेल्पर + पैकिंग लड़के, सेल्समैन, सेल्सगर्ल, कंप्यूटर ऑपरेटर, एकाउंटेंट एवं सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार मो.- 74897-70673, 98261-83500.(RO-522)

सेल्स मैनेजर/मैकेनिक

आवश्यकता है- सीनियर सेल्स मैनेजर- 4 (ऑटोमोबाइल अनुभवी) सेल्स एक्जीक्यूटिव- 6, डिजिटल मार्केटिंग- 2, ग्राफिक डिजाइनर- 2, टेलीकालर एक्सपर्ट- 4, EV मैकेनिक, इंजीनियर- 6, ITI पास (वेल्डर, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल) एक्सपर्ट- 6, चौकीदार /प्यून /गार्ड /हेल्पर /लेबर- 4, बायोडाटा भेजे संपर्क:- रिलेक्टो EV, सोनडोंगरी, रिंगरोड- 2, हीरापुर- आयशर शोरूम के आगे, रायपुर w/a 6266919195 /200.(RO-3170)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर वीआईपी रोड राम मंदिर के पास बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे वाली लड़की की जरूरत है, रहना खाना दिया जायेगा, उचित तनख्वाह मिलेगा. संपर्क:- 7000989337, 8839751934. (RO-3174)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम दुकान में काम करने हेतु अनुभवी/ बिना अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है, संपर्क करें:- दीपक साउंड सर्विस, फूल चौक, जोरापारा, काली माता मंदिर के पास 98271-14645, 9131139179. (RO-3173)

आवश्यकता है- अनाज दुकान में चार शिक्षित मेहनती युवक/युवतियों की आवश्यकता है। वेतन-8000-10000,शीघ्र संपर्क करें - डी.के.ट्रेडर्स लिंक रोड केम्प-2 पावर हाऊस भिलाई छत्तीसगढ़ मो.- 7000087765. (आरो न.-642)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- पाइप एवं नल फिटिंग दुकान में काम करने हेतु आवश्यकता है वेतन 8000 से 10,000 योग्यता अनुसार मनीष ट्रेडिंग कंपनी भैंसथान पंजाब आईल मिल गली मोबाइल नंबर- 9301001974.(RO-1023)

बैक ऑफिस/मार्केटिंग

आवश्यकता है- पारस इंस्टिट्यूट भाटागांव रायपुर में रिसेप्शन -2, बैंक आफिस एक्सिक्यूटिव-2, और मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव -2, टेली टीचर , डिजिटल मार्केटिंग और स्पोकेन इंग्लिश की जरूरत है।। इंटरव्यू टाइम 12.00pm दिनांक 22/12/2024 संपर्क - 6263903865, 7987018381. (RO-M)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- 1. रायपुर ऑफिस व कुम्हारी प्रेस में सिक्यूरीटी गार्ड की। भूतपूर्व सैनिक को प्राथमिकता। 2. रायपुर ऑफिस में किताबों के बंडल बांधने हेतु 12वीं पास मेहनती लड़कों की। संपर्क: 11.00- 1.00, युगबोध डिजिटल प्रिंट्स, 6, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) सम्पर्क: 0771-4200932. (RO-553)

आवश्यकता

आवश्यकता है- थोक वस्त्र व्यवसाय में कार्य करने हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टैक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658. (RO-1649)

ऑपरेटर/सेल्स कार्य

आवश्यकता है- एक लीडिंग ऑटोमोटिव डीलरशिप कंपनी गुरुकृपा मोटर्स को ग्राम -अंडा एवं पाटन (दुर्ग) में निम्नलिखित मेल पदों की आवश्यकता हैं ऑफिस कम कंप्यूटर ऑपरेटर (पद: 04), सेल्स एग्जीक्यूटिव लोकेशन - अंडा (पद: 05) Contact : 8871112525, 9109801154.(आरो.-SP/900)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सेल्समैन/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) मे काम करने के लिए लड़का/लड़की की आवश्यकता एंव अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता हैं एंव बिलिंग (TALLY)के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकत । मो.7067048454. (RO-D)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य हेतु स्मार्ट सेल्स गर्ल /ब्वाय, मार्केटिंग के लिए आवश्यकता है, वेतन 10000/- से 15000/- प्लस कमीशन ,संपर्क- जवाहर चौक दुर्ग Mo - 7089508250 मिलने का समय सुबह 10 से 12 (आरो -1857)

सेल्सगर्ल/सेल्समैन

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178. (RO-3157)

सर्वे कार्य

आवश्यकता है- सर्वे कार्य हेतु युवक-युवतियों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन एवं कमीशन। साक्षात्कार दिनांक: 22 दिसंबर 2024, समय 11-00 बजे से। स्थान: सुमन पब्लिक स्कूल गुण्डरदेही, जिला - बालोद मो.-9893466123.(आरो न.-643)

हेल्पर

आवश्यकता है- भिलाई क्षेत्र में हेल्पर वेतन 9000/- एवं हाऊस वायरिंग ट्रेंड इलेक्ट्रिशियन वेतन -15000/- की आवश्यकता है रहने की सुविधा। अनुभव को प्राथमिकता, जरूरतमंद ही संपर्क करें मो. 9329024361, 8319762996.(RO-Bhilai)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं,आकर्षक वेतन । संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट,पंडरी,रायपुर । (RO-399)

सर्विस

सर्विस -*New Year Offer* मुफ्त में घर का नक्शा बनवाएं तथा नगर निगम से पास करवाए। ऑफर सीमित समय के लिए। संपर्क: टू वैल्यू कंस्ट्रक्शन, रायपुर। Mo:8358884000.(RO-A)

अन्य

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लड़किया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ़्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 8918984004. (RO-3128)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 8240426971, 9040788128.(RO-817)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - पूर्व मुखी छोटा कमर्शियल प्लॉट 12600 वर्गफीट, 52×241 पुराना धमतरी हाइवे रोड कल्पवृक्ष के पास, जैन ब्रिक्स के सामने, छछानपैरी रायपुर। 2750/-3000/- सम्पर्क- 9752473779 (कृपया दलाल सम्पर्क ना करें) (RO-36308)

जमीन

बेचना है- जमीन 6.32 एकड़ फार्म हाउस (सिंचित) देवगहन अर्जुंदा डामर रोड पर पोल्ट्री फॉर्म, कृषि, राइस मिल हेतु, ग्राम देवगहन,तह-गुंडरदेही संपर्क - 9752408700.(आरो न.-645)

मकान

मकान बेचना है - ग्राम-तुलसी-2 (बाराडेरा) में 2917 वर्गफीट में पक्का मकान, बोरवेल, बाड़ी है। दोनो तरफ रास्ता सुविधा है। संपर्क करें- मो. 9406020233 (आरो-2456)

For Rent किराया

किराये से देना है- भाटागांव ढेबर सिटी, रोड पर 3000 स्क्वायर फीट का गोडाउन किराए पर देना है 3 फेस कनेक्शन एवं बोरिंग के साथ संपर्क सुबह 10:00 बजे से पहले शाम 6:00 के बाद 8818928932.(RO-2461)

किराये से देना है- RDA कॉलोनी (उमंग कॉलोनी) टिकरापारा रायपुर में 3BHK मकान किराए पर देना है। एक कमरा छात्राओं को देना है। छत्तीसगढ़िया ही संपर्क करें। मोबाइल 9340895480, 9009539935.(RO-2458)

Home Buildup भवन निर्माण

कन्ट्रक्शन- घर बनवाये मात्र 1160/- वर्गफिट की दर से, टाइल्स, पुट्टी, पेंटिंग, बिजली फिटिंग, नल सभी कार्यपूर्ण कार्यक्षेत्र - दुर्ग, भिलाई, पाटन, राजनांदगांव,धमधा, गुण्डरदेही आसपास क्षेत्र। संपर्क- K.D. Constructions, Durg Mob-9406203448.(आरो न.-646)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वैवाहिकी वधु चाहिए

वधु चाहिए- पंजाबी, 30 वर्षीय/ 5'-4" B.Sc. (Agri) Sale Officer धमतरी में कार्यरत पंजाबी परिवार के वर हेतु कन्या चाहिए सभी सिख/ पंजाबी परिवार सम्पर्क करें- 9109940287 (6443)

परिचय सम्मेलन

परिचय सम्मेलन- 13 वां अखिल भारतीय एजुकेटेड अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 11-12 जनवरी को निरंजन धर्मशाला रायपुर में आयोजित है । बायोडाटा भेजें www.cgyuvaagrawal.in,cgyuvaagrawal@gmail.com 9425213860 (3104)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि CLASSIFIED RATE CARD (15 जून 2024 से लागू)

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	450	550	500	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	400	500	480	150/- Sq cm
Bilaspur City	400	450	450	140/- Sq cm
Raipur All Edition	650	750	700	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	550	600	600	195/- Sq cm
All CG	900	1020	1000	310/- Sq cm
All CG + MP	1150	1500	1450	330/- Sq cm
All Edition	1550	1900	1800	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
Colour 20% Extra Charge For Disply
ADVT. Booking time 10.30 am to 3.00 pm.
5% GST for All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	2800	2+1
Bhilai + Durg Edition	2600	5+3
Raipur Edition	4000	10+10
Bilaspur City	2200	15+18
Bilaspur Edition	3500	
All CG	5000	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	50000	80000	100000
Bilai + Durg Edition	45000	75000	95000
Bilaspur City	35000	65000	80000
Raipur All Edition	65000	110000	140000
Bilaspur All Edition	50000	90000	110000
All CG	100000	160000	200000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikrapara, Raipur Ph: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

क्रिसमस स्पेशल
25 दिसंबर

सेलिब्रेशन
धीरज बसाक

ईसा मसीह ने सभी से प्रेम करने और करुणामय होने का संदेश दिया। ऐसे में उनके जन्मोत्सव क्रिसमस को मनाने की सार्थकता तभी है, जब हम दूसरों के दुख बांटकर उनको सुख का अहसास कराएं। क्रिसमस का यही मूल संदेश है, जो हमें जीवन के सार्थक उद्देश्य से जोड़ता है। आइए, हम सब भी प्रभु यीशु के संदेश को आत्मसात करते हुए क्रिसमस का पावन पर्व मनाएं।

क्रिसमस केवल पश्चिमी देशों या ईसाई धर्म के लोगों का नहीं, पूरी दुनिया में मनाया जाने वाला पर्व बन गया है। अपने देश के लगभग सभी राज्यों में भी इसे मनाया जाता है। इस दौरान धार्मिक आस्था के साथ प्रेम और उल्लास की बहुरंगी छटा देखी जा सकती है।

कवर स्टोरी
डॉ. यशोधरा भटनागर

क्रिसमस का मूल संदेश

सभी के प्रति हो करुणा का भाव

क्रिसमस केवल रोशनी करने, उपहार बांटने और उल्लास का पर्व नहीं है। यह पर्व उस मानवीय अनुभूति को जागृत करता है, जिसमें दूसरों के दुख में सहानुभूति प्रकट करने और मदद करने का आनंद छुपा होता है। ईसा मसीह का जन्म और उनके अवतारी जीवन की शिक्षाएं, हमें यह याद दिलाती हैं कि दुनिया में सबसे उदात्त भावना करुणा है।

दूसरों के दुख साझा करने का सुख

ईसा मसीह ने अपने जीवन से पूरी मानवता को यह सिखाया कि सच्चा सुख, दूसरों की सेवा और सहायता करने में है। यह त्योहार हमें उन मूल्यों का स्मरण कराता है, जो मानवता को पोषित करते हैं। प्रेम, सहानुभूति और एक-दूसरे के साथ सुख-दुख साझा करने का संदेश भी इस पर्व में निहित है। ईसा मसीह ने अपने जीवनकाल में हर उस व्यक्ति के दुख को समझा, जो उपेक्षित थे, हाशिए पर थे। चाहे वह कोई रोगी हो या कोई असहाय, ईसा मसीह ने हर किसी को अपनाया और उनके जीवन में आशा का प्रकाश फैलाया। क्रिसमस उसी भावना का उत्सव है, जिसमें हम ना केवल अपने सुख का आनंद लें, बल्कि दूसरों के कष्टों को बांटकर उनके जीवन को भी बेहतर बनाएं।

सर्दियों की ठंडी रातों में, जब लोग अपने घरों में आराम करते हैं, तो ऐसे कई लोग होते हैं, जो अकेलेपन, गरीबी और भूख से जूझ रहे होते हैं। क्रिसमस हमें याद दिलाता है कि हम अपने समय, संसाधनों और सहानुभूति को दूसरों के साथ साझा करें। दुख बांटने का यह सुख ना केवल उस व्यक्ति को राहत देता है, बल्कि हमारे हृदय को भी सच्ची खुशी से भर देता है।

दूसरों के चेहरे पर लाएं मुस्कान

सर्दियों की ठंडी रातें और क्रिसमस की घंटियों की मधुर ध्वनि हमें अपने भीतर झांकने को कहती हैं। यह समय है, जब हम अपने आस-पास के लोगों की जरूरतों को भी समझें। चाहे वह कोई अकेला वृद्ध हो, कोई असहाय परिवार या कोई बच्चा, जो खिलौने की प्रतीक्षा कर रहा हो। क्रिसमस हमें प्रेरित करता है कि

हम दूसरों का दुख बांटकर उनके चेहरे पर मुस्कान लाएं।

80 वर्षीय अभय जी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि अकेलापन और दुख कितना भारी हो सकता है! सात साल पहले उनकी पत्नी का निधन हो गया, लेकिन आज भी वह उसके जन्मदिन पर अकेले दीवारों से बात करते हैं। उनके दुख को साझा करने वाला कोई नहीं है। तभी क्रिसमस के अवसर पर कैरोल गाता आस-पड़ोस युवाओं का समूह उनके घर का दरवाजा खटखटाता है। उन सबके स्नेह और अपनेपन को देखकर अभय जी की आंखों में एक चमक और होंठों पर एक मुस्कान आ जाती है।

इसी प्रकार कितने ही लोगों के जीवन में हम खुशियां भर सकते हैं। हम अपने आस-पास के अकेले और दुखी लोगों की जरूरतों को समझें और उनके साथ अपना समय साझा करें।

खुशियां बांटने की प्रेरणा देते सांता क्लॉज

क्रिसमस का अनिवार्य हिस्सा सांता क्लॉज भी हैं। वह केवल बच्चों को उपहार देने वाले दयालु व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि मानवता के लिए करुणा और खुशियां बांटने के प्रतीक भी हैं। सांता क्लॉज का बच्चों को उपहार देना केवल उन्हीं को खुशी देने का जरिया नहीं है, बल्कि यह हमें सिखाता है कि हम भी किसी के जीवन में सांता बनें। किसी भूखे को भोजन देना, किसी निराश को सहारा देना और किसी अकेले को साथ देना। यही वो कार्य हैं, जो क्रिसमस की मूल भावना को पोषित करते हैं। जब हम किसी दूसरे के लिए सांता बनते हैं तो हम ना केवल उनकी जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि उनके जीवन में खुशी और उम्मीद की किरण जगाते हैं। क्रिसमस के अवसर पर, अनाथालयों में खिलौने और कपड़े दान करना, भूखों के लिए फूड ड्राइव आयोजित करना या किसी वृद्धाश्रम में कुछ समय बिताना, हमें दुख बांटने के सुख का अनुभव कराता है।

समाज में क्रिसमस का प्रभाव

क्रिसमस केवल व्यक्तिगत आनंद का त्योहार नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय विकास का माध्यम भी है। दूसरों के दुख बांटते हुए, हम एक ऐसे समाज का निर्माण करते हैं, जो सहानुभूतिपूर्ण और सहिष्णु हो। ऐसे समाज में रिश्ते गहरे होते हैं, जिससे सामूहिक विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

चार्ल्स डिकेंस की कृति, 'क्रिसमस कैरल' भी दुख बांटने के सुख की महत्ता को उजागर करती है। इस कहानी में एबेनेजर स्क्रूज का हृदय परिवर्तन यह दिखाता है कि जब वह अपने धन का उपयोग दूसरों के दुख को कम करने में करता है, तो उसका जीवन कितना सार्थक हो जाता है।

हर प्रतीक में निहित शाश्वत संदेश

क्रिसमस मनाने का हर प्रतीक, चाहे वह क्रिसमस ट्री हो, उपहारों का आदान-प्रदान हो या कैरोल गाने की परंपरा। दुख बांटने और खुशी फैलाने की ही प्रेरणा देता है, उसमें यही शाश्वत संदेश निहित होते हैं। जब हम किसी भूखे को भोजन देते हैं, किसी ठिठुरते हुए को गर्म कपड़े देते हैं या किसी उदास व्यक्ति के साथ समय बिताते हैं, तो हम क्रिसमस के मूल मानवीय संदेशों को ही जीते हैं। जब हम दूसरों का दुख बांटते हैं तो हम स्वयं को ईसा मसीह की शिक्षाओं के करीब पाते हैं। यह पर्व केवल उत्सव और सजावट तक सीमित नहीं होना चाहिए, इसे दूसरों के जीवन में रोशनी भरने का अवसर बनाना चाहिए। अपने घर, समाज और विश्व में दुख बांटने के इस चक्र को निरंतर चलाते हुए हम इस त्योहार को एक सच्चे मानवीय अनुभव का रूप दे सकते हैं। यही क्रिसमस का असली संदेश है और यही जीवन को सार्थक और सुंदर बनाने का सबसे सुंदर तरीका। *

पूरे देश में दिखती है प्रेम-उल्लास की छटा

हर साल 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्मदिन के उपलक्ष्य में क्रिसमस का पर्व पूरी दुनिया में खूब धूमधाम से मनाया जाता है। यह ईसाई धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है। लेकिन समय के साथ यह धर्म, जाति और भौगोलिक सीमाओं को तोड़ते हुए एक वैश्विक उत्सव बन गया है। यही वजह है कि भारत में भी क्रिसमस ना केवल ईसाई समुदाय के लिए बल्कि विभिन्न धर्मों और समुदाय के लोगों के लिए भी खुशी, प्रेम, उल्लास और एकता का प्रतीक बन गया है।

होते हैं विशिष्ट आयोजनः अपने देश के सभी चर्चों में क्रिसमस के दिन प्रार्थनाएं, सामूहिक पूजा और बाइबिल के विशेष पाठ किए जाते हैं। भारत में क्रिसमस एक बहु-सांस्कृतिक पर्व बन गया है। शहरों और कस्बों में क्रिसमस ट्री, रोशनी और सजावट इस मौके पर देखते ही बनती है। क्रिसमस धार्मिक सीमाओं को तोड़ते हुए लोगों को एक साथ लाता है। देश के कई हिस्सों में क्रिसमस के दौरान खूब चहल-पहल रहती है। गोवा, केरल, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय जैसे राज्यों और मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में क्रिसमस का पर्व खूब धूमधाम से मनाया जाता है। इस मौके पर पारंपरिक ईसाई परंपराओं के साथ-साथ देश के कुछ रीति-रिवाज भी जुड़ गए हैं।

गोवाः गोवा में क्रिसमस एक शानदार सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। जहां यह सिर्फ ईसाईयों का त्योहार नहीं है बल्कि सभी गोवावासियों

गोवा में क्रिसमस पर सजे-धजे चर्च

का त्योहार बन गया है। भारत में गोवा ही वह जगह है, जहां क्रिसमस का पर्व सबसे भव्य और जीवंत तरीके से मनाया जाता है। शायद ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि गोवा पर पुर्तगाली संस्कृति का काफी असर है। इस अवसर पर यहां चर्चों में भव्य सजावट की जाती है, पारंपरिक कैरोल गीत गाए जाते हैं। क्रिसमस के दौरान पूरे गोवा का माहौल उत्सवमय रहता है।

कोलकाताः गोवा जैसी ही कुछ खूबियां कोलकाता के क्रिसमस सेलिब्रेशन में भी दिखती हैं। इस अवसर पर शहर के सभी गिरजाघर रोशनी से जगमगा जाते हैं। खासतौर पर यहां पार्क स्ट्रीट स्थित गिरजाघर में क्रिसमस के समय विशेष रूप से सजावट होती है। इस गिरजाघर में क्रिसमस का उत्सव देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।

दिल्ली-मुंबईः दिल्ली के सेंट जेम्स चर्च में क्रिसमस के समय विशेष सजावट होती है और मिड नाइट मास यानी सामूहिक पूजा होती है, जो बहुत ही दर्शनीय होती है। इसी तरह देश की वित्तीय राजधानी मुंबई के माउंट मैरी चर्च, बांद्रा और चर्चगेट क्षेत्रों को विशेष रूप से सजाया जाता है, यहां क्रिसमस की विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की जाती हैं। इन स्थानों पर

मुंबई में क्रिसमस का जश्न मनाते लोग

धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से क्रिसमस बहुत ही उत्साह, उमंग के साथ मनाया जाता है।

पूर्वोत्तर के राज्यः भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे मिजोरम, नागालैंड और मेघालय में भी क्रिसमस खूब धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर यहां सभी समुदाय एकत्र होकर सामूहिक प्रार्थना करते हैं। पारंपरिक नृत्य करते हैं और अपने विशेष स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं। खासतौर पर शिलांग, आइजोल समेत अन्य पूर्वोत्तर के शहरों में भी क्रिसमस सामूहिक उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

केरलः दक्षिण भारतीय राज्य केरल में क्रिसमस के समय धार्मिक के साथ ही ज्यादातर गतिविधियां सांस्कृतिक तौर-तरीकों से संपन्न होती हैं। सेंट फ्रांसिस चर्च और सांता क्लॉज बेसिलिका इस पर्व में लोगों के आकर्षण का केंद्र होते हैं।

ऐसे करते हैं सेलिब्रेटः क्रिसमस का जश्न मनाने के लिए लोग घरों में अकसर प्लम केक और कुकीज बनाते हैं। बच्चों के लिए क्रिसमस के समय सांता क्लॉज द्वारा उन्हें तोहफे देने का जो रोमांच है, उसकी जगह कोई और नहीं ले सकता। बच्चों के लिए तो क्रिसमस का क्रेज बहुत ज्यादा होता है। क्रिसमस के मौके पर स्कूलों और कॉलेजों में जीसस क्राइस्ट के जीवन से जुड़े संदर्भों पर नाटक किए जाते हैं, कैरोल गायन किया जाता है और तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कह सकते हैं कि भारत में क्रिसमस महज एक धार्मिक त्योहार नहीं है बल्कि यह एक सांस्कृतिक पर्व बन गया है। *

दोहे
प्रो. शरद नारायण खरे

पत्थर की महिमा

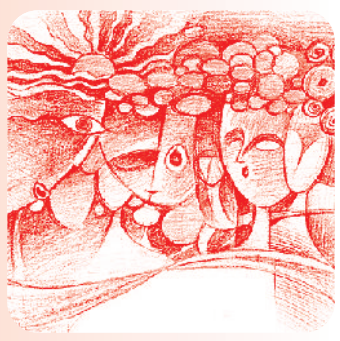

रहना पत्थर बन नहीं, बन जाना तुम मोम।
मानवता को धारकर, पुलकित कर हर रोम।।

पत्थर दिल होते जटिल, खो देते हैं भाव।
उनमें बचता ही नहीं, मानवता प्रति ताव।।

पत्थर की तासीर है, रहना नित्य कठोर।
करुणा बिन मौसम सदा, हो जाता घनघोर।।

पत्थर जब सिर पर पड़े, बहने लगता खून।
दर्द बढ़ाता नित्य ही, पीड़ा देता दून।।

सीमा पर प्रहरी बनो, पत्थर बनकर आज।
करो शहादत शान से, हर उर पर हो राज।।

पत्थर से बनते भवन, योगदान का मान।
पत्थर से बनते किले, रखती चोखी आन।।

कहानी / शरद उपाध्याय

रजाई

अनवर की बेहद मुलायम, कसीदाकारी की हुई गर्म रजाइयों का जवाब नहीं था। इसको ओढ़ा व्यक्ति ठंड को भूल जाता था। लेकिन विडंबना ऐसी कि अनवर ने कभी अपनी बनाई रजाई ओढ़कर नहीं देखी थी। अनवर तो यही सोचता था, ये रजाई उसके ओढ़ने के लिए है ही नहीं। एक मेहनतकश इंसान के जीवन की विसंगति को उकेरती मार्मिक कहानी।

सर्दी की रात, चारों ओर पसरा हुआ सन्नाटा। सूनी पड़ी हुई गली में सर...सर करती हवाएं। कंपकंपाने वाली ठंड। इस तंग गली के एक कोठरीनुमा कमरे में अनवर की गृहस्थी सिमटी हुई थी। शरीर बूढ़ा हो चला था, लेकिन हाथ अनवरत चल रहे थे।

चालीस साल से अनवर की बस एक ही दिनचर्या थी। दिन-रात की मेहनत से वह कम वजन वाली कोमल-खूबसूरत रजाइयां तैयार करता था। सेठ जी सुंदर कसीदाकारी वाली रजाइयां उसे बनाने देते, फिर शुरू होती अनवर की कारीगरी। अनवर के हाथ की बनी रजाइयां, देश-विदेश में जाती थीं। इस कार्य के लिए कई सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाएं उसे पुरस्कृत कर चुकी थीं।

अनवर ने अपने कमरे को दो भागों में बांट रखा था। एक ओर उसकी गृहस्थी, खाने-पीने का सामान था, दूसरी ओर रूई, रजाइयां, सुई-धागे आदि पड़े रहते थे। सारा कमरा बेतरतीब था। गंदगी और अव्यवस्था एक-दूसरे से बढ़कर थी। कमरे में लगा पीला बल्ब बीमार-सी रोशनी फेंकता रहता। खुद अनवर अव्यवस्थित कमरे का प्रतिरूप जान पड़ता था।

इन सबसे अलग कमरे में अनवर द्वारा तैयार सुंदर, रेशम, मखमली कपड़े की बनी मुलायम रजाई भी रखी होती, जो छूते ही पंख-सा अहसास देती थी। रजाई की अद्भुत कसीदाकारी उसका सौंदर्य दुगना कर देती थी। अनवर दिनभर रजाई का ही काम करता था। पूरी होने पर उसको अनमोल धरोहर की तरह रखवा देता। उसका ध्यान रखता था कि कि कमरे की गंदगी कहीं उसे छू ना जाए।

रजाई उसके लिए एक वस्तु नहीं थी, अपितु पूजा थी, इबादत थी, वो समर्पण भाव से अपने काम में खोया रहता। रजाई ही उसकी आकार-निराकार प्रतिमा थी। रजाई उसके लिए भोर का गीत थी, संध्या की रागिनी थी।

अनवर कमरे के दूसरे छोर पर सोता था। एक पुरानी-सी गुदगुड़ी और दो फटे कंबल ओढ़कर। कड़कड़ाती सर्दी में ये कंबल अपर्याप्त थे। मगर वो यह ही सोचकर तसल्ली कर लेता था कि दो महीने की तो बात है, बेकार में खर्चा क्यों किया जाए।

रात धीरे-धीरे गहराती जा रही थी। हवाएं रह-रह कर उसके रोंगटे खड़े कर देती थीं, लेकिन अनवर हमेशा की तरह अपने काम में लगा हुआ था। रजाई लगभग तैयार होने को ही थी। उसे लग रहा था कि वह पूरा काम करके ही सोए। अधूरे काम में उसे चैन नहीं मिलता था। फिर रात भर एक अजीब-सी बेचैनी घेरे रहती। ठंड का एक झोंका, उसे फिर आकर कंपा गया। वह सिहर उठा, लेकिन काम लगातार करता रहा। अंत में करीब एक घंटे बाद रजाई का काम पूरा हो गया।

अनवर के मन को तसल्ली हुई। वह धीरे से उठा और अपने बिस्तर पर आकर लेट गया। ठंड बढ़ती जा रही थी। दोनों कंबल ओढ़ने के बाद भी सर्दी में कोई कमी नहीं आई थी। चारों ओर से लिपटा कंबल ठंड के मारे पानी-पानी हो रहा था।

'कोई बात नहीं, एक तो बज ही गया होगा, चार-पांच घंटे बाद सुबह हो जाएगी।' मन ही मन उसने अपने आपको तसल्ली दी। बल्ब की पीली रोशनी में जहां पूरा कमरा उदासी से भरा हुआ था, वहीं रजाई की उपस्थिति कमरे की शोभा में चार चांद लगा रही थी। उसकी रजाइयां बहुत ही सुंदर और गर्म रहती हैं।

सुंदर के बारे में तो उसे पता था, लेकिन गर्म रहती हैं, ऐसा सिर्फ उसने लोगों से सुना था। लोग कहते थे कि अनवर के हाथों की बनी रजाई तो ऐसी होती हैं कि बर्फ में भी ओढ़कर बैठ जाएं।

हालांकि वह रजाइयों का निर्माता था, रचयिता था, सृजनकर्ता था। लेकिन वह उसकी इस विशेषता से अनभिज्ञ था। कारण, यही था कि सेठजी की हमेशा यही हिदायत रहती थी कि रजाइयां जरा भी गंदी नहीं होनी चाहिए, एक भी गंदा निशान नहीं पड़ना चाहिए। आखिर हजारों रुपए की अमानत है।

अनवर ने करवट बदली। रजाई अपने अप्रतिम सौंदर्य के साथ उसके सामने रखी थी। ठंड लगातार बढ़ती जा रही थी। अचानक उसके दिमाग में एक ख्याल आया, वह रोमांच से भर उठा। वह सृजनकर्ता है, निर्माता है लेकिन अपने सृजन से कितना अनभिज्ञ है। वह चालीस सालों से रजाई बना रहा है, लेकिन उसने कभी ओढ़कर नहीं देखी। पता नहीं इसे ओढ़कर कैसा अहसास होता होगा। लोग उसकी रजाई से कैसा सुख अनुभव करते होंगे।

अनवर धीरे से उठा और रजाई के पास जाकर बैठ गया। रजाई बहुत ही सुंदर लग रही थी। उसने रजाई को धीरे से सहलाया, बहुत ही सुखद-कोमल अहसास...। वह अपना हाथ रजाई के अंदर ले गया। नर्म सा अहसास... उसका दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। उसने चारों ओर देखा, कोई नहीं था। खिड़की पर पल्ला नहीं था, उस पर लगा पर्दा शांत था। ठंड बहुत हो रही थी। वह पुनः अपने बिस्तर पर चला आया। दोनों कंबलों को ओढ़कर लेट गया। रजाई ओढ़ने की हिम्मत वह जुटा नहीं पाया। बस पड़े-पड़े उसे देखता रहा। रजाई बहुत ही सुंदर लग रही थी। कसीदाकारी और रंग के समावेश ने उसके सौंदर्य को चार चांद लगा दिए थे।

वह सोच रहा था कि सचमुच कितना अच्छा लगता होगा, जब लोग उसकी रजाई को चारों ओर से लपेट लेते होंगे। जो लोग इतनी महंगी रजाई ओढ़ते होंगे, वे नीचे मोटे-मोटे गद्दे भी बिछाते होंगे। फिर उस पर नर्म चादर... ऊपर से सुंदर सुकोमल रजाई। इन्हीं कल्पनाओं में खोया अनवर ना जाने कब सपनों की सुहावनी दुनिया में पहुंच गया। उसे लगा कि वह एक बहुत आरामदायक बिस्तर पर सोया है। बहुत ही मुलायम गद्दा, उस पर बिछी मखमल की चादर, ऊपर उसने अपनी रजाई ओढ़ रखी है, बिल्कुल ऐसे जैसे कि उसके चारों ओर छोटे-छोटे पंख लपेट दिए हों।

ऐसा सुखद अनुभव तो उसे कभी जिंदगी में नहीं हुआ। अचानक अनवर को ठंडापन सा लगा। उसकी रजाई में ठंड! तभी उसकी नींद खुल गई। उसने देखा, यह सच नहीं था। वह सपना देख रहा था। उसे वास्तव में ठंड लग रही थी। वह उठकर बैठ गया। रजाई वैसी ही रखी हुई थी, सुंदर-सुकोमल। अनवर का गला सूख रहा था। वह धीरे से उठा। कुछ घूंट पानी पिया, उसे राहत मिली। लेकिन वापस लौटकर इस बार वह पुनः अपने बिस्तर के पास नहीं गया। वह अपनी तैयार की हुई रजाई के पास पहुंचा। वहीं बैठ गया।

धीरे-धीरे उसे सहलाता रहा। उसे बहुत अच्छा लग रहा था। पहली बार उसे लगा कि वह उसका सृजनकर्ता है निर्माता है, उसे भी पूरा-पूरा अधिकार है, अपने सृजन के अहसास को अनुभव करने का। उसने अब खिड़की की ओर भी नहीं देखा। वह रजाई में घुस गया। उसे लगा यह पल उसके जीवन का सबसे सुखद पल है। निर्वाण का पल, शांति का पल, वह बहुत ही खुश था.. बहुत ही खुश...! *

इस साल स्मॉल कैप पर भारी पड़े मिड कैप फंड

- सात फंड्स ने 1 साल में कराई 64% तक की कमाई
- 40% से 64% तक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल

दूसरी तरफ, टॉप 7 स्मॉल कैप फंड्स का रिटर्न 37% से 54% तक ही रहा

इक्विटी म्यूचुल फंड्स के रिटर्न का जिक्र हो तो आमतौर पर यही कहा जाता है कि लार्ज कैप फंड्स की तुलना में मिड कैप फंड्स का रिस्क और रिटर्न अधिक होता है, जबकि स्मॉल कैप फंड्स में रिस्क और रिटर्न मिड कैप से ज्यादा रहता है, लेकिन पिछले एक साल के रिटर्न पर नजर डालें, तो टॉप 7 मिड कैप फंड्स का प्रदर्शन टॉप 7 स्मॉल कैप फंड्स की तुलना में बेहतर रहा है। यानी स्मॉल कैप के मुकाबले ज्यादा मजबूत और सुरक्षित समझे जाने वाले मिड कैप फंड्स ने मुनाफा भी अधिक दिया है। मिड कैप का शानदार प्रदर्शन निवेशकों के रुझान को इस तरफ बढ़ाएगा। जानकारों का कहना है कि इस बार मिड कैप में निवेशक अधिक जुड़ेंगे।

यह रहा रिटर्न का गणित

दरअसल, मिड कैप इक्विटी फंड की कैटेगरी में आने वाली 7 म्यूचुअल फंड स्कीम्स ने पिछले 1 साल में 40% से लेकर 64% तक रिटर्न दिया है। वहीं, इसी अवधि के दौरान टॉप 7 स्मॉल कैप फंड्स का रिटर्न करीब 37% से 54% तक रहा है।

टॉप 7 मिड कैप फंड्स का 1 साल का रिटर्न

सबसे पहले नजर डालते हैं पिछले एक साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले मिड कैप म्यूचुअल फंड्स पर। इन फंड्स ने न सिर्फ स्मॉल कैप की तुलना में, बल्कि अपने बेंचमार्क इंडेक्स के मुकाबले भी काफी बेहतर मुनाफा दिया है। डायरेक्ट प्लान का रिटर्न हमेशा रेगुलर प्लान के मुकाबले अधिक रहता है, क्योंकि इनमें एक्सपेंस रेशियो कम होता है।

1. मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान): 62.65%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 64.44%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 25,287.06 करोड़
- **बेंचमार्क :** निफ्टी मिडकैप इंडेक्स(1 साल का रिटर्न 31.49%)

2. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 48.24%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 50.12%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 6,184.86 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** बीएसई बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 34.03%)

3. एचएसबीसी मिडकैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 45.36%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 46.92%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 12,667.72 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 31.49%)

4. एडलवाइस मिड कैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 44.71%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 46.71%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 8,721.88 करोड़
- **बेंचमार्क :** निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 31.49%)

5. कोटक इमर्जिंग इक्विटी फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 39.99%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 41.53%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 53,880.05 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 31.49%)

6. महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 38.21%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 40.26%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 3,621.90 करोड़
- **बेंचमार्क** : निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 31.49%)

7. आईटीआई मिड कैप फंड

- 1 साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) :37.79%
- 1 साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 40.21%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 1,181.52 करोड़
- **बेंचमार्क :** निफ्टी मिडकैप 150 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 31.49%)

क्यों बेहतर हैं मिड कैप फंड्स में निवेश

टॉप 7 फंड्स के पिछले 1 साल के प्रदर्शन के आंकड़े बताते हैं कि जो निवेशक ऊंचा रिटर्न हासिल करने के लिए ज्यादा रिस्क लेने को तैयार हैं, उनके लिए मिड कैप म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। इनमें न सिर्फ स्मॉल कैप फंड्स के मुकाबले रिस्क कम रहता है, बल्कि मुनाफा भी बेहतर रहा है। हालांकि निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले यह बात हमेशा ध्यान में रखें कि किसी भी इक्विटी फंड पर बाजार की उथल-पुथल का सीधा असर पड़ता है और उनका पिछला प्रदर्शन भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती।

टॉप 7 स्मॉल कैप फंड्स का 1 साल का रिटर्न

1. बंधन स्मॉल कैप फंड

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 52.40%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 54.60%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 9,735.57 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 33.42%)

2. एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 44.82%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 46.28%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 436.35 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** निफ्टी स्मॉलकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 34.96%)

3. इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंड

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 42.46%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 44.52 %
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,146.42 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 33.42%)

4. आईटीआई स्मॉल कैप फंड

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 41.98%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 44.42%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 2,529.43 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क** : निफ्टी स्मॉलकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 34.96%)

5. टाटा स्मॉल कैप फंड

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 37.18%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.13%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 9,906.97 करोड़ रुपये
- **बेंचमार्क :** निफ्टी स्मॉलकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स (1 साल का रिटर्न 34.96%)

6. महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप

- 1 वर्षीय रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 36.05%
- 1 वर्षीय रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.19%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम): 4,396.85 करोड़ रुपये

इस फार्मूले को आजमाएं रॉकेट की तरह ऊपर भागेगा पीपीएफ का रिटर्न

अगर आप भी निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं या फिर ब्याज से बढ़िया कमाई का रास्ता ढूंढ़ रहे हैं या फिर ऐसा इन्वेस्टमेंट चाहते हैं जहां कोई रिस्क न हो। ऐसे में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) स्कीम आपके लिए सबसे बढ़िया विकल्प हो सकती है। भारत का कोई भी नागरिक इसमें निवेश कर सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें मिलने वाले बेनिफिट्स सबकी पसंद बने हुए हैं। पीपीएफ में निवेश करने के फायदे बैंक और पोस्ट ऑफिस खुद बताते हैं। बढ़िया ब्याज, टैक्स फ्री इन्वेस्टमेंट, मैच्योरिटी पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह से आपका। निवेश के नजरिए से बेहतरीन टूल है। मैच्योरिटी पीरियड 15 साल है, लेकिन, 15 साल के बाद भी निवेश को एक्सटेंशन दे सकते हैं। अगर एक्सटेंशन देंगे तो आपका रिटर्न रॉकेट की रफ्तार से दौड़ेगा और 5000 रुपये का शुरुआती निवेश कब 26 लाख से ज्यादा हो जाएगा आपको पता भी नहीं चलेगा।

मैच्योरिटी पर 3 ऑप्शन

मैच्योरिटी के वक्त 3 ऑप्शन आपको मिलते हैं। इन 3 ऑप्शन को समझना बहुत जरूरी है। पहला मैच्योरिटी के बाद अपना पैसा निकाल लें। दूसरा अगर विड्रॉल नहीं करेंगे तो भी ब्याज मिलता रहेगा। तीसरा नए निवेश के साथ 5 साल के लिए एक्टेंशन दे सकते हैं। आइये समझते हैं कैसे और क्या करना होगा।

मैच्योरिटी पर निकाल लें पूरा पैसा

पीपीएफ अकाउंट की मैच्योरिटी पर आपकी तरफ से जमा रकम और ब्याज को निकाल लें। अकाउंट क्लोजर की स्थिति में पूरा पैसा आपके अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। मैच्योरिटी पर मिलने वाला पैसा और ब्याज पूरी तरह से टैक्स फ्री होगा। हर साल 1.5 लाख तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट मिलती है। पूरे टैन्योर में आपने जो भी पैसा जमा किया होगा उस पर भी कोई टैक्स नहीं देना होगा।

5 साल के लिए बढ़ाएं पीपीएफ निवेश

दूसरा ऑप्शन है मैच्योरिटी के बाद निवेश को बढ़ाना. स्कीम में 5-5 साल के टेन्योर में अकाउंट एक्सटेंशन का ऑप्शन दिया जाता है। हालांकि, अगर आप अगले 5 साल के लिए एक्सटेंशन चाहते हैं तो पीपीएफ अकाउंट की मैच्योरिटी से 1 साल बैंक या पोस्ट ऑफिस को बताना होगा। अच्छी बात ये है कि एक्सटेंशन के वक्त प्री-मैच्योर विड्रॉल का नियम लागू नहीं होता और आप कभी भी पैसा निकाल सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट में तीसरा ऑप्शन, अगर आप ऊपर के दोनों विकल्प नहीं चुनते तो भी अकाउंट मैच्योरिटी के बाद चलता रहेगा। इसमें नए निवेश की जरूरत नहीं होगी।

फ्लेक्सी कैप फंड्स ने एक साल में दिया 54 फीसदी तक मुनाफा

म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वालों के बीच फ्लेक्सी कैप फंड्स काफी लोकप्रिय हैं। फ्लेक्सी कैप फंड में लगाए गए पैसों को फंड मैनेजर अपनी स्ट्रैटजी के हिसाब से लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप समेत हर तरह के स्टॉक्स में निवेश कर सकते हैं। इस फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट एप्रोच की वजह से ही इन्हें फ्लेक्सी कैप का नाम दिया गया है। बीते करीब एक साल के दौरान देश के टॉप 8 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने निवेशकों को करीब 35% से लेकर 54% तक रिटर्न दिया है, जो उनके बेंचमार्क की तुलना में काफी अधिक रहा है। डायवर्सिफाइड इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी और बेहतर फंड मैनेजमेंट को इन टॉप 8 फ्लेक्सी कैप फंड्स की सफलता की बड़ी वजह माना जा सकता है। फ्लेक्सी कैप फंड्स इक्विटी फंड की कैटेगरी में आते हैं। इनके कॉर्पस का ज्यादातर निवेश स्टॉक्स में रहता है। सेबी के नियमों के तहत फ्लेक्सी कैप फंड्स के लिए कम से कम 65 फीसदी निवेश इक्विटी में करना जरूरी है। असल में अधिकांश फ्लेक्सीकैप फंड्स में इक्विटी का हिस्सा इससे भी कहीं ज्यादा रहता है। अपने इसी निवेश की बदौलत टॉप 8 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने पिछले 1 साल में निवेशकों को ऊंचा रिटर्न दिया हैं।

मोतीलाल ओसवाल फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 54.23%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 52.91%
- बेंचमार्क : निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.73%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 13,304.88 करोड़ रुपये

इनवेस्को इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 43.77%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 41.81%
- बेंचमार्क : बीएसई 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.32%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 2,568.31 करोड़ रुपये

जेएम फ्लेक्सीकैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 42.88%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 40.76%
- बेंचमार्क : बीएसई 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.32%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 5,315.30 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 40.58%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 38.50%
- बेंचमार्क : बीएसई 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.32%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 2,172.06 करोड़ रुपये

360 वन फ्लेक्सीकैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.79%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 36.49%
- बेंचमार्क : बीएसई 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.32%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1,323.12 करोड़ रुपये

एचएसबीसी फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.69%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 37.67%
- बेंचमार्क : निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.73%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 5,220.24 करोड़ रुपये

हेलिओस फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.35%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 36.26%
- बेंचमार्क : निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.73%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 2,496.85 करोड़ रुपये

एडलवाइस फ्लेक्सी कैप फंड

- एक साल का रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.02%
- एक साल का रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 35.88%
- बेंचमार्क : निफ्टी 500 टोटल रिटर्न इंडेक्स (एक साल का रिटर्न : 25.73%)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 2,545.74 करोड़ रुपये

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE
सत्यमेव जयते

जीएसटी करदाता ध्यान दें !

कृपया वित्तीय वर्ष 2023-24 का अपना वार्षिक रिटर्न फॉर्म GSTR-9* और फॉर्म GSTR-9C# में दाखिल करें

*इन करदाताओं द्वारा फॉर्म GSTR-9 दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे सभी जीएसटी करदाता, जिनका सकल वार्षिक टर्नओवर ₹ 2 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान), निम्न को छोड़कर:

- इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर
- कैजुअल टैक्सेबल पर्सन
- टीडीएस डिडक्टर
- टीसीएस कलेक्टर
- प्रवासी टैक्सेबल पर्सन

#इन करदाताओं द्वारा फॉर्म GSTR-9C दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे करदाता, जिनका सकल वार्षिक टर्नओवर ₹ 5 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान), द्वारा फॉर्म GSTR-9 में वार्षिक रिटर्न के साथ फॉर्म GSTR-9C में स्व-प्रमाणित रिकॉन्सिलिएशन स्टेटमेंट दाखिल किया जाना आवश्यक है

फॉर्म GSTR-9 और फॉर्म GSTR-9C विलंब से दाखिल किए जाने पर विलंब शुल्क लगता है।

जीएसटी वार्षिक रिटर्नों के विवरण के लिए कृपया स्कैन करें

CBC 15502/13/0003/2425

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india www.cbic.gov.in

बिजनेस साइट

हीरो शोरूम में एच एफ डीलक्स और सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक का माइलेज कैंप

- छत्तीसगढ़ के 73 शोरूम के 500 ग्राहक अपनी बाइक के साथ शामिल हुए

रायपुर। एक अनोखी पहल करते हुए विश्व की नंबर वन दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड की ओर से छत्तीसगढ़ में हीरो एचएफ डीलक्स बाइक और हीरो सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक बाइक की माइलेज टेस्ट का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में हीरो के 73 शोरूम में एक विशेष माइलेज कैंप आयोजित किया गया। जिसमें 500 से अधिक ग्राहकों की गाड़ियों का माइलेज परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान, ग्राहकों की बाइक में फूल टैंक पेट्रोल भरवाया गया और फिर 60 किलोमीटर तक ड्राइविंग करवाई गई। माइलेज परीक्षण में एच एफ डीलक्स का औसत माइलेज 95 किलोमीटर प्रति लीटर और सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक का औसत माइलेज 82 किलोमीटर प्रति लीटर पाया गया। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी की ओर से स्टेट एरिया मैनेजर अभिषेक तायल और एरिया सेल्स मैनेजर अंशुल त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक हुआ। इस अद्भुत माइलेज को जानकर सभी ग्राहकों को आश्चर्य और खुशी का अनुभव हुआ। हीरो शोरूम के मालिकों ने इस परीक्षण में भाग लेने वाले सभी ग्राहकों को प्रोत्साहित किया। यह कैंप हीरो के ग्राहकों के बीच विश्वास और संतुष्टि बढ़ाने में सफल रहा।

- हीरो मोटाकॉर्प के माइलेज टेस्ट में दिखा ग्राहकों का उत्साह

आईएसबीएम विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह 24 को

मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल रामेन डेका

रायपुर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय, नवापारा (कोसमी) का द्वितीय दीक्षांत समारोह 24 दिसम्बर, मंगलवार को आयोजित किया जाएगा। यह समारोह विश्वविद्यालय के परिसर में सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष महामहिम रामेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस विशेष अवसर पर दीक्षांत भाषण लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. अशोक जिंदल देंगे। इसके अलावा अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय में जोर-शोर से काम चल रहा है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीपी भोल ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों की विशिष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता स्थापित की है। इस समारोह का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का सम्मान करना और उन्हें अपने करियर की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करना है।

अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी : मैच में उत्तर प्रदेश ने त्रिपुरा को 152 रन से हराया

97 गेंद 201 रन, 13 चौके और 20 छक्के समीर ने ठोका सबसे तेज दोहरा शतक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

21 साल के समीर रिजवी ने घरेलू क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। त्रिपुरा के खिलाफ मेंस अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी मैच में उत्तर प्रदेश की कप्तानी करते हुए रिजवी ने सिर्फ 97 गेंद पर नाबाद 201 रन बनाए। उनकी धमाकेदार पारी में 13 चौके और 20 गगनचुंबी छक्के शामिल थे, जिससे त्रिपुरा के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ गईं। रिजवी 23वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए और अकेले दम पर अपनी टीम को 405 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। उत्तर प्रदेश ने यह मुकाबला 152 रन से जीत लिया। हालांकि, यह अविश्वसनीय उपलब्धि लिस्ट ए रिकॉर्ड के रूप में योग्य नहीं है, लेकिन रिजवी की पारी असाधारण है। आईपीएल 2025 से पहले अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

सबसे तेज दोहरा शतक

खिलाड़ी	देश	गेंद
समीर रिजवी	भारत	97
चैड बोवेस	न्यूजीलैंड	107
नारायण जगदीशन	भारत	114
ट्रेविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	114

दिग्गजों को पछाड़ा

लिस्ट ए क्रिकेट में इससे पहले सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के चैड बोवेस के पास था, जिन्होंने 107 गेंद पर यह कारनाम करते हुए भारत के नारायण जगदीशन और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड का संयुक्त रिकॉर्ड तोड़ा था। जगदीशन और हेड दोनों ने क्रमशः विजय हजारे ट्रॉफी और मार्श कप के दौरान 114 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की। आधिकारिक रूप से सूचीबद्ध नहीं होने के बावजूद, रिजवी की यह पारी उनकी प्रतिभा को दर्शाती है।

दिल्ली ने मेगा ऑक्शन में खरीदा

गौरतलब हो कि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में समीर रिजवी को दिल्ली कैपिटल्स ने 95 लाख रुपए में खरीदा है। पिछले सीजन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा था। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली के लिए अक्सर सुरेश रैना से तुलना किए जाने वाले रिजवी का आईपीएल का पहला सीजन निराशाजनक रहा, जिसमें उन्होंने 118.60 की स्ट्राइक रेट से पांच पारियों में सिर्फ 51 रन बनाए। सीएसके ने अनकैप्ड खिलाड़ी को ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया था।

अनमोलप्रीत ने रिकॉर्ड 35 गेंद में पूरा किया शतक

लिस्ट ए क्रिकेट

अहमदाबाद। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने शनिवार को यहां विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। विश्व रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ केवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था। पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए।

सेना की लगातार तीसरी जीत, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

हैदराबाद। गत चैंपियन सेना ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां डेक्कन एरेना में राजस्थान पर 2-0 से जीत के साथ संतोष ट्रॉफी के लिए खेली जा रही 78वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यह सेना की लगातार तीसरी जीत है जिससे उसके नौ अंक हो गए हैं और उसने छह टीमों के ग्रुप में शीर्ष चार में अपनी जगह पक्की कर ली है। राजस्थान को दूसरे हाफ में अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जिसका सेना ने पूरा फायदा उठाया। उसकी तरफ से श्रेयस वीजी और विजय जे ने गोल किए। इससे पहले दिन में जम्मू-कश्मीर ने करोया मरो के मैच में तेलंगाना को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। तेलंगाना का अब तक केवल एक अंक है और वह ग्रुप चरण में बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। जम्मू-कश्मीर अब चार अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। राजस्थान भी एक अंक के साथ पांचवें स्थान पर है और अगर वह सोमवार को जम्मू-कश्मीर को हरा देता है तो वह अंतिम आठ के लिए क्वालीफाई कर सकता है।

निशानेबाजी

भारत करेगा जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी। हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, 'पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'

कोयल, नीलम ने एशियाई चैंपियनशिप में जीते रजत

दोहा। भारत की कोयल बार और एल नीलम देवी ने शनिवार को यहां एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में रजत पदक जीते जिससे देश के पदकों की संख्या छह तक पहुंच गई। कोयल ने स्नैच में 79 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 103 किग्रा का वजन उठाकर कुल 182 किग्रा भार से रजत पदक जीता। नीलम ने स्नैच में 86 और क्लीन एवं जर्क में 104 किग्रा जबकि कुल 190 किग्रा से जूनियर वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन पदकों से भारत की इस महाद्वीपीय स्पर्धा में पदकों की संख्या छह हो गई।

खबर संक्षेप

पाकिस्तान में सुरक्षा देखने पहुंचा न्यूजीलैंड क्रिकेट

कराची। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने जनवरी में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले सुरक्षा और अन्य इंतजामात का जायजा लेने एक दल पाकिस्तान भेजा है। मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के अलावा श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका भी भाग लेगी। पाकिस्तान में फरवरी मार्च में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी होनी है। न्यूजीलैंड के दल में सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकासन और न्यूजीलैंड खिलाड़ियों के संघ के प्रतिनिधि ब्राड रोडेन हैं जो कराची और लाहौर में सुरक्षा इंतजामों और अन्य तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे हैं।

भारतीय गेंदबाजों के लिए मेरे पास कुछ योजनाएं हैं

मेलबर्न। युवा ऑस्ट्रेलियाई ओपनर सैम कोंस्टास 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट में भारतीय गेंदबाजों का सामना करने के लिए बेताब हैं और उनका कहना है कि अगर उन्हें बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के चौथे मैच में मौका मिलता है तो उनके पास जसप्रीत बुमराह एंड कंपनी से निपटने के लिए कुछ योजनाएं हैं। इस युवा को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है क्योंकि भारत के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैचों के लिए उन्होंने नए सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को टीम से बाहर कर दिया है।

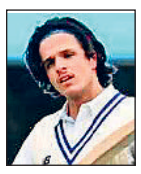

सुरुचि ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीता चौथा स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा की युवा निशानेबाज सुरुचि ने शनिवार को यहां 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की पिस्टल स्पर्धा में दूसरे दिन दबदबा जारी रखते हुए अपना चौथा स्वर्ण पदक हासिल किया।

शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि ने सम्राट राणा के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम युवा स्पर्धा में उत्तराखंड की अभिनव देसवाल और यश्वी जोशी की जोड़ी को 16-2 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कर्नाटक के जोनाथन गाविन एंटोनी और अवंतिका मधु ने घरेलू दावेदार जसवीर सिंह साहनी और साइना भरवानी को 17-13 से हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

सेना के निशानेबाज रविंदर सिंह और सेजल काम्बले ने आंध्र के मुकेश नेलावल्ली और प्रणवी दवाराम की जोड़ी को 16-12 से हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीता। जतिन चौधरी और कविता ढोंढियाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

मंजूनाथ और सौरभ की आसान जीत

बेंगलुरु। पूर्व चैंपियन मिथुन मंजूनाथ और सौरभ वर्मा ने अपने अनुभव के बूते शनिवार को यहां 86वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दौर के मुकाबलों में अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। गत चैंपियन चिराग सेन और अनमोल खरब ने भी आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। मिथुन ने पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में तीसरे वरीय भरत राघव को 21-9, 21-18 से जबकि वर्मा ने अभिनव गर्ग को 21-17, 21-17 से मात दी। चिराग ने जीत पटेल को 21-15, 21-15 से पराजित किया। महिला एकल में अनमोल ने दीपाली गुप्ता को 21-8, 21-6 से और पिछले चरण की उप विजेता तन्वी शर्मा ने फ्लोरा इंजीनियर पर 21-8, 21-6 की आसान जीत से तीसरे दौर में प्रवेश किया।

गांव की बच्ची सुशीला का गेंदबाजी एक्शन जहीर के समान : तेंदुलकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पोस्ट में गांव की एक बच्ची के शानदार गेंदबाजी एक्शन की तारीफ करके भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान से उनकी तुलना की और जहीर भी उसकी तकनीक के कायल हुए बिना नहीं रहे।

तेंदुलकर ने शुक्रवार को एक्स पर राजस्थान की सुशीला मीना का वीडियो साझा किया जो बाएं हाथ से शानदार तेज गेंदबाजी कर रही थी और उसके बेहतरीन एक्शन में जहीर के एक्शन की झलक मिल रही थी। तेंदुलकर ने जहीर को वीडियो में टैग किया। उन्होंने लिखा, 'शानदार। देखने में मजा आया। सुशीला मीना के गेंदबाजी एक्शन में तुम्हारी झलक है जहीर। क्या तुम्हे भी लगता है।'जवाब में जहीर ने लिखा, 'बिल्कुल। मैं भी सहमत हूं। इसका एक्शन इतना प्रभावी और शानदार है। काफी प्रतिभावान लग रही है।' राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के छोटे से गांव रामेर तालाब पिपलिया की रहने वाली 12 वर्ष की सुशीला पांचवीं कक्षा की छात्रा है और क्रिकेट की शौकीन है।

टीम से बाहर होने पर टूट चुके हैं मैकस्वीनी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने स्वीकार किया कि वह भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी दो मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से टूट चुके हैं लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके दोबारा टीम में जगह बनाने का वादा भी किया। मैकस्वीनी को बाहर करके युवा सैम कोंटास को टीम में जगह दी गई है। मैकस्वीनी ने कहा, 'हां मैं टूट चुका हूं। आस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ लेकिन उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था।'

अश्विन की पत्नी ने साझा की भावुक पोस्ट

चेन्नई। रविचंद्रन अश्विन की पत्नी पृथि नारायणन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने के उनके फैसले के बाद भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि आप अपने होने का बोझ उतारकर खेल से इतर जीवन को अपनाएं। अपनी पोस्ट को 'एक प्रशंसक का प्रेमपत्र' करार देते हुए पृथि ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'प्रिय अश्विन, किट बैग को एक साथ रखना न जानने से लेकर दुनिया भर के स्टेडियमों में आपका अनुसरण करना, आपका उत्साहवर्धन करना, आपको देखना और आपसे सीखना, यह सब मेरे लिए एक परम आनंद रहा है। आपने मुझे जिस दुनिया से परिचित कराया, उसने मुझे एक ऐसे खेल को देखने और उसका आनंद लेने का सौभाग्य दिया, जिसे मैं करीब से प्यार करती हूं।

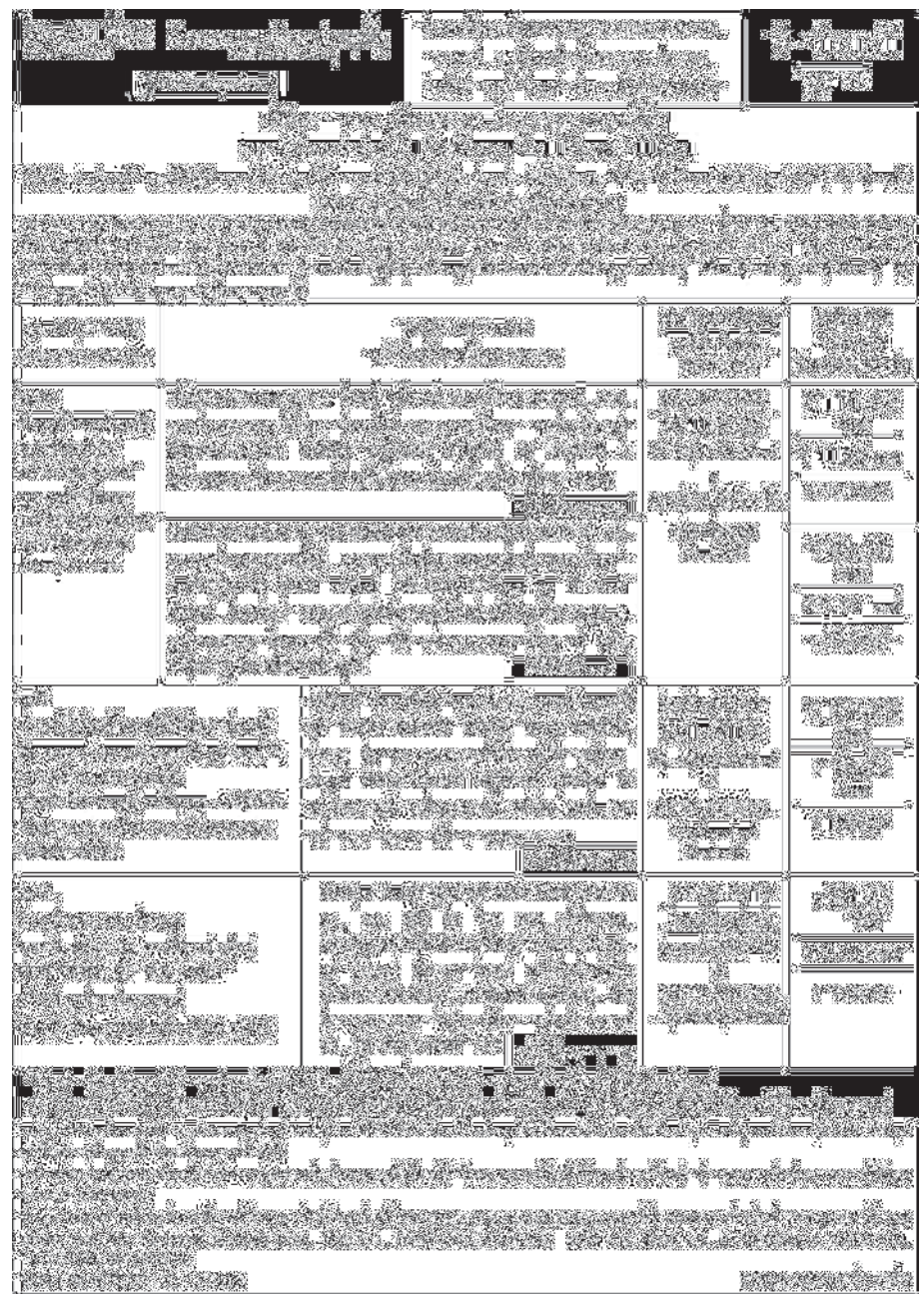

जडेजा की प्रेस कॉन्फ्रेंस में बवाल ऑस्ट्रेलियन मीडिया ने खोया आपा

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाना है। शनिवार को भारतीय टीम का एमसीजी में पहला प्रैक्टिस सेशन था। प्रैक्टिस सेशन के बीच रवींद्र जडेजा ने मीडिया को संबोधित किया। जडेजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हिंदी में ही सवालों के जवाब दिए। पीसी के अंत में ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों ने जडेजा से अंग्रेजी में प्रश्न पूछना चाहा, हालांकि जडेजा ने ये कहकर पीसी छोड़ने का फैसला किया कि उन्हें बस पकड़नी है। इससे ऑस्ट्रेलियाई मीडिया जडेजा से काफी नाखुश दिखा। भारतीय टीम के मीडिया मैनेजर मौलिन पारिख ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि यह पीसी सिर्फ भारतीय मीडिया के लिए थी, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को ये बात हजम नहीं हुई। कुछ ऑस्ट्रेलियाई रिपोर्टर्स को टीम इंडिया के मीडिया मैनेजर मौलिन पारिख पर भड़कते देखा गया। ऑस्ट्रेलियाई पत्रकारों ने भारतीय टीम के मीडिया मैनेजर के साथ दुर्व्यवहार भी किया, जो अनुचित था। यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी, कई भारतीय पत्रकारों को समय की कमी के कारण सवाल पूछने का मौका नहीं मिलता है।

इग्जाम पे इग्जाम! दुखी बच्चे ने जमकर निकाली भड़ास

बोला-मैं पीएम बनूंगा तो...

नई दिल्ली। इसमें कोई शक नहीं है कि आजकल बच्चों के ऊपर पढ़ाई का काफी प्रेशर होता है। आए दिन उन्हें क्लास टेस्ट, प्रोजेक्ट, असाइनमेंट और बाकी परीक्षाएं भी देनी पड़ती है। ऐसे में जाहिर है कई बार वो भी परेशान हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ एक बच्चे के साथ हुआ। वो बार-बार परीक्षा की वजह से इस कदर परेशान हो गया कि सोशल मीडिया पर उसने अपनी भड़ास निकाली। वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देखेंगे कि बच्चे की आंखों में आंसू हैं। वो काफी दुखी आवाज में कह रहा है- 'दोस्तों हम बच्चों को भी तो जिंदगी जीनी है ना? हमें भी तो जिंदगी जीनी है ना लेकिन एग्जाम पे एग्जाम..एग्जाम पे एग्जाम जब मैं प्रधानमंत्री बनूंगा ना एग्जाम को बैन कर दूंगा।' तभी उसके पापा कहते हैं- मैंने कहा था एक्टिंग करनी है, तुम सीरियस क्यों हो जाते है एग्जाम का नाम लेते ही।

दुनिया की अनोखी सजाएं, जिनके बारे में जानकर हैरत में पड़ जाएंगे

न्यूयार्क। दुनिया में अपराध करने पर किसी भी अपराधी को सजा दी जाती है। अलग-अलग अपराधों के लिए अलग-अलग सजा दी जाती है। लेकिन, कुछ ऐसे मामलों में अपराधियों को अजीबोगरीब सजा दी गई है, जिसके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे।

कार्टून देखने की सजा

अमेरिका के मिसौरी में रहने वाले एक शख्स ने सैकड़ों हिरणों का शिकार किया था। इस शख्स का नाम डेविड बेरी था। साल 2018 में इस जुर्म का दोषी पाते हुए अदालत ने डेविड बेरी को एक साल तक जेल में रहकर महीने में कम से कम एक बार कार्टून देखने की सजा सुनाई थी।

जुर्माने की जगह ऐसी सजा

साल 2008 में अमेरिका में एंड्रयू वेक्टर पर अपनी कार में तेज आवाज में संगीत सुनने पर 120 पाउंड यानी आज के हिसाब से करीब 11 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया था। वह कार चलाते समय अपना पसंदीदा संगीत 'रैप' सुन रहे थे। बाद में जज ने कहा कि वह जुर्माने की रकम घटाकर 30 पाउंड कर देंगे, लेकिन वेक्टर को 20 घंटों तक बीथोवन, बाख और शोपेन का शास्त्रीय संगीत सुनना होगा।

चर्च जाने की सजा

अमेरिका के ओकलाहोमा में रहने वाले 17 वर्षीय टाइलर एलरेड शराब पीकर गाड़ी चला रहा था। इसके कारण हुए हादसे में उसके एक दोस्त की मौत हो गई थी। यह घटना साल 2011 की है। चूंकि, टाइलर उस समय हाईस्कूल में पढ़ता था, इसलिए अदालत ने उसे हाईस्कूल और ग्रेजुएशन खत्म करने के अलावा सालभर के लिए ड्रग, शराब और निकोटिन टेस्ट करवाने के साथ ही 10 साल तक चर्च जाने की सजा सुनाई थी।

गधे के साथ मार्च करने की सजा

साल 2003 में अमेरिका के शिकागो में रहने वाले दो लड़कों ने क्रिसमस की शाम चर्च से ईसा मसीह की मूर्ति चुराई थी और उसे नुकसान पहुंचाया था। इस जुर्म का दोषी पाते हुए दोनों को कोर्ट ने 45 दिन की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा उन्हें अपने गृहनगर में एक गधे के साथ मार्च करने का भी आदेश दिया गया था।

दूल्हे का 'चेहरा' देखते ही सदमे में गई दुल्हन, स्टेज पर ही शुरू कर दिया रोना

नई दिल्ली। हमारे देश में आज भी अरेंज मैरिज का प्रचलन काफी आम बात है। पैरेंट्स अपने हिसाब से अपनी बेटी के लिए लड़का ढूंढते हैं और उसकी शादी करते हैं। कई बार तो दुल्हन अपने होने वाले पति का चेहरा भी शादी के दिन देखती है। ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें आप देखेंगे कि जब दुल्हन पहली बार वरमाला के स्टेज पर दूल्हे को देखती है तो सदमे में चली जाती है! दरअसल, दुल्हन अपने होने वाले पति की शक्ल देखकर शॉक्ड रह जाती है क्योंकि उसे वो पसंद नहीं आता है। आखिरकार वो स्टेज पर ही जोर-जोर से रोने लगती है। उसके आसपास के लोग उसे चुप कराने की कोशिश करती है लेकिन वो फफक-फफक कर रोने लगती है। चाहकर भी उसके आंसू नहीं रुकते नहीं हैं। वीडियो में आप देखेंगे कि दुल्हन के बगल में बैठा दूल्हा भी कुछ सेकेंड के लिए शॉक्ड नजर आता है।

अपने पैरों पर खड़ा होने की सजा

स्पेन के एंडालूसिया में रहने वाले एक 25 साल के लड़के के माता-पिता ने उसे पॉकेट मनी देनी बंद कर दी थी। इसके बाद वह इस मामले को लेकर अदालत में ले आया। लेकिन, अदालत ने उल्टा उसी को सजा सुना दी कि अगले 30 दिन के अंदर उसे उसके माता-पिता का घर छोड़ना होगा और अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा।

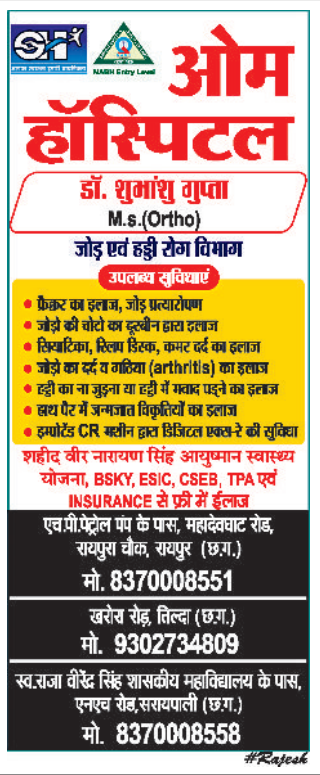

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com